NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D.I B. Pharma
BPT MPT D|BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

विजडम इंडिया

निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति

EMAIL: sheelshukla100@gmail.com

लखनऊ से प्रकाशित

वर्ष: 15 अंक: 188 लखनऊ, शनिवार 28 फरवरी 2026 मूल्य: 02 रुपये पृष्ठ- 08

पीएम मोदी का दक्षिण दौरा, तमिलनाडु और पुडुचेरी को देंगे 7,100 करोड़ के मेगा पोरजेक्ट की सौगात

एजेंसी।

दिल्ली। पीएम ई–बस सेवा इनिशिएटिव के तहत, वे नई इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी दिखाएंगे। वे स्मार्ट सिटी मिशन के तहत इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर, ब्ज्प्ै स्कीम के तहत आर्थिक रूप से कमजोर तबकों के लिए हाउसिंग फैसिलिटीज और कई सीवरेज और वॉटर सप्लाई प्रोजेक्ट्स का भी उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 1 मार्च को तमिलनाडु और पुडुचेरी का दौरा करने वाले हैं। राजस्थान और गुजरात के अपने दौरे के बाद, प्रधानमंत्री 28 फरवरी को रात करीब 9 बजे चेन्नई पहुंचेंगे। सोमवार सुबह करीब 11.45 बजे, प्रधानमंत्री पुडुचेरी में 2,700 करोड़ रुपये से ज़्यादा के कई डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन, शिलान्यास और देश को समर्पित करेंगे। इस इवेंट के दौरान वे एक पब्लिक गैदरिंग को भी एड्रेस

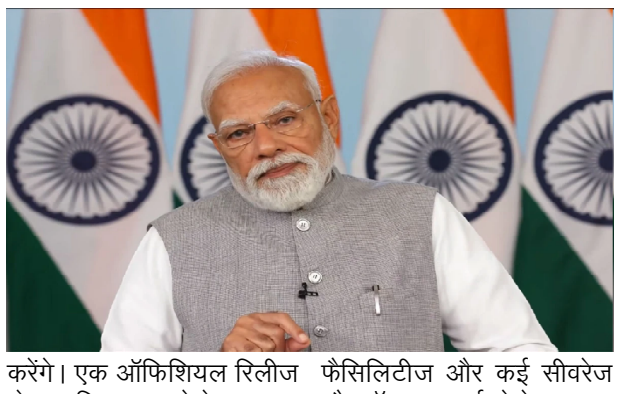

करेंगे। एक ऑफिशियल रिलीज के मुताबिक, इन प्रोजेक्ट्स का मकसद पूरे केंद्र शासित प्रदेश में इंफ्रास्ट्रक्चर, शहरी सर्विसेज, इंडस्ट्रियल ग्रोथ, एजुकेशन, हेल्थकेयर और सस्टेनेबल डेवलपमेंट को मजबूत करना है। च्ड ई–बस सेवा इनिशिएटिव के तहत, वे नई इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी दिखाएंगे। वे स्मार्ट सिटी मिशन के तहत इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर, ब्ज्प्ै स्कीम के तहत आर्थिक रूप से कमजोर तबकों के लिए हाउसिंग फैसिलिटीज और कई सीवरेज और वॉटर सप्लाई प्रोजेक्ट्स का भी उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, कराईकल में डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ब्लॉक और गंगा हॉस्टल का उद्घाटन करेंगे। वे श्रप्च्डम्त में मॉडर्न रीजनल कैंसर सेंटर और पांडिचेरी यूनिवर्सिटी में नई बिल्डिंग्स का भी उद्घाटन करेंगे। इस दिन की एक खास बात 750 एकड़ के करासुर–सेदारापेट इंडस्ट्रियल एस्टेट को देश को समर्पित करना होगा। इस एस्टेट में एक फार्मा पार्क, टेक्सटाइल पार्क, प्प् पार्क, प्प् मद्रास का एक रिसर्च सेंटर और श्रप्च्डम्त की एडवांस्ड हेल्थकेयर सुविधाएं शामिल हैं। प्रधानमंत्री पीने के पानी के अपग्रेड, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत 41 ग्रामीण सड़कों के निर्माण, हेरिटेज टाउन डेवलपमेंट, डैभ्ज् स्कीम के तहत मैंग्रोव रेस्टोरेशन, और पानी, सफाई और बिजली के खास इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स का भी शिलान्यास करेंगे। मदुरै में खास प्रोजेक्ट्स और पब्लिक इवेंट्स पुडुचेरी में अपने काम पूरे करने के बाद, प्रधानमंत्री मदुरै जाएंगे। दोपहर करीब 3 बजे, वह 4,400 करोड़ रुपये से ज़्यादा के इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। वह छभ् 332। के मरक्कनम से पुडुचेरी सेक्शन और छभ् 87 के परमकुडी से रामनाथपुरम सेक्शन के चार–लेन कंस्ट्रक्शन का शिलान्यास करेंगे।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से महापौर सुषमा खर्कवाल की शिष्टाचार भेंट

एजेंसी।

नई दिल्ली/लखनऊ। देश के रक्षा मंत्री एवं लखनऊ से सांसद राजनाथ सिंह से नई दिल्ली स्थित उनके शासकीय आवास पर लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल ने शिष्टाचार भेंट की।भेंट के दौरान महापौर ने लखनऊ शहर के समग्र विकास, जनसुविधाओं के विस्तार तथा नगर निगम द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की प्रगति के संबंध में विस्तार से चर्चा की। उन्होंने नगर क्षेत्र में आधारभूत संरचना सुदृढ़ीकरण, स्वच्छता व्यवस्था, जल निकासी, हरित क्षेत्र विस्तार तथा नागरिक सुविधाओं के उन्नयन जैसे विषयों पर रक्षा मंत्री का मार्गदर्शन प्राप्त किया।इस अवसर पर रक्षा मंत्री ने शहर के विकास कार्यों के लिए शुभकामनाएं देते हुए आवश्यक सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से अपेक्षा की कि वे नागरिकों की अपेक्षाओं पर खरा उतरने के लिए पारदर्शिता और संवेदनशीलता के साथ कार्य करें।महापौर सुषमा खर्कवाल ने कहा कि रक्षा मंत्री का सरल व्यक्तित्व, दूरदर्शी नेतृत्व और राष्ट्रसेवा के प्रति उनका समर्पण सभी जनप्रतिनिधियों के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि उनके मार्गदर्शन से लखनऊ के विकास कार्यों

को और अधिक गति मिलेगी तथा शहर को आधुनिक और सुव्यवस्थित महानगर के रूप में विकसित करने का लक्ष्य शीघ्र पूरा होगा।

नगर निगम का सघन अतिक्रमण हटाओ अभियान, जोन-7 में बड़ी कार्रवाई

संवाददाता।

लखनऊ। शहर में लगातार बढ़ रहे अवैध अतिक्रमण और उससे उत्पन्न हो रही यातायात समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए नगर निगम लखनऊ द्वारा शुक्रवार को सघन अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। यह अभियान नगर आयुक्त गौरव कुमार के निर्देश पर संचालित किया गया। अभियान का मुख्य उद्देश्य शहर की प्रमुख सड़कों, सार्वजनिक स्थलों, नाली–नालों एवं फुटपाथों को अतिक्रमण मुक्त कर आम नागरिकों को सुगम और सुरक्षित यातायात व्यवस्था उपलब्ध कराना है।जोन–7 के जोनल अधिकारी रामेश्वर प्रसाद के नेतृत्व में 27 फरवरी 2026 को विशेष अभियान चलाया गया। इस दौरान आजाद मार्केट सी–ब्लॉक, विधायक जी वाली रोड, कुकरैल बंधा शक्तिनगर क्षेत्र तथा जेए धर्म कांटा कल्याणपुर के आसपास सड़कों और नाली–नालों की दोनों पट्टियों पर किए गए अवैध कब्जों को हटाया गया।अभियान के दौरान अवैध रूप से लगाए गए ठेले और अस्थायी ढांचों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करते हुए दो ठेलियां, दो तराजू, दो प्लास्टिक टेबल, दो कुर्सियां तथा एक लोहे का काउंटर जब्त किया गया।

साथ ही अतिक्रमण करने वालों को भविष्य में दोबारा कब्जा न करने की सख्त चेतावनी दी गई।यह कार्रवाई अधीक्षक विनय मौर्य, ईटीएफ टीम तथा टीम–296 की उपस्थिति में संपन्न हुई। नगर निगम अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि शहर को अतिक्रमण मुक्त बनाने के लिए अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा और नियमों की अनदेखी करने वालों के विरुद्ध कठोर कदम उठाए जाएंगे।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद की गिरफ्तारी पर रोक लगाकर उन्हें बड़ी राहत

संवाददाता।

लखनऊ। राहत की मांग वाली याचिका चल रही कानूनी कार्रवाई के बीच दायर की गई थी, और बेंच ने अधिकारियों को शंकराचार्य के खिलाफ तुरंत कोई कार्रवाई न करने का निर्देश दिया। एक अहम घटनाक्रम में इलाहाबाद हाई कोर्ट ने शुक्रवार को स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद की गिरफ्तारी पर रोक लगाकर उन्हें बड़ी राहत दी। कोर्ट के आदेश में मामले में अगली सुनवाई तक जबरदस्ती कार्रवाई से अंतरिम सुरक्षा दी गई है। राहत की मांग वाली याचिका चल रही कानूनी कार्रवाई के बीच दायर की गई थी, और बेंच ने अधिकारियों को शंकराचार्य के खिलाफ तुरंत कोई कार्रवाई न करने का निर्देश दिया। इलाहाबाद हाई कोर्ट में शुक्रवार को दोपहर करीब 3.45 बजे संत की एंटीसिपेटरी बेल अर्जी पर सुनवाई हो सकती है। उनके शिष्य संजय पांडे ने कहा कि अविमुक्तेश्वरानंद ने अपने रोजाना के धार्मिक काम जारी रखे और हमेशा की तरह अपनी रोज की पूजा–पाठ की। मठ में बड़ी संख्या में मीडियाकर्मी मौजूद थे। अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि उनके वकील कोर्ट में मौजूद थे और कोर्ट के सामने सारे सबूत पेश करेंगे। उन्होंने कहा कि झूठ ज़्यादा दिन नहीं चलता। जिन्होंने झूठी कहानी बनाई है, वे बेनकाब हो रहे हैं। जैसे–जैसे लोगों को इस मनगढ़ंत मामले के बारे में

पता चलेगा, सच्चाई सामने आ जाएगी। मेडिकल जांच रिपोर्ट से जुड़े दावों पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि एक मेडिकल रिपोर्ट हमारी संलिप्तता कैसे साबित कर सकती है? कहा जा रहा है कि रिपोर्ट में गलत काम साबित हुआ है। यह किसी का बयान हो सकता है, लेकिन इतने दिनों बाद की गई मेडिकल रिपोर्ट का क्या मतलब है?उन्होंने कहा कि अगर कोई गलत काम हुआ भी होता, तो इससे अपने आप यह साबित नहीं होता कि कौन जिम्मेदार था।

सुभारती दिवस पर गूंजा 'राष्ट्र प्रथम - सदैव प्रथम' का संदेश

कुलपति डॉ. हिमांशु ऐरन ने दी राष्ट्रभक्तिकी सीख, डॉ. अतुल कृष्ण के राष्ट्रवादी विचारों को बताया विश्वविद्यालय की पहचान

विजडम इंडिया। देहरादून। रास बिहारी बोस सुभारती विश्वविद्यालय, देहरादून में सुभारती दिवस उत्साह और देशभक्ति के माहौल में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कुलपति प्रो. डॉ. हिमांशु ऐरन ने दीप प्रज्वलन और पुष्प अर्पण के साथ किया। इस अवसर पर महान क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद एवं सभी स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

अपने संबोधन में डॉ. हिमांशु ऐरन ने कहा कि सुभारती दिवस केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि यह हर महीने छात्रों के भीतर राष्ट्रप्रेम और जिम्मेदारी की भावना जगाने का अवसर है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि पढ़ाई का मकसद सिर्फ औपचारिक शिक्षा हासिल करना नहीं, बल्कि ऐसे जिम्मेदार और देशभक्त नागरिक तैयार करना है जो देश को सर्वोपरि मानें।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का मूल मंत्र "राष्ट्र प्रथमदृसदैव प्रथम" है और इसी सोच के साथ हर गतिविधि आयोजित की जाती है। डॉ. ऐरन ने विशेष रूप से कहा कि डॉ. अतुल कृष्ण का राष्ट्रवादी चरित्र उनकी सबसे बड़ी पहचान है, और उसी सोच का असर उनके रास बिहारी बोस सुभारती विश्वविद्यालय के साथ साथ सभी शैक्षणिक संस्थानों में साफ दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि स्वयं वे भी इसी राष्ट्रवादी विचारधारा को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

फैकल्टी ऑफ एलाइड हेल्थ केयर द्वारा आयोजित काव्य पाठ (च्वमजतल) और एक्सटेम्पोर (म्जमउचवतम) प्रतियोगिताओं में छात्रों ने देशभक्ति, बलिदान, युवा शक्ति और सामाजिक जागरूकता जैसे विषयों पर प्रभावशाली प्रस्तुतियां दीं। निर्णायकों ने विषय, प्रस्तुति, भाषा और आत्मविश्वास के आधार पर प्रतिभागियों का मूल्यांकन किया। एक्सटेम्पोर सिमरन नेगी, कविता

पाठ में निकी राठौड़ प्रथम स्थान के साथ विजेता रहीं।

इस अवसर पर परीक्षा नियंत्रक डॉ. प्रदीप शर्मा, संस्कृति विभाग के सचिव श्री विनय सेमवाल, डीन फैकल्टी ऑफ एलाइड हेल्थ केयर डॉ. अनिर्बन पात्रा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, संकाय सदस्य और बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के अंत में आयोजक समिति ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ, लेकिन परिसर में देर तक एक ही संदेश गूंजता रहा।

"राष्ट्र प्रथमदृसदैव प्रथम।"

मैंने सिर्फ ईमानदारी कमाई, पैसा नहीं, दिल्ली एक्साइज पालिसी केस में कोर्ट से बरी होने के बाद बोले केजरीवाल

एजेंसी।

दिल्ली। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मैं मोदी जी को दिल्ली में फिर से चुनाव कराने की चुनौती देता हूं। मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि अगर उन्हें 10 से ज़्यादा सीटें मिलीं, तो मैं राजनीति छोड़ दूंगा। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आप के नेशनल कन्वीनर अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली एक्साइज पॉलिसी केस में कोर्ट से बरी होने के बाद मीडिया से बात की और कहा कि उन्होंने इन सालों में सिर्फ ईमानदारी कमाई है, पैसा नहीं। उन्होंने कहा कि मैंने इन सालों में सिर्फ ईमानदारी कमाई है, पैसा नहीं। उन्होंने कहा कि आज, कोर्ट ने अपने 600 पेज के ऑर्डर में कहा है कि इस मामले में केस चलाने के लिए जरा भी सबूत नहीं है। अरविंद केजरीवाल ने आगे कहा कि दो लोगों, पीएम मोदी और अमित शाह ने आम आदमी पार्टी को खत्म करने की यह साजिश रची। उन्होंने कहा कि आज उन्हें देश से माफी मांगनी चाहिए....मैंने सिर्फ ईमानदारी से कमाया है, पैसा नहीं। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मैं मोदी जी को दिल्ली में फिर से चुनाव कराने की चुनौती देता हूं। मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि अगर उन्हें 10 से ज़्यादा सीटें मिलीं, तो मैं राजनीति छोड़ दूंगा। अपने बरी होने पर कांग्रेस के रिएक्शन पर आप के नेशनल कन्वीनर अरविंद केजरीवाल ने कहा, ष्मैं कांग्रेस से पूछना चाहता हूं – केजरीवाल जेल गए। क्या रॉबर्ट वाड्रा जेल गए? संजय सिंह जेल गए। क्या राहुल गांधी जेल गए? संजय सिंह जेल गए। क्या सोनिया गांधी जी जेल गईं? कांग्रेस क्या कह रही है? क्या उन्हें कोई शर्म नहीं है? इससे पहले दिन में एक्साइज पॉलिसी केस में कोर्ट से बरी होने के बाद उन्होंने एक रोड शो किया। एक अहम डेवलपमेंट में दिल्ली की एक कोर्ट ने इससे पहले दिन में दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, उनके डिप्टी मनीष सिसोदिया और 21 अन्य को पॉलिटिकल रूप से चार्ज्ड शराब पॉलिसी केस में बरी कर दिया, और सीबीआई की खिंचाई करते हुए कहा कि उसका केस ज्यूडिशियल स्क्रूटनी में पूरी तरह से टिक नहीं पाया और पूरी तरह से बदनाम हो गया। इस केस में जिन 21 लोगों को क्लीन चिट दी गई है, उनमें तेलंगाना जागृति की प्रेसिडेंट के कविता भी शामिल हैं।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, शनिवार 28 फरवरी 2026
sheelshukla100@gmail.com

इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में पहली बार दो दिवसीय मीन महोत्सव-2026 का भव्य शुभारम्भउत्तर प्रदेश को अंतर्देशीय मत्स्य पालन में प्रथम बनाने की दिशा में बड़ा कदम

लखनऊ, (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश मत्स्य विभाग द्वारा आज राजधानी स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में पहली बार दो दिवसीय "मीन महोत्सव–2026 (एक्वा एक्सपो)" का भव्य शुभारम्भ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन भारत सरकार के केन्द्रीय राज्यमंत्री (मत्स्य पालन, पशुपालन, डेयरी एवं पंचायतीराज) एस.पी. सिंह बघेल तथा उत्तर प्रदेश के मत्स्य विकास मंत्री संजय कुमार निषाद द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।एक्सपो में देश–प्रदेश के प्रसिद्ध वैज्ञानिकों, उद्यमियों तथा विभिन्न जनपदों से आए लगभग एक हजार मत्स्य पालकों ने सहभागिता की। करीब 50 प्रतिष्ठित कंपनियों ने औद्योगिक प्रदर्शनी एवं स्टॉल लगाए। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण प्रदेश के सभी 75 जनपदों में किया गया। साथ ही फिश फूड कोर्ट, प्रोटीन जागरूकता अभियान और आधुनिक तकनीकी प्रस्तुतियों के माध्यम से मत्स्य क्षेत्र की संभावनाओं को प्रदर्शित किया गया।केन्द्रीय राज्यमंत्री एस.पी. सिंह बघेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में किसानों की आय दोगुनी करने की दिशा में ठोस प्रयास हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि उन्नत पशुपालन और आधुनिक मत्स्य पालन से किसानों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी। उन्होंने मत्स्य पालकों को कृषि दर पर बिजली आपूर्ति तथा प्रदेश में एनएफडीबी के केन्द्र स्थापित करने पर बल दिया।मत्स्य मंत्री संजय कुमार निषाद ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल नेतृत्व में उत्तर प्रदेश मत्स्य उत्पादन में देश का तीसरा सबसे बड़ा राज्य बन चुका है। पिछले छह वर्षों में मत्स्य उत्पादन दोगुना होकर 13.3 लाख मीट्रिक टन तक पहुंच गया है। प्रदेश में 115.5 प्रतिशत की विकास दर दर्ज की गई है। वर्ष 2026–27 के बजट में मत्स्य विभाग के लिए 114.20 करोड़ रुपये की नई राज्य सहायता स्वीकृत की गई है। साथ ही इंटीग्रेटेड एक्वापार्क की स्थापना, तीन मत्स्य मंडियों के निर्माण हेतु 100 करोड़ रुपये तथा मोती की खेती को बढ़ावा देने के लिए 3 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।मुख्यमंत्री के मुख्य सलाहकार अवनीश कुमार अवस्थी ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण बीज, फीड और तकनीक के समन्वय से अगले पांच वर्षों में उत्तर प्रदेश मत्स्य उत्पादन में पश्चिम बंगाल को पीछे छोड़ सकता है। सलाहकार के.वी. राजू ने कहा कि यह आयोजन प्रदेश को आत्मनिर्भर और आधुनिक मत्स्य राज्य बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।अपर मुख्य सचिव मत्स्य मुकेश कुमार मेश्राम ने बताया कि प्रदेश में छह लाख हेक्टेयर से अधिक जलक्षेत्र उपलब्ध है। प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन के माध्यम से मत्स्य उत्पादन और किसानों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि संभव है। दुवासु मथुरा में मत्स्य विज्ञान पर शोध कार्य भी प्रारम्भ हो चुका है।कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना, मुख्यमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना, केज कल्चर, मत्स्य पालक कल्याण कोष, केसीसी, दुर्घटना बीमा, निषादराज बोट सब्सिडी योजना तथा महिला सशक्तीकरण एयरेटर योजना सहित विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने मत्स्य बीज उत्पादन, कैट फिश फार्मिंग, झींगा पालन, केज कल्चर तथा आर्नामेंटल फिश फार्मिंग जैसे विषयों पर तकनीकी सत्रों में विस्तार से प्रस्तुतिकरण किया।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद की पश्कसो एक्ट में गिरफ्तारी पर फिलहाल रोक

हाई कोर्ट से मिली शंकराचार्य को अंतरिम राहत

प्रयागराज। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को हाई कोर्ट से अंतरिम राहत मिल गई है। शुक्रवार को इस मामले में सुनवाई करते हुए जस्टिस जितेंद्र कुमार सिन्हा की बेंच ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद की अग्रिम जमानत की याचिका पर फैसला रिजर्व करते हुए फिलहाल उनकी गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। कोर्ट ने कहा है कि आदेश सुनाए जाने तक उनकी गिरफ्तारी नहीं होगी। इस आदेश के बाद पुलिस फिलहाल स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को गिरफ्तार नहीं कर सकेगी। हालांकि कोर्टद ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद से जांच में सहयोग करने को भी कहा है। अब सभी की नजरें कोर्ट के अंतिम फैसले पर टिकी हैं।हाई कोर्ट में शुक्रवार को स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती मामले में अग्रिम जमानत की पोषणीयता पर बहस हुई। इसमें राज्य सरकार और शिकायतकर्ता के अधिवक्ताओं ने अग्रिम जमानत का विरोध किया। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने दलीलें पेश कीं। उनकी ओर से शिकायतकर्ता आशुतोष ब्रह्मचारी की क्रिमिनल हिस्ट्री की जानकारी दी गई। कोर्ट में इस मामले में दर्ज एफआईआर को भी पढ़ा गया। एक बच्चे के बारे में कहा गया कि वह मार्कशीट में बालिग है। उधर, शिकायतकर्ता की ओर से हाई कोर्ट में पेश हुए अधिवक्ता ने अग्रिम जमानत का विरोध किया। दोनों पक्षों के वकीलों के बीच हुई जिरह को सुनने के बाद कोर्ट ने अग्रिम जमानत पर अपना फैसला सुनाया।सरकार की ओर से अपर महाधिवक्ता ने अपनी दलीलें पेश कीं। उन्होंने भी अग्रिम जमानत का विरोध किया। बता दें कि स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद, मुकुंदानंद और दो–तीन अन्य लोगों के खिलाफ दो बटुकों की ओर से पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज होने के बाद स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने गिरफ्तारी से बचने के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाया था। पुलिस द्वारा एफआईआर न किए जाने पर

आशुतोष ब्रह्मचारी ने 173 (4) के तहत जिला अदालत में याचिका दाखिल की थी। रेप एंड पोक्सो स्पेशल कोर्ट के जज विनोद कुमार चौरसिया के आदेश के बाद झुंसी थाने की पुलिस ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद, मुकुंदानंद और दो–तीन अन्य लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। जस्टिस जितेंद्र कुमार सिन्हा की बेंच ने शुक्रवार को दोपहर बाद इस याचिका पर सुनवाई की। केस की संवेदनशीलता को देखते हुए कानूनी गलियारों में इस पर सबकी नजरें टिकी हुई थीं। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने अपने लगे आरोपों को पूरी तरह निराधार और सत्ता का षड़यंत्र बताया। उन्होंने सवाल उठाया कि जांच में शिकायतकर्ता आशुतोष महाराज पुलिस के साथ क्यों मौजूद है? स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के अनुसार पीड़ित बताए जा रहे बच्चे लंबे समय से आशुतोष ब्रह्मचारी के पास ही रह रहे हैं। उन्होंने 17 जनवरी की घटना को पूरी तरह झूठा करार दिया।

होली पर स्वयं सहायता समूहों का विशेष अभियान, दीदियों को बनाएगा आत्मनिर्भरउप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य बोले महिला स्वावलम्बन सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता

लखनऊ(आरएनएस), उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि महिला स्वावलम्बन और सशक्तिकरण राज्य सरकार कीसर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। उन्होंने स्पष्ट किया कि स्वयं सहायता समूह की दीदियों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाकर ही ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती दी जा सकती है। इसी उद्देश्य से उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से होली पर्व के अवसर पर राज्यव्यापी विशेष अभियान प्रारम्भ किया गया है।उप मुख्यमंत्री के निर्देशों के क्रम में स्वयं सहायता समूह की महिलाएं नॉन–फार्म गतिविधियों के अंतर्गत गुलाल, अबीर, पापड़, चिप्स, मिठाइयाँ, अगरबत्ती, पिचकारी, टोपी, टी–शर्ट प्रिंटिंग तथा अन्य हस्तशिल्प उत्पादों का निर्माण कर रही हैं। यह पहल न केवल ग्रामीण महिलाओं की आय बढ़ाने का माध्यम बन रही है, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर और सफल उद्यमी बनाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम है।अभियान के अंतर्गत दीदियों द्वारा प्राकृतिक संसाधनों से हर्बल गुलाल और अबीर तैयार किया जा रहा है। पलाश के फूल, चुकंदर, गेंदे के फूल और पालक के रस से निर्मित यह रंग पूर्णतः रसायन मुक्त, त्वचा के लिए सुरक्षित और पर्यावरण अनुकूल है। इसके माध्यम से "स्वस्थ होलीदृसुरक्षित होली" का संदेश भी समाज तक पहुंचाया जा रहा है।उप मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार सभी जनपदों में विकास भवन, कलेक्ट्रेट, तहसील और अन्य शासकीय परिसरों में स्वयं सहायता समूह के उत्पादों की प्रदर्शनी और बिक्री काउंटर स्थापित किए जा रहे हैं। जिला प्रशासन, नगर निकायों तथा संबंधित विभागों के सहयोग से संस्थागत और सामूहिक खरीद को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे उत्पादों को व्यापक बाजार उपलब्ध हो सके।मुख्य विकास अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे प्रशासनिक अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर कार्यालय परिसरों में अस्थायी स्टॉल सुनिश्चित करें और अधिकारियों–कर्मचारियों को समूह उत्पादों की खरीद के लिए प्रेरित करें। जिलाधिकारी कार्यालय और तहसीलों को संभावित बड़े खरीदार के रूप में सक्रिय भूमिका निभाने हेतु जोड़ा गया है।समूहों के गुणवत्ता युक्त उत्पादों को विभिन्न ई–मार्केट प्लेटफॉर्म पर भी उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जा रही है, ताकि ग्रामीण उत्पादों को राष्ट्रीय स्तर पर बाजार मिल सके। साथ ही बिक्री, ऑर्डर और समूह विवरण का नियमित अद्यतन कर पारदर्शिता और प्रभावी निगरानी सुनिश्चित की जा रही है।मिशन निदेशक दीपा रंजन ने कहा कि होली जैसे प्रमुख पर्व पर स्थानीय उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराना ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण का प्रभावी माध्यम है। यह अभियान स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देते हुए ग्रामीण उद्यमिता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएगाप्रदेश सरकार का यह प्रयास स्पष्ट करता है जींज महिला सशक्तिकरण केवल नारा नहीं, बल्कि योजनाबद्ध क्रियान्वयन के माध्यम से धरातल पर साकार हो रहा संकल्प है।

आईटीआई छात्र ने खुद को गोली मारकर दी जान

हाथ में तमंचा, बाई कनपटी पर लगी गोलीय स्कूल के कमरे में कुर्सी पर मिला शव

प्रयागराज। घूरपुर थाना क्षेत्र के चक गौरी शंकर वादे का पूरा गांव में शुक्रवार को आईटीआई के एक छात्र के स्कूल के अंदर कमरे में तमंचे से माथे पर सटाकर गोली मार कर आत्महत्या कर ली। गोली सिर में फंसी रही। सुबह जब स्कूल की दाई पहुंची, उसने कमरा खुला देखा और साहिल खून से लथपथ कुर्सी पर पड़ा हुआ था। उसके हांथ में तमंचा था। वह चीखते हुए भागी और स्कूल के संचालक को बताया। इसके बाद संचालक भी मौके पर पहुंचे और घटना को देख तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना पर घूरपुर थाना प्रभारी दिनेश सिंह और एसीपी कौंधियारा भी पहुंचे।फील्ड यूनिट टीम ने जांच पड़ताल की। इसके बाद मृतक के घरवालों को सूचना दी गई। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया और घटना की जांच में जुट गई है। घटना के समय मृतक के मोबाइल पर किसी की कॉल आ रही थी। पूरा मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा बताया जा रहा है। फिलहाल पुलिस कई बिंदुओं पर जांच कर रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार लालापुर थाना क्षेत्र के गोबार गांव के रहने वाला रेवती रमण शुक्ला का बेटा साहिल शुक्ला (22) आईटीआई का छात्र था। साहिल अपने माता–पिता का इकलौता बेटा था। वह घूरपुर के वादे का पूरा में अपने फूफा अनिल तिवारी के मां शारदा इंटर कॉलेज के ही एक कमरे में रहता था। साहिल नैनी के कॉटन मिल स्थित अपेक्स में आईटीआई का कोर्स कर रहा था और अपने फूफा के शारदा प्रयाग पब्लिक स्कूल की देखभाल भी करता था। अक्सर वह रात में स्कूल परिसर में ही रुकता था। गुरुवार रात में ही उसने 315 बोर के तमंचे को कुर्सी पर बैठकर अपने माथे से सटाकर गोली चला दी। इसके बाद वह खून से लथपथ कुर्सी पर पड़ा था।स्कूल में काम करने वाली दाई जब पहुंची तो उसने देखा कि कुर्सी पर साहिल खून से लथपथ पड़ा था। उसके हाथ में एक तमंचा भी था। दाई स्कूल

मलिक के पास पहुंची और घटना की जानकारी दी। इसके बाद संचालक अनिल तिवारी पहुंचे और पुलिस को सूचना कर दी। इसके बाद एसीपी कौंधियारा अब्दुस सलाम खान और घूरपुर थाना प्रभारी दिनेश सिंह फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गए। मौके पर पुलिस ने साक्ष्य जुटाए और जांच पड़ताल करते हुए शो को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। एसीपी कौंधियारा अब्दुस सलाम खान ने बताया –घटना की जानकारी सुबह 9रू00 बजे मिली। जिसके बाद मौके पर पहुंचकर शिनाख्त करते हुए जांच पड़ताल की गई। घटनास्थल पर युवक कुर्सी पर मृत पड़ा था। उसके हाथ में एक तमंचा मौजूद था। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। इसके साथ ही मोबाइल पर किसी की कॉल आ रही थी।

अटारी ग्राम पंचायत में जल जीवन मिशन का स्थलीय आकलनआईआईएम लखनऊकी टीम ने ग्रामीणों से संवाद कर परखा योजना का प्रभाव

लखनऊ, (आरएनएस)। भारतीय प्रबंधन संस्थान लखनऊ की परियोजना निदेशक प्रोफेसर प्रियंका शर्मा के नेतृत्व में तीन सदस्यीय टीम ने विकास खंड माल अंतर्गत ग्राम पंचायत अटारी का निरीक्षण किया। टीम में डॉ. आर.के. जायसवाल, रज्जन बाबू मिश्रा तथा आयुष मिश्रा शामिल रहे। यह निरीक्षण जल जीवन मिशन के प्रभाव के आकलन के उद्देश्य से किया गया। अध्ययन का उद्देश्य समुदाय की प्रतिक्रिया प्राप्त करना, क्रियान्वयन में आई चुनौतियों की पहचान करना तथा मिशन के माध्यम से ग्रामीणों के स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार और जीवन स्तर में आए सकारात्मक परिवर्तनों का मूल्यांकन करना है।निरीक्षण के दौरान ग्राम पंचायत अटारी में ग्रामीण पाइप पेयजल योजना के पूर्ण होने के उपरांत उसके प्रभाव का स्थलीय आकलन किया गया। संस्थान की संयुक्त टीम ने ग्राम जल संस्था समिति एवं स्वच्छता समिति की अध्यक्ष तथा ग्राम प्रधान श्रीमती संयोगता सिंह चौहान, समिति के सदस्यों और ग्रामवासियों ऊधन, पल्लू पाल जी, अंकित एवं शुभम से संवाद स्थापित किया। इस अवसर पर जल जीवन मिशन लखनऊ के समन्वयक डॉ. हरपाल सिंह तथा उनकी जिला परियोजना प्रबंधन इकाई की टीम भी उपस्थित रही।ग्राम जल संस्था समिति की अध्यक्ष ने बताया कि वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार ग्राम की कुल आबादी 2308 है। आगामी 30 वर्षों में अनुमानित 1प्रतिशत जनसंख्या वृद्धि को ध्यान में रखते हुए तथा प्रति व्यक्ति प्रतिदिन 55 लीटर जल खपत के मानक के अनुसार 175 किलोलीटर क्षमता की पानी की टंकी का निर्माण कराया गया है। यह टंकी सौर ऊर्जा से संचालित है, जिससे ऊर्जा की बचत के साथ ग्राम को आर्थिक लाभ भी मिल रहा है। इसके माध्यम से 24 घंटे निर्बाध जलापूर्ति सुनिश्चित की जा रही है तथा पर्यावरण पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ रहा है। टंकी के लिए लगभग 600 फीट गहराई तक बोरिंग कर शुद्ध, स्वच्छ और स्वादिष्ट पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है।स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक जीवन में सकारात्मक बदलावग्रामीणों ने बताया कि पूर्व में इंडिया मार्क हैंडपंपों पर पानी भरने के लिए लंबी कतारें लगती थीं, जिससे समय की काफी बर्बादी होती थी। अब घर–घर नल से जल उपलब्ध होने से यह समस्या समाप्त हो गई है। स्कूली बच्चों ने नियमित स्नान कर समय से विद्यालय जाना शुरू किया है, जिससे स्वच्छता और अनुशासन में सुधार देखा गया है। जलजनित रोगों में कमी आई है और समग्र रूप से ग्राम के सामाजिक तथा स्वास्थ्य मानकों में उल्लेखनीय सुधार परिलक्षित हो रहा है।धिशासी अभियंता अरविंद कुमार त्रिपाठी ने बताया कि इस ग्राम पंचायत में पिछले एक वर्ष से अधिक समय से नियमित और सुचारू रूप से स्वच्छ तथा क्लोरीनयुक्त पेयजल की आपूर्ति की जा रही है। यह सामाजिक लेखा परीक्षण और प्रभाव मूल्यांकन प्रक्रिया ग्रामीण विकास, पारदर्शिता और जनसहभागिता को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे भविष्य में योजनाओं के और अधिक प्रभावी क्रियान्वयन का मार्ग प्रशस्त होगा।

भारत सरकार ने फर्जी भारतीय दिव्यांग क्रिकेट टीम के संचालन पर लगाई रोक

खेल मंत्रालय के निर्देश से रविकांत चौहान की गतिविधियों पर कड़ा एक्शन

प्रयागराज। भारतीय दिव्यांग क्रिकेट के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण और निर्णायक घटनाक्रम सामने आया है। भारत सरकार के खेल मंत्रालय ने स्पष्ट रूप से संज्ञान लेते हुए उस तथाकथित "भारतीय दिव्यांग क्रिकेट टीम" के संचालन को तत्काल प्रभाव से बंद करने के निर्देश जारी किए हैं, जिसका संचालन डिफरेंटली एबल्ड क्रिकेट काउंसिल ऑफ इंडिया के सचिव रविकांत चौहान द्वारा किया जा रहा था।

सरकारी स्तर पर प्राप्त जानकारी और शिकायतों की जांच के बाद यह पाया गया कि रविकांत चौहान द्वारा संचालित टीम अधिकृत नहीं थी और इसका संचालन नियमों एवं अधिकार क्षेत्र के विपरीत किया जा रहा था। उल्लेखनीय है कि संबंधित संस्था कर्नाटक सोसायटी अधिनियम 1960 के अंतर्गत पंजीकृत है, जिसका कार्यक्षेत्र केवल कर्नाटक राज्य तक सीमित है, जबकि इसके बावजूद राष्ट्रीय स्तर पर भारतीय दिव्यांग क्रिकेट टीम के नाम से गतिविधियां संचालित की जा रही थीं।इस संबंध में दिव्यांग क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ऑफ इंडिया द्वारा पूर्व में भी संबंधित अधिकारियों को कई बार चेतावनी और आपत्ति दर्ज कराई गई थी। इसके अतिरिक्त, रविकांत चौहान की मूल संस्था फिजिकली चौलेंज्ड क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा भी उन्हें पद से बर्खास्त किया जा चुका है। डिफरेंटली एबल्ड क्रिकेट काउंसिल ऑफ इंडिया के पदाधिकारियों द्वारा भी स्पष्ट किया गया कि रविकांत चौहान अब संस्था के सदस्य नहीं रहे हैं।मामले की गंभीरता को देखते हुए इस संबंध में प्रधानमंत्री के शिकायत पोर्टल पर भी औपचारिक शिकायत दर्ज कराई गई थी, जिसके परिणामस्वरूप भारत सरकार द्वारा यह स्पष्ट किया गया कि संबंधित टीम का संचालन अधिकृत नहीं है और इसे तत्काल प्रभाव से रोका जाए।इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए दिव्यांग क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ऑफ इंडिया के सचिव हारून रशीद ने इसे सत्य और न्याय की बड़ी जीत बताया। उन्होंने कहा,यह दिव्यांग क्रिकेट के हितों की रक्षाध की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है।

होली व ग्रीष्मकाल को लेकर ऊर्जा मंत्री की सख्त समीक्षा बैठकनिर्बाध विद्युत आपूर्ति के निर्देश, लापरवाही पर होगी कठोर कार्रवाई

लखनऊ(आरएनएस), 27 फरवरी 2026। प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने शक्ति भवन सभागार में होली पर्व तथा आगामी ग्रीष्मकाल को दृष्टिगत रखते हुए निर्बाध विद्युत आपूर्ति एवं राजस्व वसूली की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि होली के दौरान प्रदेश में कहीं भी अनावश्यक विद्युत कटौती न हो और निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। साथ ही विद्युत दुर्घटनाओं की रोकथाम तथा शिकायतों के त्वरित निस्तारण पर विशेष जोर दिया।ग्रीष्मकालीन तैयारियों की समीक्षा करते हुए मंत्री ने अनुरक्षण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ट्रांसफार्मर, लाइन, केबल, तेल परिवर्तन एवं अन्य तकनीकी कार्य समय से पूर्ण कर लिए जाएं, जिससे गर्मी में उपभोक्ताओं को परेशानी न हो। उन्होंने चेतावनी दी कि लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।ऊर्जा विभाग के चेयरमैन आशीष गोयल ने स्पष्ट किया कि ग्रीष्मकाल में ट्रांसफार्मर जलने या अनावश्यक कटौती की स्थिति में संबंधित अधिशासी अभियंता और एसडीओ की जवाबदेही तय होगी तथा 10 प्रतिशत ट्रांसफार्मर जलने जैसे बहाने स्वीकार नहीं किए जाएंगे।जिलेंस जांच की समीक्षा में मंत्री ने असंतोष व्यक्त करते हुए कहा कि छोटे उपभोक्ताओं को परेशान करने के बजाय बड़े प्रतिष्ठानों एवं बड़े स्तर पर बिजली चोरी करने वालों पर प्रभावी कार्रवाई हो। विजिलेंस ड्यूटी में लगे ड्राइवरों को तत्काल बदलने के निर्देश दिए गए। इस पर प्रबंध निदेशक पंकज कुमार ने 24 घंटे में कार्रवाई का आश्वासन दिया।समीक्षा के दौरान सभी डिस्कॉम की प्रगति जानी गई। विशेष रूप से मध्यांचल विद्युत वितरण निगम के अंतर्गत लखनऊ के अमौसी क्षेत्र में लगातार मिल रही शिकायतों पर मंत्री ने नाराजगी जताई और संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए। सिद्धार्थनगर, मथुरा, झांसी, ललितपुर एवं बांदा जिलों में शिकायतों के त्वरित निस्तारण पर भी बल दिया गया। अधिक लाइन लॉस वाले फीडरों को चिन्हित कर विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए गए।मंत्री ने अधिकारियों को जनप्रतिनिधियों से नियमित संवाद, जनता दर्शन में उपलब्धता तथा समयबद्ध शिकायत निस्तारण सुनिश्चित करने को कहा। विद्युत बिल राहत योजना के अंतिम दिन के मद्देनजर व्यापक प्रचार–प्रसार तथा शेष उपभोक्ताओं से 24 घंटे में संपर्क कर पंजीकरण सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।

युवाओं को भविष्य उन्मुख कौशल से सशक्तबनाने की पहलकौशल विकास मिशन ने छह संस्थाओं से किया समझौता

लखनऊ(आरएनएस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार युवाओं को भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप कौशल से लैस करने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन ने युवाओं को तकनीकी दक्षता के साथ व्यक्तित्व विकास, मंच कला और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे आधुनिक कौशलों से जोड़ने के उद्देश्य से छह प्रतिष्ठित संस्थाओं के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। यह पहल व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल के निर्देशन में की गई।मिशन मुख्यालय लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में मिशन निदेशक पुलकित खरे और संयुक्त निदेशक मयंक गंगवार की उपस्थिति में गैर–वित्तीय समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए।

कुरआन पढ़ने से उतरती है घर में बरकत- मौलान इकरामुल

हरवारा की लोहा शाह मजिस्द में आठ दिन में मुकम्मल हुआ कुरआन

प्रयागराज। अल्लाह के नबी का फरमान है कि कुघ्रआन पढ़ने वालों के लिए हर शब्द पर दस नेकियां हैं और यह कुघ्रआन पढ़ने वालों के लिए मगफिरत का जरिया है। कुघ्रआन की तिलावत से घर में बरकत होती है। कुघ्रआन मजीद अल्लाह का कलाम है, उसकी तरफ से भेजी गई यह आखिघ्री किताब है। यह दुनिया में सबसे अधिक पढ़ी जाने वाली किताब है। रमजान के महीने में ही अल्लाह की तरफ से कुघ्रआन अवतरित किया गया, जो सारी इंसानियत के लिए हिदायत का जरिया है।

यह बात गुरुवार की देर रात हरवारा, धूमनगंज की लोहाशाह मस्जिद में कुघ्रआन के मुकम्मल होने पर मौलाना इकरामुल हक अजहरी ने अपनी तकरीर में कही। उन्होंने यह बात भी कही कि तरावीह की नमाज सुन्नते–मुअक्केदा है, जो हर मुसलमान के लिए जरूरी है। यह महीना रमजान का चांद देखकर शुरू होता है और ईद का चांद दिखने तक जारी रहता है। हरवारा की इस मस्जिद में तरावीह की नमाज के दौरान आठ दिन में हाफिज जियाउल हक साहब से कुरआन मुकम्मल किया। मौलाना अखघ्तर साहब ने कुरआन की अहमियत और फजीलत बयान करते हुए साहिबे–कुघ्रआन का भी जिक्र किया।

इस मौके पर मोहम्मद अहद, सुरैया नाज, मोहम्मद इरफान, सूफी शहजादे और हाफिज रिजवान ने नात पेश की। शकील अहमद, मोइनुद्दीन, मोहम्मद अली, वकार अहमद 'अकबर', मोहम्मद ईशान, राजू, मजहर चिश्ती, मोहम्मद ताज, मोहम्मद राज, मोहम्मद आसिफ, मोहम्मद इरफान, मोहम्मद अहद और मोहम्मद आमिर मौजूद रहे।

गृहकर वृद्धि के विरोध में गाजियाबाद समाजवादी पार्टी के महानगर अध्यक्ष वीरेन्द्र यादव के नेतृत्व में धरना प्रदर्शन

विजडम इंडिया

गाजियाबाद,समाजवादी पार्टी गाजियाबाद के महानगर अध्यक्ष वीरेन्द्र यादव एडवोकेट ने एक बयान में बताया कि गाजियाबाद नगर निगम द्वारा बेतहाशा गृहकर वृद्धि से महानगर के 6 लाख व्यापारी, नागरिक और कमजोर वर्गों के गृह स्वामी पीड़ित और प्रभावित हैं लगातार प्रयास करने तथा नगर निगम की अधिकारियों और महापौर जी से अप्रत्याशित बढ़े हुए कर को वापस लेने की मांग करने के बाद भी नगर निगम द्वारा बढ़ा गृह कर वापस नहीं लिया जा रहा है जबकि वर्तमान सरकार में उत्तर प्रदेश के दो मंत्री पांच विधायक और 75 पार्षद गाजियाबाद के ही निवासी हैं उनकी उदासीनता के कारण नगर निगम भी उदासीन बना हुआ है ।

महानगर अध्यक्ष वीरेन्द्र यादव एडवोकेट ने कहा कि यदि नगर निगम 7 दिन में बढ़ा हुआ गृहकर वापस नहीं लेता तो समाजवादी पार्टी गाजियाबाद नगर निगम का घेराव और चक्का जाम करने पर मजबूर होगी, हम शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक व्यवस्था में विश्वास करते हैं, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के सत्य, अहिंसा, सत्याग्रह के अस्त्र का पालन करते हुए मांग करेंगे की गृह कर वृद्धि को जनता को राहत प्रदान करने के लिए वापस लेना अति आवश्यक है, किसी प्रकार की अव्यवस्था की जिम्मेदारी नगर निगम प्रशासन की होगी ।

दो बच्चों की माँ से दुष्कर्म एवं गर्भपात कराने का आरोपी सिपाही भेजा गया जेल

सुल्तानपुर(आरएनएस)। पति से अनबन होने के बाद दो बच्चों के साथ अलग रह रही महिला को प्रेम जाल में फंसाकर कई महीनो से दुष्कर्म करने एवं गर्भपात कराने समेत अन्य गम्भीर आरोपो से जुड़े मामले में बल्दीराय थाना क्षेत्र में तैनात डायल 112 के सिपाही आमिर फिरदौस खान उर्फ एएफ खान को गिरफ्तार कर बृहस्पतिवार को एसीजेएम कोर्ट में पेश किया गया। अदालत ने मामले में आरोपी सिपाही की रिमांड स्वीकार करते हुए उसे 10 मार्च तक न्यायिक हिरासत में जेल भेजने का आदेश दिया है। बल्दीराय थाने की एक गांव की रहने वाली महिला ने बल्दीराय थाना क्षेत्र में डायल 112 में तैनात सिपाही आमिर फिरदौस खान के खिलाफ गंभीर आरोप लगाते हुए स्थानीय थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़ित महिला के आरोप के मुताबिक उनके पति ने दूसरा विवाह कर लिया है और वह अपने दो बच्चों के साथ रहती है। आरोप के मुताबिक आरोपी सिपाही उनसे अक्सर मिलने आता था और सिपाही ने उसे दवा खिलाकर गर्भपात करा दिया और मारा–पीटा एवं धमकी भी दिया।

उसने खुद को गैर शादीशुदा बताते हुए पीड़िता को शादी का झांसा देकर उनसे गत अक्टूबर महीने से दुष्कर्म करता रहा। आरोप के मुताबिक यौन शोषण की शिकार हुई महिला गर्भवती भी हो गई,जिसकी जानकारी मिलने पर आरोपी पीड़ित महिला की शिकायत पर बुधवार को आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया और मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक चारू निगम ने तत्काल प्रभाव से आरोपी सिपाही को निलंबित कर दिया।

सात मार्च को मनाया जायेगा श्याम फाग महोत्सव

(मथुरा)(ए.के.शर्मा)

श्री श्याम लाडला परिवार के तत्वावधान में श्री श्याम प्रभु के मंदिर स्थापना के एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भव्य श्याम फाग महोत्सव का आयोजन आगामी 7 मार्च 2026, शनिवार को किया जाएगा। आयोजकों द्वारा गुरुवार शाम 7.30 बजे दी गई जानकारी के अनुसार महोत्सव में बाबा श्याम का आकर्षक एवं

अलौकिक दरबार सजाया जाएगा, जो श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगा। कार्यक्रम में भक्ति एवं फाग रस से ओतप्रोत भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी, जिससे श्रद्धालु श्याम भक्ति में सराबोर होंगे। भजन संध्या में दिल्ली से भावना स्वरांजली, गाजियाबाद से सिद्धांत राज तथा आगरा से अंकित बंजारा सहित कई प्रसिद्ध भजन गायक अपनी मधुर प्रस्तुतियां देंगे। आयोजन में बड़ी संख्या में श्याम भक्तों के शामिल होने की संभावना है। कार्यक्रम का आयोजन अग्रवालिका, मसानी बाईपास लिंक रोड, मथुरा में किया जाएगा। कार्यक्रम के अंतर्गत प्रातः 10 बजे बाबा श्याम का अभिषेक पूजन तथा सायं 6 बजे से भव्य श्याम संकीर्तन का आयोजन होगा। श्री श्याम लाडला परिवार ने समस्त श्रद्धालुओं एवं श्याम प्रेमियों से सपरिवार कार्यक्रम में उपस्थित होकर बाबा श्याम का आशीर्वाद प्राप्त करने की अपील की है। इस अवसर पर समिति के पदाधिकारी एवं सदस्यगण भी उपस्थित रहेंगे। उपस्थित पदाधिकारी महंत भवानी गिरी जी, प्रियंक मल्होत्रा, अंकुर गोयल, शिवम गर्ग, अंशुल गोयल, लवकेश अग्रवाल, सौरभ अग्रवाल, तरुण अग्रवाल, शुभम पिपलिया, मनोज अग्रवाल, उमेश भदौरिया आदि उपस्थित रहे।

आगामी मोस्ट प्रांतीय सम्मेलन 2026 का आयोजन बैंतीकला में

जून माह में आयोजित मोस्ट प्रांतीय सम्मेलन के आयोजक होंगे रज्जन प्रसाद

सुलतानपुर। निषाद भवन, विनोवापुरी में मोस्ट प्रांतीय सम्मेलन 2026 व मोस्ट कार्य–कार्यक्रम विस्तार हेतु मीटिंग की गई। मीटिंग में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि अगला मोस्ट प्रांतीय सम्मेलन जून माह में विकास खण्ड प्रतापपुर कमैचा के बैंतीकला में किया जाएगा। कार्यक्रम के आयोजक रज्जन प्रसाद प्रदेश निर्णायक कमेटी मोस्ट, संचालन राम उजागिर यादव जनरल सेक्रेटरी मोस्ट, अध्यक्षता पूर्व कैबिनेट मंत्री दद्दू प्रसाद करेंगे। मीटिंग में निर्णय लिया गया कि यदि संविधान को मानने वाले राजनीतिक दलों द्वारा आगामी विधानसभा चुनाव में टिकट दिया जाता है तो मोस्ट पदाधिकारियों को चुनाव लड़ाया जाए। मीटिंग में सर्वसम्मति से निशा बौद्ध को महासचिव महिला विंग व मौसम बौद्ध को जिला सह संयोजक चयनित किया गया। मीटिंग में मोस्ट निदेशक शिक्षक श्यामलाल निषाद "गुरूजी", प्रदेश कमेटी बाबू रज्जन प्रसाद, प्रदेश कमेटी इ. मनोरम वर्मा, जनरल सेक्रेटरी राम उजागिर यादव, प्रदेश कमेटी मोस्ट पूर्व विधायक सफदर रजा खां, जिला प्रमुख डा. गोविन्द भगत, जिला प्रमुख महिला विंग नंदनी बौद्ध, जिला संयोजक राकेश निषाद, मीडिया प्रभारी धर्मेंद्र निषाद, प्रमुख धनपतगंज रमाकांत यादव, संयोजक जयसिंहपुर विवेक निषाद, डा. राहुल निषाद, मोस्ट रक्षक दल रोहित निषाद, लालजी बौद्ध, ब्लॉक संयोजक रवि निषाद, राधा निषाद, राकेश यादव प्रदेश कमेटी मोस्ट सहित दर्जनों मोस्ट पदाधिकारी उपस्थित रहे।

शिकायत पर सौदेबाजी का खेल, विनियमित क्षेत्र के जेई पर गंभीर आरोप

सुल्तानपुर (आरएनएस)। विनियमित क्षेत्र कार्यालय में दर्ज होने वाली शिकायतों को लेकर चौंकाने वाले आरोप सामने आए हैं। आरोप है कि यहां तैनात अवर अभियंता उमेश चंद्र यादव शिकायतकर्ताओं के बजाय आरोपित पक्ष को पहले सूचना देकर मैनेज करने का मौका देते हैं।सूत्रों के अनुसार जिन लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज होती है उन्हें कथित रूप से यह बता दिया जाता है कि फलां व्यक्ति ने आपके खिलाफ शिकायत की है जाकर मामला निपटा लो। इससे शिकायतों की निष्पक्ष जांच पर सवाल खड़े हो रहे हैं।मामला उस समय और गंभीर हो गया जब जिलाधिकारी के आदेश पर उपजिलाधिकारी सदर ने दिनांक 01–12–2025 को विनियमित क्षेत्र के अवर अभियंता से तीन शिकायती पत्रों पर आख्या मांगी। ये शिकायतें विभागीय रजिस्टर क्रमांक 27, 28 और 29 में दर्ज होकर जेई को सौंपी गई थीं।आरोप है कि दोनों वरिष्ठ अधिकारियों के स्पष्ट आदेश के बावजूद संबंधित जेई ने निर्धारित प्रक्रिया का पालन नहीं किया और कथित रूप से संबंधित पक्षों से सौदेबाजी कर मामला दबाने का प्रयास किया। वही दूसरी शिकायत पर उपजिलाधिकारी सदर ने दिनांक 2 फरवरी को विभागीय रजिस्टर क्रमांक स 106 पर दर्ज कर जेई से स्पष्ट आख्या मांगी गई थी परन्तु इस मामले में उनके द्वारा सौदेबाजी कर मामले को रफा दफा कर लिया। यदि आरोपों में सच्चाई पाई जाती है तो यह न केवल विभागीय कार्यप्रणाली पर सवाल है, बल्कि प्रशासनिक पारदर्शिता पर भी गंभीर चोट है।

लठामार होली के दौरान अच्छी पुलिसिंग के लिए कप्तान से मिला इनाम

एसएसपी ने भगदड़ की स्थिति को टालने में भूमिका निभाने वाली पुलिस टीम को दिया 25 हजार का इनाम

(मथुरा)(ए.के.शर्मा)

बुधवार को थाना बरसाना क्षेत्र में विश्व प्रसिद्ध लठामार होली के अवसर पर श्रीजी मंदिर में दर्शन व होली खेलने के लिए लाखों श्रद्धालु उमड़े। श्रद्धालुओं के सुगम दर्शन हेतु जगह–जगह बैरियर व होल्डिंग एरिया बनाए गए थे। दोपहर 2 बजे मंदिर के पट बंद होने के बाद भीड़ को संजय वकील तिराहे पर रोका

गया। करीब 4 बजे मंदिर के पट खुलने से पहले भीड़ का दबाव अचानक अत्यधिक बढ़ गया। जैसे ही बैरियर खोले गए, श्रद्धालु तेजी से आगे बढ़े और कुछ लोग भीड़ में गिर पड़े। स्थिति बेहद संवेदनशील हो गई। इसी दौरान संजय वकील तिराहे पर तैनात पुलिस बल ने अपनी जान की परवाह किए बिना भीड़ में घुसकर मोर्चा संभाला। पुलिसकर्मियों ने तुरंत भीड़ को नियंत्रित किया, गिरे हुए श्रद्धालुओं को सुरक्षित बाहर निकाला और मार्ग को सुचारु कराया। उनकी तत्परता से कोई जनहानि या गंभीर चोट नहीं हुई। मौके पर मौजूद श्रद्धालुओं ने पुलिस की भूरि–भूरि प्रशंसा की। पुलिस कर्मियों के इस साहसिक व सराहनीय कार्य को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार द्वारा पूरी टीम को 25,000 के पुरस्कार की घोषणा की गई। पुलिस अधीक्षक ग्रामीण सुरेश चंद रावत द्वारा थाना बरसाना पर टीम का माल्यार्पण कर सम्मान किया गया और उत्साहवर्धन किया गया। संजय वकील तिराहे पर तैनात पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक चेतराम शर्मा थाना महावन, निरीक्षक मुकेश मलिक अपराध शाखा एटा, एसआई विषय कुमार थाना महावन, एसआई अरविंद थाना बलदेव, एसआई रोहताश थाना नंगला खंगर फिरोजाबाद, एसआई निशिका थाना महावन, हेड कांस्टेबल भानू प्रताप सिंह थाना महावन, हेड कांस्टेबल आनंद कुमार थाना महावन, हेड कांस्टेबल अखिलेश कुमार थाना महावन, हेड कांस्टेबल दिनेश कुमार थाना महावन, हेड कांस्टेबल जयसिंह थाना महावन, हेड कांस्टेबल धनेश पाल सिंह मैनपुरी, हेड कांस्टेबल मदन पाल सिंह फिरोजाबाद, कांस्टेबल हरवीर सिंह मैनपुरी, कांस्टेबल एपी रविंद्र सिंह मैनपुरी, कांस्टेबल अमित कुमार फिरोजाबाद, कांस्टेबल सुमित चौधरी फिरोजाबाद, कांस्टेबल राधा थाना महावन, कांस्टेबल आभा देवी अलीगढ़ थे। लठामार होली जैसे विशाल आयोजन में पुलिस की सूझबूझ और साहस ने एक बड़ी दुर्घटना को टाल दिया। यह घटना बताती है कि त्योहारों की भीड़ में पुलिस की सतर्कता ही जनता की सबसे बड़ी सुरक्षा ढाल है।

बीएलओ कर्मियों ने निर्धारित मानदेय न मिलने से परेशान आज सीटी मजिस्ट्रेट को सौंपा अपना ज्ञापन

विजडम इंडिया।

जय प्रकाश मिश्रा संवाददाता जौनपुर। निर्धारित मानदेय न मिलने से क्षुब्ध बीएलओ कर्मियों ने गुरुवार को सीटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौंप बीएलओ कार्य से मुक्त करने की मांग की है। दोपहर में डीएम को ज्ञापन देने पहुँचे ग्राम रोजगार सेवक, पंचायत सहायक एवं आंगनवाड़ी संगठन के लोगों का आरोप है कि मुख्य चुनाव आयोग के निर्देश पर 2 अगस्त 2025 को बीएलओ कर्मियों को 500 रुपया से बढ़ाकर 1000 हजार रुपया प्रतिमाह देने की घोषणा की थी परन्तु उसका पालन नही किया गया। एसआईआर कार्य में मानसिक प्रताड़ना का शिकार होना पड़ा जबरन कार्य करवाया गया। फिर भी मानदेय नही दिया गया। बीएलओ समूह ने कार्य से मुक्त करने की मांग की है सरकार मस्त हैं मानदेय कर्मचारी त्रस्त है मानदेय कर्मचारियों के साथ अन्याय हो रहा है।इस सरकार को इस पर विचार करना चाहिए अगर सरकार कुछ नहीं करती है तो इसको लेकर आगे धरना प्रदर्शन करेंगे इस दौरान सचिन कुमार पाण्डेय, राकेश कुमार, आशीष, विपिन कुमार, तनवीर हसन, उर्मिला यादव, मनोरमा, राजेन्द्र विश्वकर्मा, कुसुम देवी, आरती देवी, प्रियंका यादव, संतोष यादव, प्रदीप निषाद सहित दर्जनों लोग मौजूद रहें।

भाजपा के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष व महानगर अध्यक्ष का हुआ भव्य स्वागत

-दोनों नवनियुक्तपदाधिकारियों ने रामलला व हनुमान गढी में किया दर्शन पूजन

अयोध्या। भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष राधेश्याम त्यागी तथा महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव का पार्टी कार्यालय सिविल लाइन, हनुमान गढी अयोध्या में पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं द्वारा भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने पुष्प गुच्छ, स्मृति चिन्ह और रामनामा भेंट कर दोनों नेताओं का अभिनंदन किया। दोनों नवनियुक्त पदाधिकारियों ने अयोध्या जाकर श्री रामलला व हनुमान गढी में दर्शन पूजन किया। स्वागत समारोह को संबोधित करते हुए राधेश्याम त्यागी ने कहा कि संगठन ने उन्हें जो दायित्व सौंपा है, उसे वे पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ निभाएंगे। उन्होंने कहा कि पार्टी की विचारधारा को जन–जन तक पहुंचाना और केंद्र व प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना उनकी प्राथमिकता होगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे संगठन की मजबूती के लिए एकजुट होकर कार्य करें और आगामी कार्यक्रमों को सफल बनाएं।कमलेश श्रीवास्तव ने कहा कि महानगर स्तर पर संगठन को और सशक्त बनाने के लिए बूथ स्तर तक सक्रियता बढ़ाई जाएगी। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता ही पार्टी की असली ताकत हैं और उनके सहयोग से ही संगठन नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा। उन्होंने सभी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि टीम भावना से कार्य करते हुए अयोध्या में पार्टी को और मजबूत बनाया जाएगा। इस अवसर पर पार्टी के मीडिया प्रभारी दिवाकर सिंह ने कहा कि यह स्वागत केवल औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि संगठन की एकजुटता और उत्साह का प्रतीक है। कहा कि नए नेतृत्व में संगठन और अधिक गतिशील होगा तथा पार्टी की नीतियोंऔर उपलब्धियों को प्रभावी ढंग से जनता तक पहुंचाया जाएगा।स्वागत करने वालों में विधायक वेद प्रकाश गुप्ता,रामचंद्र यादव, संजीव सिंह, अवधेश पांडे बादल, राघवेंद्र पांडे, कृष्ण कुमार पांडे खन्नू, अशोक कसौधन, शैलेंद्र कोरी, तिलक राम मौर्य, अरविंद सिंह, शंभू नाथ सिंह दीपू अमल गुप्ता, दिव्य प्रकाश तिवारी, दिनेश मिश्रा, अरविंद सिंह, गन्ना समिति के अध्यक्ष दीपेंद्र सिंह हरभजन गौड, अभय सिंह, बालकृष्ण वैश्य, शिक्षक नेता वीरेंद्र बहादुर सिंह, रवि सोनकर, मुकेश तिवारी, हेमंत जायसवाल, कपिल देव वर्मा, पार्षद अनिल सिंह, चन्दन सिंह, दीप कुमार गुप्ता, अनुभव जायसवाल, संग्राम सिन्हा, चेयरमैन गोसाईगंज विजय लक्ष्मी जायसवाल, रीना द्विवेदी, शकुंतला गौतम, यमुनोत्री केसरवानी, अनिता सिंह, सहित अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता शामिल रहे।

कुमारगंज में पुलिस की वर्दी पहनकर व्यापारी से ठगी

-एसएचओ के नाम पर 50 हजार रुपये ठगे, जांच शुरू

मिल्कीपुर,अयोध्या। कुमारगंज थाना क्षेत्र में एक सरसों व्यापारी से 50 हजार रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। एक व्यक्ति ने पुलिस की वर्दी पहनकर इस वारदात को अंजाम दिया। नगर पंचायत कुमारगंज के बबां रोड निवासी सरसों व्यापारी अनुरुद्ध पुत्र रामचंद्र ने थाना प्रभारी संतोष कुमार को तहरीर दी। उन्होंने बताया कि बृहस्पतिवार शाम एक व्यक्ति पुलिस की वर्दी में उनकी दुकान पर बाइक से आया। आरोपी ने खुद को 'बड़े साहब' (एसएचओ) का आदमी बताया और कहा कि एसएचओ 9.50 क्विंटल सरसों बेचना चाहते हैं। आरोपी ने व्यापारी से 50 हजार रुपये नकद लिए और उसे सरसों लादने के लिए साथ चलने को कहा। उसने आश्वासन दिया कि तौल के बाद हिसाब हो जाएगा।व्यापारी अनुरुद्ध अपना बैटरी ई–रिक्शा लेकर आरोपी के साथ चला गया। आरोपी व्यापारी को एक कमरे के पास ले गया और चाबी लाने का बहाना बनाकर वहां से चला गया। काफी समय बीत जाने के बाद जब वह वापस नहीं आया, तो व्यापारी ने प्रभारी निरीक्षक संतोष कुमार से सरसों के बारे में जानकारी ली। प्रभारी निरीक्षक ने उन्हें बताया कि उनके साथ ठगी हुई है। सूचना मिलते ही प्रभारी निरीक्षक संतोष कुमार ने तत्काल पुलिस बल को आरोपी की तलाश में भेजा, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। पीड़ित व्यापारी ने बताया कि उसने आरोपी पर विश्वास करके पैसे दिए थे, जो उसने दो–तीन दुकानदारों से मांगकर जुटाए थे। यह घटना बृहस्पतिवार शाम करीब 4:30 बजे हुई थी। प्रभारी निरीक्षक संतोष कुमार ने बताया कि तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में केस दर्ज किया जाएगा। आरोपी की पहचान के लिए थाने और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है।

अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की शहादत पर एक शाम शहीदों के नाम शहीदवॉल पर

विजडम इंडिया

प्रयागराज (विनोद द्विवेदी जिला संवाददाता) अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की शहादत पर एक शाम

शहीदों के नाम का आयोजन आज शहीदवॉल पर किया गया। इस अवसर पर ए डी एम सत्यम मिश्र ने कहा कि चन्द्रशेखर आजाद हमारे महानायक हैं। बच्चों को इनकी गौरव गाथा से अवगत करा कर उनमें प्रबल राष्ट्र प्रेम पैदा करना होगा । तभी राष्ट्र मजबूत होगा।

उन्होने कहा कि इतिहास सिर्फ मुर्दे उखाड़ना नही बल्कि भविष्य की सीख लेना भी है।

क्रैप्री फाउण्डेशन के द्वारा आयोजित कार्यक्रम को आस्ट्रेलियाई लिली भावना कालॅर जी ने आयोजित किया। इस कार्यक्रम को की देशो में लाइव किया गया।

शहीदवॉल के संस्थापक वीरेंद्र पाठक ने चन्द्रशेखर आजाद की शहादत को विस्तार से रखा।

रमा मेन्ट्रोज उदय चन्द्र परदेशी, सूर्यकांत, डा पी के सिन्हा, राम राज जी, वेदानन्द वेद जी ने गायन के माध्यम से शहीदों का नमन किया।

कार्यक्रम में रामनरेश पिण्डीवासा, एन बी मान्ट्रोज धीरज श्रीवास्तव डा प्रमोद शुक्ला, सुनील बाजपेई, दिलीप चौरसिया सुनीता मिश्र दिनेश तिवारी डा वी के मिश्र विशाल आदि उपस्थित रहे।

दरियादिली की मिसाल बने सपा नेता व समाजसेवी अनित शुक्ला

अयोध्या। जनपद के मां कामाख्या धाम आदर्श नगर पंचायत के सैदपुर गांव में हुई हृदयविदारक घटना के बाद जहां एक ओर पूरा क्षेत्र शोक में डूबा है, वहीं दूसरी ओर समाजवादी पार्टी के जिला उपाध्यक्ष एवं समाजसेवी अनित शुक्ला ने मानवीय संवेदनाओं की अनूठी मिसाल पेश की है। बीते 24 तारीख को गांव निवासी दलित महिला जनकलली का अपने पड़ोसी से मामूली बात को लेकर विवाद हो गया था। आरोप है कि विवाद के दौरान उनके साथ मारपीट की गई, जिसमें उनके सिर पर गंभीर चोटें आईं। पुलिस में मुकदमा दर्ज कराने के बाद जब वह घर लौट रही थीं, तभी रास्ते में गंभीर चोट के कारण अचेत होकर गिर पड़ीं और उनकी मौत हो गई। इस घटना ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया। जैसे ही अनित शुक्ला को जनकलली की मौत और उनके चार मासूम बच्चों की बेबसी की सूचना मिली, वह बिना देर किए पीड़ित परिवार के घर पहुंचे।

विकलांग युवक को पीटा

जौनपुर(आरएनएस)। केराकत कोतवाली क्षेत्र के एक विकलांग युवक के साथ कथित तौर पर बेरहमी से मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। इस घटना ने प्रशासन और कानून–व्यवस्था पर कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। मुर्की ग्राम स्थित एक विद्यालय परिसर में जहां पीड़ित युवक मौजूद था। युवक का आरोप है कि उसी दौरान वर्तमान ग्राम प्रधान वहां पहुंचे और बिना किसी ठोस कारण के उसे थप्पड़ मार दिया। थप्पड़ लगते ही युवक जमीन पर गिर पड़ा, जिसके बाद आरोप है कि उसे लात–घूंसों से बुरी तरह पीटा गया।घटना के दौरान आसपास मौजूद लोगों ने बीच–बचाव कर किसी तरह युवक को बचाया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, मारपीट काफी देर तक चली, जिससे युवक को गंभीर चोटें आईं।घटना के बाद पीड़ित युवक केराकत पुलिस चौकी पहुंचा और शिकायत दर्ज कराने की कोशिश की। लेकिन युवक का आरोप है कि सूचना मिलते ही ग्राम प्रधान भी पुलिस चौकी पहुंच गए और उल्टा उसी को बैठा लिया गया। पीड़ित का कहना है कि उसकी तहरीर पर तत्काल कोई कार्रवाई नहीं की गई, जिससे उसे न्याय मिलने में देरी हुई।मामले ने तूल तब पकड़ा जब यह प्रकरण क्षेत्र के एक पूर्व विधायक के संज्ञान में आया। इसके बाद पुलिस ने करीब पांच दिन की देरी के बाद मुकदमा दर्ज किया। हालांकि, पीड़ित युवक का आरोप है कि मेडिकल जांच भी सही तरीके से नहीं कराई गई और केवल पैर का एक्स–रे कर औपचारिकता पूरी कर दी गई।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, शनिवार 28 फरवरी 2026
sheelshukla100@gmail.com

विरोध के मंच और तरीके से कांग्रेस की साख पर सवाल

संसद से लेकर सड़क तक ज्यादातर मुद्दों पर भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ कांग्रेस का साथ देने वाले ज्यादातर विपक्षी दलों को भी युवा कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन नहीं रूचा है। ज्यादातर विपक्षी दलों ने इस प्रदर्शन को अनुचित बताया है। अखिलेश यादव ने शायद सबसे गंभीर बात कही है।विरोध और मतभिन्नता लोकतंत्र का आभूषण होता है। लेकिन विरोध का तरीका क्या हो या फिर किस जगह पर हो, इसकी समझ होनी चाहिए। कांग्रेस देश की सबसे पुरानी पार्टी है। स्वाधीनता आंदोलन के साथ–साथ इतिहास के हर आगे बढ़ते पग के साथ कांग्रेस आगे बढ़ती रही है। विरोधी आंदोलन चलाने का स्वाधीनता के पहले उसका लंबा इतिहास रहा। आजादी के बाद सबसे ज्यादा वक्त शासन का अनुभव भी उसी के पास है। इस वजह से उससे लोकतांत्रिक विरोध के तरीकों और विरोध के लिए चुने जाने वाले मंचों को लेकर विशेष उम्मीद रखना बेमानी नहीं है। शायद यही वजह है कि इंडिया एआई इम्पैक्ट सम्मेलन में उसकी ओर से किए गए विरोध प्रदर्शनों को राष्ट्रीय समर्थन मिलता नहीं दिख रहा। पूर्व पत्रकार पवन खेड़ा जैसा प्रवक्ता 20 फरवरी के विरोध प्रदर्शन को चाहे जितना भी वाजिब ठहरा रहा हो, कांग्रेस की इस विरोध प्रदर्शन के लिए किरकिरी ही हो रही है।संसद से लेकर सड़क तक ज्यादातर मुद्दों पर भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ कांग्रेस का साथ देने वाले ज्यादातर विपक्षी दलों को भी युवा कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन नहीं रूचा है। ज्यादातर विपक्षी दलों ने इस प्रदर्शन को अनुचित बताया है। अखिलेश यादव ने शायद सबसे गंभीर बात कही है। उन्होंने कहा है कि राजनीतिक मतभेद अपनी जगह हैं, लेकिन वैश्विक मंच पर ऐसा विरोध प्रदर्शन उचित नहीं था। अखिलेश यहीं तक नहीं रूके, उन्होंने कांग्रेस को एक तरह से नसीहत देते

हुए कहा कि देश को विदेशी प्रतिनिधियों के सामने शर्मिंदा करने से बचना चाहिए। कांग्रेस के साथ हर मुमकिन मौके पर गलबहियां डालकर चलने वाले राष्ट्रीय जनता दल के राज्यसभा सदस्य मनोज झा ने भी एक तरह से कांग्रेस को उपदेश ही दिया है। मनोज झा का कहना है कि शिकायतें हो सकती हैं, लेकिन विरोध का तरीका बेहतर हो सकता है। ऐसा नहीं कि भारतीय लोकतंत्र में विरोध की परंपरा नहीं रही है। भारतीय राजनीति के चिर विद्रोही कहे जाने वाले लोहिया ने विरोध करने का जो मुहावरा दिया, वह भारतीय राजनीति का सर्वस्वीकार्य रहा है। उन्होंने संसद से सड़क तक विरोध का तरीका बताया। लोहियावादी विरोध कई मायनों में आक्रामक ही कहा जाएगा। लेकिन विरोध कब और कहां किया जाना चाहिए, उसकी जगह क्या होनी चाहिए, इसे लेकर भी भारतीय राजनीति में आमराय रही है। विरोध के मंच ऐसे नहीं होने चाहिए, जिससे भारत की एक राष्ट्र के रूप में वैश्विक शर्मिंदगी उठानी पड़े। इस सूत्र वाक्य को भारतीय राजनीति अपनाती रही है। लेकिन नई दिल्ली के भारत मंडपम में बीस फरवरी को युवा कांग्रेस की ओर से किया गया विरोध प्रदर्शन इस सूत्र वाक्य का एक तरह से उल्लंघन ही माना जाएगा। शायद यही वजह है कि कांग्रेस के समर्थक और साथी दल इसकी आलोचना कर रहे हैं या फिर कांग्रेस को नसीहत दे रहे हैं। जिस इंडिया एआई इम्पैक्ट सम्मेलन के मंच का इस्तेमाल युवा कांग्रेस ने नरेंद्र मोदी के विरोध के लिए किया, उसमें दुनिया भर के 118 देशों के सरकारी प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। 16 फरवरी से 21 फरवरी तक चले इस सम्मेलन में 22 देशों के शासनाध्यक्षों और मंत्री स्तर के 59 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस सम्मेलन के बाद जो नई दिल्ली घोषणापत्र जारी किया गया, उस पर 88 देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने हस्ताक्षर करके अपनी सहमति जताई है। जिसमें अमेरिका, चीन, ब्रिटेन, फ्रांस और रूस जैसे प्रमुख देशों की भी भागीदारी है। इस सम्मेलन में 100 से अधिक वैश्विक स्तर के एआई नेता और 500 से अधिक स्टार्टअप्स ने भी शिरकत की। इस सम्मेलन की महत्ता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इस के घोषणा पत्र में अमेरिका और ब्रिटेन ने भी हस्ताक्षर किए हैं। इससे पहले पेरिस में हुए एआई वैश्विक सम्मेलन के बाद जारी घोषणा पत्र में अमेरिका और ब्रिटेन ने हस्ताक्षर नहीं किया था। जबकि पूरी दुनिया जानती है कि वैश्विक मामलों में फ्रांस, अमेरिका और ब्रिटेन एक ही खेमे के देश हैं। जाहिर है कि ऐसे मंच का महज प्रधानमंत्री के विरोध के लिए इस्तेमाल करना सही कदम नहीं माना जाएगा। भले ही इस विरोध प्रदर्शन को मायावती भी अनुचित बता चुकी हों, वाईएसआर कांग्रेस के नेता जगनमोहन रेड्डी गलत बता चुके हों, फिर भी कांग्रेस द्वारा इसे वाजिब ठहराया जाना साबित करता है कि पार्टी के केंद्रीय ढांचे में उचित–अनुचित का भेद करने वाली शख्सियतों की कमी हो गई है। कांग्रेस के इस विरोध प्रदर्शन को विपक्षी खेमे में ही उसकी सत्ता से दूरी से उपजी हताशा को माना जा रहा है। लेकिन विपक्षी खेमा इसके लिए कांग्रेस के नेतृत्व को ही जिम्मेदार ठहराता है। कांग्रेस के कुछ अंदरूनी नेता भी मानते हैं कि राहुल गांधी की अगुआई वाली कांग्रेस के केंद्रीय घेरे में दूरगामी सोच वाले नेताओं की बहुत कमी हो गई है। इसलिए पार्टी में एकाधिकारवादी और बेपरवाह सोच हावी होती गई है। विपक्षी खेमे के साथ ही पार्टी के कुछ लोग मानते हैं कि अगर पिछले आम चुनाव से पहले नीतीश कुमार को राहुल की अगुआई वाली कांग्रेस ने अपना नेता मान लिया होता या फिर इंडिया गठबंधन का संयोजक स्वीकार कर लिया होता तो संभवतरू देश का इतिहास कुछ और होता। इसकी वजह यह है कि नरेंद्र मोदी के बरक्स नीतीश कुमार ही ऐसे नेता हैं, जिनकी राष्ट्रव्यापी एक छवि है। नीतीश के पास बिहार के अतिरिक्त देश के दूसरे इलाके में जमीनी नेतृत्व और संगठन नहीं है। लेकिन उनकी पहचान पूरे देश में है और उनकी छवि भी विपक्षी खेमे के दूसरे नेताओं की तुलना में कहीं ज्यादा पाक–साफ है। मौजूदा कांग्रेस की कमी यह है कि वह अगले पल उठाए जाने वाले अपने हर कदम के परिणामों का आकलन राहुल गांधी की राजनिक सेहत के लिहाज से करती है। कांग्रेसी आलानेतृत्व की सलाहकार मंडली नहीं चाहती कि विपक्ष में ऐसी कोई शख्सियत उभरे, जिससे राहुल की प्रासंगिकता कमजोर हो। मोदी के बरक्स लड़ाई में वह दूसरे किसी विपक्षी नेता को उभरते हुए नहीं देख सकती। मोदी विरोध में कदम उठाते वक्त वह भूल जाती है कि उन कदमों का राजनीतिक हासिल क्या होगा? फिर राहुल समर्थक मंडली उन्हें मोदी के बरक्स सिर्फ नैरेटिव केंद्रित राजनीति की ही सलाह देती है। इन वजहों से राहुल का विरोध भी देश को उनकी तरफ आकर्षित करने का माध्यम नहीं बन पा रहा है। भारत मंडपम् में पूरे पांच दिन चले कार्यक्रम के चलते समूची दिल्ली ट्रैफिक जाम से हलकान रही। इसका असर गुड़गांव और नोएडा के ट्रैफिक पर भी पड़ा।

सम्पादकीय

सत्र समाप्त होने के साथ ही चर्चाएं भी समाप्त

संसद के बजट सत्र में ब्रेक चल रहा है। सत्र का दूसरा हिस्सा नौ मार्च से शुरू होगा और दो अप्रैल तक चलेगा। बजट सत्र का पहला हिस्सा बहुत हंगामे वाला रहा। वैसे तो हर सत्र ही हंगामे वाला होता है लेकिन इस बार कुछ अनोखी चीजें हुईं। जैसे स्पीकर ने प्रधानमंत्री को सुझाव दिया कि वे राष्ट्रपति के अभिभाषण पर हुई एक अधूरी चर्चा का जवाब देने लोकसभा में नहीं आएं क्योंकि कुछ श्अप्रत्याशितत्त्य घट सकता है। प्रधानमंत्री मान भी गए। पहली बार ऐसा हुआ। ऐसे ही पहली बार हुआ कि नेता प्रतिपक्ष को बोलने नहीं दिया गया और बदले में विपक्ष ने प्रधानमंत्री को नहीं बोलने दिया। पहली बार विपक्ष की महिला सांसदों से प्रधानमंत्री को खतरा होने की बात हुई। पहली बार नेता प्रतिपक्ष के खिलाफ सब्सटेंसिव मोशन पेश किया गया। पूर्व प्रधानमंत्रियों की नीतियों की आलोचना तो पहले भी होती थी लेकिन इस बार की नई गिरावट यह थी कि पूर्व प्रधानमंत्रियों की जीवनी या उनके ऊपर लिखी गई किताबों में से यहां वहां के उद्धरण छांट कर उनको श्गद्दारत्त्य, श्अय्याशत्त्य आदि सदन के अंदर कहा गया। पहली बार ऐसा हुआ कि संसदीय कार्य मंत्री ने विपक्षी सांसदों पर आरोप लगाया कि उन्होंने स्पीकर के चौम्बर में जाकर गाली गलौज की। करीब चार दशक बाद पहली बार स्पीकर के खिलाफ महाभियोग का प्रस्ताव लाया गया। यह सब कुछ दो से 13 फरवरी के बीच हुआ।

यह 12 दिन का समय राहुल गांधी की राजनीति के लिए बहुत अच्छा रहा। वे इस 12 दिन की राजनीति के केंद्र में रहे। दो फरवरी को राष्ट्रपति के अभिभाषण पर उनके भाषण देने से विवाद शुरू हुआ और उनके खिलाफ मोशन लाए जाने के बाद सदन की कार्यवाही आठ मार्च तक स्थगित हुई। सत्र शुरू होने से एक दिन पहले यूरोपीय संघ के साथ व्यापार संधि हुई और सत्र के बीच अमेरिका के साथ संधि की घोषणा हुई। इसी बीच एपस्टीन फाइल्स के पन्ने खुले, जिसमें एक केंद्रीय मंत्री और एक कारोबारी के एपस्टीन से संपर्कों की कहानियां आईं। इन तमाम घटनाओं ने राहुल गांधी को मौका दिया कि वे केंद्र सरकार पर हमलावर रहें। कुछ अंतरराष्ट्रीय हालात और कुछ राहुल गांधी के तेवर से सरकार बैकफुट पर रही। प्रधानमंत्री से लेकर मंत्री तक बचाव की मुद्रा में दिखे। राहुल गांधी के खिलाफ प्रस्ताव लाना भी घबराहट का ही संकेत है। सोशल मीडिया में नैरेटिव है कि राहुल ने कमाल कर दिया।

इस पूरे घटनाक्रम से राहुल का आत्मविश्वास भी बढ़ा, जिसमें उन्होंने दो बड़ी गलतियां कीं। आत्मविश्वास और अति उत्साह में उन्होंने संसद की सीढ़ियों पर अपने एक साथी सांसद और केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू को श्गद्दार दोस्तत्य कहा। यह राहुल गांधी की अपनी छवि के बिल्कुल उलट बात थी। दूसरी गलती उन्होंने यह कर दी कि दो केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव और प्रहलाद जोशी की मीडिया से बातचीत के बीच में घुस गए और बोलने लगे। उन्होंने प्रहलाद जोशी का हाथ पकड़ कर उनको रोकने का प्रयास भी किया। इन दोनों घटनाओं को कांग्रेस इकोसिस्टम के लोगों ने खूब प्रचारित किया। उन्होंने इसे ऐसे प्रस्तुत किया, जैसे राहुल के डर से दो मंत्री भाग गए और राहुल ने ठीक किया, जो कांग्रेस छोड़ने वाले बिट्टू को गद्दार कहा। लेकिन ये दोनों घटनाएं सामान्य संसदीय आचरण के अनुरूप नहीं हैं। बहरहाल, संसद के बजट सत्र में राहुल गांधी चर्चा के केंद्र में रहे। वे एजेंडा सेट करते रहे, जिस पर सरकार जवाब देती रही और बैकफुट पर रही। लेकिन यह पहला सत्र नहीं है, जिसमें राहुल ने महफिल लूटने वाला काम किया है। इससे पहले भी डोकलाम का घटनाक्रम हो या हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट हो, हर बार सत्र में राहुल गांधी हीरो होते हैं। वे अच्छे और लंबे भाषण करते हैं और संसद के पूरे सत्र का एजेंडा सेट कर देते हैं। लेकिन क्या संसद सत्र के दौरान उनके द्वारा की जाने वाली राजनीति चुनाव के मैदान में कांग्रेस को लाभ पहुंचाती है? क्या संसद में वे जो राजनीति करते हैं उससे कांग्रेस संगठन को ताकत मिलती है? यह सही है कि इससे राहुल गांधी की साहसी और निर्भीक नेता की छवि को मजबूती मिलती है और कांग्रेस की चर्चा होती है। लेकिन सत्र समाप्त होने के साथ ही ये चर्चाएं भी समाप्त हो जाती हैं। राहुल गांधी को यह ध्यान रखने की जरुरत है कि राजनीति बिट्स एंड पैचेज में होने वाली चीज नहीं है। संसद सत्र में उनके उठाए मुद्दों से जो माहौल बनता है उसे जनता के बीच ले जाना होता है। इसके लिए पार्टी संगठन को मजबूत करने की जरुरत होती है ताकि मुद्दों पर जमीनी स्तर पर राजनीति हो सके। अफसोस की बात है कि राहुल गांधी यह काम नहीं कर पाते हैं। उन्होंने सत्र के बीच एक दिन किसान बन कर मनरेगा बचाओ आंदोलन में हिस्सा लिया लेकिन 45 दिन का कांग्रेस का मनरेगा बचाओ अभियान कब शुरू हुआ और कब समाप्त हो गया, यह न तो जमीनी स्तर पर दिखा और न दिल्ली में दिखा।संसद का मौजूदा बजट सत्र चल रहा होगा उसी बीच पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव की घोषणा होगी। अप्रैल में पश्चिम बंगाल, असम, केरल, तमिलनाडु और पुडुचेरी में चुनाव होना है। इन पांच राज्यों में पिछले छह महीने में राहुल गांधी सिर्फ एक बार तमिलनाडु और संभवतरू एक या दो बार केरल गए हैं। प्रियंका गांधी वाड्रा भी सिर्फ केरल गई हैं क्योंकि वे वहां की वायनाड सीट से सांसद हैं।

भयाकुल जीवन झूठ की कोयला खदानों में सांस ले रहा

हरिशंकर व्यास

देश इन दिनों सत्य–शोध की कोयला खदान है, जिससे यदा–कदा निकले चमकीले कण दिमाग और बुद्धि को खदबदा देते हैं। हाल में रक्षा बजट में एक लाख करोड़ रु. से अधिक बढ़ोतरी की खबर थी। भारत 2026–27 में 2.19 लाख करोड़ रु. के सैन्य उपकरण खरीदेगा। ऐसे ही यूरोपीय संघ के बाद अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप से व्यापार समझौते की सुर्खधि है। मतलब जहाँ सैन्य क्षमताओं में बढ़ोतरी का कदम, वहीं भारत की आर्थिकी का खुलना। कभी मोदी सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार रहे अरविंद सुब्रमण्यम ने लिखा है कि अब भारत विश्व की सर्वाधिक खुली आर्थिकी होने के कघ्गार पर है! बहुत अच्छा। पर ये फैसले भारत की मजबूरी से हैं या ठोस संकल्प से हैं?

आखघ्रि चीन से हारने के बाद सैन्य ताकघ्त का विस्तार तो नेहरू के समय में ही शुरू हो गया था। फिर लालबहादुर शास्त्री ने मुंबई में ट्रॉम्बे में एटमी भट्टी का शिलान्यास किया। इंदिरा गांधी ने परमाणु परीक्षण कराया। नरसिंह राव ने परमाणु बम–मिसाइलें बनवाईं, तो वाजपेयी ने बिना आगे–पीछे सोचे पोखरण में पाँच परीक्षण कर दुनिया को बतायाकृआज बुद्ध पूर्णिमा है!

ऐसे ही नरसिंह राव ने आर्थिकी खोली। मनमोहन सिंह ने उससे भूमंडलीकरण साधा, तो ट्रंप के झटकों के बाद भारत अब उनकी शर्तों पर व्यापार समझौता किए हुए है। सर्वाधिक खुली आर्थिकी के जुमले बन रहे हैं, तो स्वाभाविक सवाल हैकृखुलने से हम बाजार बनेंगे या समर्थ, आत्मनिर्भर होंगे या आश्रित ? यह मानना तो मूर्खता ही होगी जो सोचे कि चीन डरकर लद्दाख, अरुणाचल से निगाह हटा लेगा या पाकिस्तान की कश्मीर से नजर हट जाएगी। हकघीकघ्त है कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद वैश्विक सैन्य जगत में भारत की जो किरकिरी हुई, उसने मोदी सरकार को सैन्य खर्च बढ़ाने के लिए मजबूर किया है।

ऐसे ही अमेरिका और यूरोप के साथ व्यापार करार भी भयाकुल मनोदशा में हैं।

यही कलियुगी हिंदुओं का वह इतिहासजनित डीएनए है, चरित्र है, जिसमें मुझे कोयला खदान का बिंब झलकता है! कोई तीन दशक पहले मैंने झारखंड घूमते हुए कोयला खान के मुहाने के घने काले परिवेश में काली धूल में लथपथ जीवन महसूस किया था। मिट्टी, मजदूरी, झोपड़ियाँ, मजदूर (आदिवासी बहुल), इन्फ्घ्रास्ट्रक्चरकृसब काली धूल में लथपथ। मानो शनि का घर। फिर घूमते–घूमते कोल इंडिया, स्टील इंडिया के सरकारी प्रतिष्ठान, बोकारो का स्टील प्लांट देखा–समझा, तो दिमाग बुरी तरह खदबदाया। मेरी इस सोच को बल मिला कि नेहरू के समाजवाद, लाइसेंस–कोटा–परमिट और अंग्रेज विरासत ने सब गुड़गोबर किया है।

अर्थात मुस्लिम–मुगल लुटेरों–शासकों से जहां हिंदुस्तान खेतीहर पैदावार, हस्तशिल्प की उत्पादकता–व्यापार में लुटा तो अंग्रेज हुक्मरानों ने लगान–लूट के अलावा खदानों–कच्चेमाल (माइनिंग), व्यापार (मर्कैंटाइल)कृयानी कोयले की दलालीकृके काले हाथों में हिंदुस्तानियों को रंगा। लुटेरे जगतसेठ पैदा किए। वही दिशा स्वतंत्रता के बाद, प्रथम प्रधानमंत्री नेहरू से बनी। उन्होंने पुराने अंग्रेज मॉडल की विरासत की नींव पर श्आइडिया ऑफ इंडियात्त्य गढ़ा। ऐसा समाजवाद अपनाया, जो सत्ता द्वारा, सत्ता के खातिर, सत्ता की लूट का तंत्र विकसित करने वाला था। नतीजतन भारत के लोग पावरफुल श्नागरिकत्त्य बनने की बजाय और अधिक हुकूम के बंधुआ, कघनूनों में बंधे, माई–बाप सरकार पर आश्रित हुए। नौकरशाही ने समाजवाद के नाम पर आर्थिकी को माइनिंग–मर्कैंटाइल के ढाँचे वाली कोयला खान को पुनर्गठित किया!

समय कुछ बदला। सो बुद्धिमान पी. वी. नरसिंह राव की मौन बहादुरी से भारत ने ताजा हवा पाई। डॉ. मनमोहन सिंह की दृष्टि, विद्वत्ता से वैश्विक राजधानियों में भारत का मान बना। पर हम हिंदुओं का इतिहास तो भयाकुल कघैम का है। समर्पणकृभूखकृभयकृभक्ति का है। वह कैसे मिटता? मेरा लिखना इमरजेंसी के समय 1976 से शुरू हुआ है। तब वैश्विक विषयों (सोवियत संघ, शीतयुद्ध, अफगानिस्तान आदि) पर लिखता था, तो साम्यवाद, समाजवाद, गरीबी हटाओ, 20 सूत्री कार्यक्रमों से भारत समझ आता था। पूरा ठीकरा नेहरू के आइडिया, समाजवाद, गिरगिटी नौकरशाही की कोयला खदान पर केंद्रीत हुआ। तब भी जाहिर था कि हिंदुओं का वह भक्ति काल है, जो हजार साल की गुलामी से पैदा कायरता का बाय–प्रोडक्ट है।

इसलिए मेरे लिए 1977 में कांग्रेस की हार और इंदिरा गांधी की जगह निर्भीकता का मंत्र देने वाले मोरारजी देसाई का शपथ लेना मानो क्रांति के क्षण थे। पर उन्होने भी नेहरू के आइडिया ऑफ इंडिया के ढाँचे को नहीं समेटा। उलटे सदियों से सत्ता के लिए फड़फड़ाती कघैम के नए प्रतिनिधि भुख्खड़ों में घमासान बना। पहले समाजवादी, फिर कम्युनिस्ट नेताओं की वह तोड़फोड़, वह आचरण प्रकट हुआ, जिसमें आयाराम–गयाराम भी हुआय तो बाँटो और राज करो की मंडल राजनीति, फिर संघ–आडवाणी की कमंडल राजनीति भी खिली। चुपचाप भगवा रंग चढ़ने लगा।

बीच में जरूर नरसिंह राव ने अफसरों (शासन) की दखल घटाई, भारत खुलाय पर सत्ता की भूख, हड़बड़ी (जैसे 1947 से पहले नेहरू–गांधी की थी) भी खुली। मंडल–कमंडल के वे नेता जमीनी हल्ला बनाते हुए थे, जिससे देश ने चीन के साथ–साथ उठने के अवसर गँवाए। कम्युनिस्ट सुरजीत–प्रकाश करात, लालू, रामविलास आदि प्रगतिशीलता, सामाजिक न्याय के हवाले अपने ही समर्थ से बनाई मनमोहन सिंह सरकार की नाक में भी दम किया।

कुल मिलाकर आर्थिकी खुली, तब भी देश चीन की तरह फायदा नहीं उठा पाया। हाँ, नारायणमूर्ति जैसे कुछ नए उद्यमियों की बदौलत भारत जरूर आईटी क्षेत्र में दुनिया का बैकऑफिस, आईटी–कुलियों का सप्लायर देश बना। मेरा मानना है कि गुलामी के इतिहासजन्य डीएनए से हम हिंदू बुद्धि–बल से ज्ञान–विज्ञान–शोध–तकनीक–लेखन में कुछ भी मौलिक रचने में समर्थ नहीं हैं। हमें केवल जुगाड़ आता है। समय रीपिट होता रहता है। अंग्रेजों के समय गन्ना पैदा करने वाले किसान विदेश (फिजी, मॉरिशस, सूरीनाम आदि) गए। वैसे ही नए मिलेनियम में भारत का योगदान खाड़ी देशों में मजदूर सप्लाई तथा आईटी–कर्मियों की दुनिया की सेवा था। उसी से अमेरिका, पश्चिमी देशों में भारतीयों का जाना हुआ।

सोचे, प्रवासियों ने जो कमाया, वह किसमें जाया हुआ? केरल के मलयाली परिवार की प्रवासी कमाई हो या पूर्वी यूपी के खाड़ी देशों में गए मजदूरों की कमाई, या बेंगलुरु के आईटी हब में उत्तर भारत की काम कर रही श्रमशक्ति, या बिहार से देश भर में फैले मजदूरों की कमाईकृइससे देश की शक्ल दो तरह से बदली है। 2010 के बाद का कथित भारत–विकास या तो खपत–बाजार बढ़ाने का चक्र लिए हुए है, या टैक्स, जीएसटी से सरकार की फिजूलखर्ची (वेतन आयोगों, लुटियन दिल्ली में इमारतें बनाने, इन्फ्घ्रास्ट्रक्चर, फिर उन्हें क्रोनी पूँजीपतियों को बाँट देना) का वह दुष्चक्र है, जिसके झाँसे, ललक ने घर–परिवारों, नौजवान दंपत्तियों, मध्यवर्ग, निम्न वर्ग, किसानकृसभी को कर्ज में जीने का आदी बना दिया है। सोचे, कभी भारत का गरीब बचत के रिकॉर्ड बनाता था और अब हर कोई कर्ज़ों में डूबा है, खैरात पर जिंदा है। देश में संतुष्ट, स्वपोषक, आत्मनिर्भर केवल वही आबादी है, जो कोयले की खान की काली कमाई, दलाली से हराम का जीवन जी रहे हैं!

विकास के नाम पर कोयले की खान का क्या रूप–परिवर्तन है? मशीनें चीन की लग गई हैं, भ्रष्टाचार के भरपूर विकास में दुनिया के नंबर एक हैं। पर दिल्ली हो या झारखंड का निवासीकृहर भारतीय धुएँ, धूल से फेफड़े काले करते हुए है। मजदूर हो, आधुनिक गिग वर्कर होकृसब लाचारी, दीनता, कर्ज़ से जीते हुए हैं। पर यह जरूर हुआ सत्ता की काली खान, कोयले के काले धंधों ने नए जगतसेठ पैदा किए। वे सेठ जो सस्ता कच्चा तेल खरीदते हैं, कोयला निकालते हैं और पेट्रोल–डीजल–गैस तथा बिजली सब मंहगा भारतीयों को बेचते हैंकृतो विदेशियों को भी बेचते हैं। मुगल–अंग्रेज जमाने के जगतसेठ अब उन नए चेहरों में कन्वर्ट हैं, जो न हल्दी लगे, न चूनाकृरंग चोखा आए के नुस्खे में खरबपति बनने के वैश्विक रिकॉर्ड बना रहे हैं।

सो वैश्विक पैमाने पर भारत की आर्थिकी सर्वाधिक खुले तब भी क्या होना है? पर खुलना मजबूरी भी है। अमेरिका या योरोप से भारत समझौता न करे, तो सहारा क्या है? भारत किनके बूते दुश्मन चीन और पाकिस्तान से बचेगा? ये वे दो देश हैं, जिनकी चिंता में सरकार ने रक्षा बजट में 2.19 लाख करोड़ रु. के सैन्य उपकरण खरीदने का फैसला किया।

पर क्या सैन्य हथियार खरीदने से क्या चीन और पाकिस्तान डरेंगे? हथियार तो हिंदू राजा–रजवाड़े भी रखते थे। उनकी पूजा भी करते थे। मगर खैबर पार से आ रहे हजार–पंद्रह सौ घुड़सवारों के आगे भाग खड़े होते थे। लड़ने के बजाए भागने, समर्पण का राजा जुगाड़ तलाशता था।

एआई सम्मेलन- भारत की अभूतपूर्व सफलता और व्यथित कांग्रेस

एआई समिट कांग्रेस द्वारा की गई इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना से भारत का जेन– जी भी नाराज है जिसको भड़काकर कांग्रेस सड़क पर लाना चाहत है। भाजपा कांग्रेस द्वारा दिए गए इस अवसर को गंवाना नहीं चाहती । पार्टी की तरफ से संपूर्ण भारत में कांग्रेस कर्यालयों के बाहर धरना –प्रदर्शन आयोजित हो रहे हैं। नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित एआई शिखर सम्मेलन में आए विश्व के बड़े बड़े नेता इस पहल से अचंभित थे और भारत की प्रगति की प्रशंसा करते नहीं थक रहे थे। बड़ी बड़ी एआई कंपनियां व निवेशक भारत के साथ समझौते कर रही थीं। जन सामान्य गर्वित हो रहा था क्योंकि यहाँ भारत की युवा प्रतिभाओं की सराहना हो रही थी। सदा से ही राष्ट्र विमुख रही कांग्रेस पार्टी से ये देखा नहीं गया और उनके कुछ चुनिंदा कार्यकर्ता वहां अर्धनग्न होकर प्रदर्शन करने पहुँच गए। वास्तव में अब कांग्रेस पार्टी अब प्रधानमंत्री मोदी व भाजपा का विरोध करते –करते पूरी तरह भारत विरोधी हो गई है।कांग्रेस का यह विरोध ऐसा ही था जैसे जब प्राचीन काल में जब ऋषि गण अपने आश्रमो मे किसी अच्छे कार्य के लिए यज्ञादि करते थे तो कुछ राक्षस उस यज्ञ को अपवित्र करने के लिए यज्ञकुंड में हड्डियां डालकर उसे अपवित्र करने का प्रयास करते थे। कांग्रेस ने जो कृत्य विदेशी मेहमानों के समक्ष किया है उससे स्पष्ट है कि कांग्रेस घोर अराजकतावादी बन चुकी है जिसकी अब सारी उम्मीदें समाप्त होती जा रही हैं। एआई समिट कांग्रेस द्वारा की गई इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना से भारत का जेन– जी भी नाराज है जिसको भड़काकर कांग्रेस सड़क पर लाना चाहत है। भाजपा कांग्रेस द्वारा दिए गए इस अवसर को गंवाना नहीं चाहती । पार्टी की तरफ से संपूर्ण भारत में कांग्रेस कर्यालयों के बाहर धरना –प्रदर्शन आयोजित हो रहे हैं। मेरठ में आयोजित एक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी भी कांग्रेस पर हमलावर हुए और कहा कि कांग्रेस ने एआई समिट को अपनी नग्न राजनीति का अखाड़ा बना दिया है। उन्होंने कांग्रेस से पूछा कि देश तो जानता ही है कि आप पहले से ही नंगे हो फिर कपड़े उतारने की जरूरत क्यों पड़ी? यह दिखाता है कि देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस अब वैचारिक रूप से कितनी दिवालिया और दरिद्र हो गई है। प्रधानमंत्री मोदी ने मीडिया से अपील करते हुए कहा कि जब मैं कांग्रेस की आलोचना करता हूं तो ऐसी सुर्खियां न चलाएं कि मोदी ने विपक्ष पर हमला बोला। कांग्रेस को बचाने की ये चालाकियां बंद करें। इस पूरे घटनाक्रम में कांग्रेस को सपा बसपा सहित कई अन्य छोटे क्षेत्रीय दलो का समर्थन नहीं मिला है जिनको कांग्रेस इंडी ब्लॉक की पार्टियाँ कहती है। कांग्रेस के इस कृत्य का लालू यादव की पार्टी राजद ने भी कड़ा विरोध किया है। जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने भी विरोध किया है।

आज का राशिफल

मेष राशि
ट्रांसफर मनपसंद जगह पर हो सकता हैमेष राशि वालों आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आपका ट्रांसफर मनपसंद जगह पर हो सकता है।

वृष राशि–
मेहनत का परिणाम आपके फेवर में होगा वृष राशि वालों आज आपका दिन लाभदायक रहने वाला है। आज मेहनत का परिणाम आपके फेवर में होगा।

मिथुन राशि–
सकारात्मक रवैया नौकरी में तरक्की दिलाएगा मिथुन राशि वालों आज आपका दिन आनंद और उत्साह से भरपूर रहेगा। कार्यक्षेत्र में आप अपने काम में कुछ नए बदलाव लाएंगे।

कर्क राशि–
बिजनेस मीटिंग लाभदायक होगी कर्क राशि वालों आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। यदि आप कंस्ट्रक्शन के बिजनेस जुड़े हुए हैं तो आपके लिए लाभ के योग हैं।

सिंह राशि–
किसी पुरानी बात को लेकर उलझन में रहेंगे सिंह राशि वालों आज आपका दिन बेहतर रहेगा। आप फाइनेंस डिपार्टमेंट या सेल्स में काम करते हैं, तो आपको आपकी नॉलेज से काफी फायदा होगा।

कन्या राशि–
लंबे समय से फंसा हुआ धन मिलेगा कन्या राशि वालों आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आज आपकी धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। आज आप किसी विशेष काम का हिस्सा बन सकते हैं।

तुला राशि–
अपनी वाणी पर संयम रखना होगा
तुला राशि वालों आज आपका दिन खुशहाल बीतेगा। शिक्षा से रिलेटेड आपकी मनोकामना पूरी होगी।

वृश्चिक राशि–
धन लाभ की संभावना बढ़ेगी वृश्चिक राशि वालों आज आपका दिन पाजिटिव रहेगा। बिजनेस के सिलसिले में बनाई गई योजनाएं कारगर साबित होगी।

धनु राशि–
धैर्य से निर्णय लेने पर सफलता के आसार धनु राशि वालों आज का दिन आपके लिए ठीक ठाक रहने वाला है। आज आपके सामने लाभ के कुछ नए अवसर आयेंगे।

मकर राशि–
परिवार के लिए नई खुशियां लाने वाला दिन मकर राशि वालों आज का दिन आपके परिवार के लिए

कुम्भ राशि–
आपका सोचा हुआ काम पूरा होगा
कुम्भ राशि वालों आज आपका दिन उत्साह से भरा रहने वाला है। आपका सोचा हुआ काम आज पूरा हो जायेगा।

मीन राशि–
आज आपके आय में बढ़ोतरी होगी मीन राशि वालों आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। प्रॉपर्टी खरीदने का विचार बना रहे लोग आज किसी प्रॉपर्टी डीलर्स से बातचीत करेंगे।

जनपद न्यायाधीश की अध्यक्षता में पंचम चरण की बैठक सम्पन्न

चित्रकूट । गुरुवार को राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के द्वारा आगामी 14 मार्च को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत को प्रभावी रूप से सफल बनाने के लिए शेषमणि शुक्ला, जनपद न्यायाधीश अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की अध्यक्षता में जनपद में कार्यरत विभिन्न प्रशासनिक विभागों के अधिकारियों की पंचम चरण की बैठक सम्पन्न हुई।इला चौधरी सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा बताया गया कि अध्यक्ष जनपद न्यायाधीश द्वारा 14 मार्च को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक वादों को चिन्हित कर निस्तारण हेतु बल दिया गया। राष्ट्रीय लोक अदालत में शमनीय आपराधिक वाद, धारा–138, मोटर एक्सीडेंट क्लेम वाद, श्रम वाद, बैंक वसूली वाद, विद्युत अधिनियम और जल वाद, सर्विस मैटर्स, पारिवारिक व वैवाहिक वाद, भूमि अधिग्रहण वाद, राजस्व चकबन्दी वाद, किरायेदारी वाद, सुखाधिकार वाद, स्थायी निषेधाज्ञा व सिविल वाद, मनी वसूलीवाद, विनिर्दिष्ट अनुतोष वाद, मोटर वाहन ई–चालान लघु आपराधिक वादों, श्रमवाद, प्री–लिटिगेशन के माध्यम से ऐसे वाद जो अभी न्यायालय के समक्ष नही आये हैं विशेषकर पारिवारिक मामले उपभोगता फोरम तथा आर्बिट्रेशन सम्बन्धित वादों का निस्तारण किया जाना है। बैठक में राममणि पाठक नोडल अधिकारी विशेष न्यायाधीश एस. सी.एस.टी. एक्ट, वर्णिका शुक्ला, अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सहायक नोडल अधिकारी, राष्ट्रीय लोक अदालत, सत्यराम यादव परियोजना अधिकारी, डा. जितेन्द्र सिंह मुख्य पशुचिकित्साधिकारी, मो महेन्द्र कुमार श्रम प्रवर्तन अधिकारी, मुकेश कुमार ग्रामीण अभियन्त्र अधिकारी, सन्दीप यादव सेवा योजन अधिकारी, राजनीश पाण्डेय पी.ओ नेडा, आनन्द कुमार पाण्डेय अधिशाषि अभियन्ता आदि मौजूद रहे।

ट्रक चालक को मारकर यमुना में फेंकने वाले खलाशी को उम्रकैद

-जनपद न्यायाधीश ने सुनाया फैसला

चित्रकूट। ट्रक चालक को लोहे की राड से मारकर यमुना नदी में लाश फेंकने के मामले में दोष सिद्ध होने पर सत्र न्यायधीश शेषमणि ने आरोपी ट्रक खलाशी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही 15 हजार रुपये अर्थदण्ड से दण्डित किया है। जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी श्यामसुंदर मिश्रा ने बताया कि बीती 10 अगस्त 2023 को रायबरेली जिले ऊंचाहार थाने के कोटरा बहादुरगंज के निवासी शिवसिंह ने राजापुर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस को दी गई तहरीर में वादी ने बताया था कि उसका भाई शिवशंकर यादव ट्रक चलाता था और उसके साथ गांव का ही रवि गौतम गाड़ी में क्लीनर था। शिवशंकर 8 अगस्त 2023 को रवि गौतम के साथ मध्य प्रदेश के कटनी से चावल लादकर लखनऊ जा रहा था। रास्ते में दोनों के बीच मोबाईल गुम हो जाने को लेकर विवाद हो गया जिसकी सूचना शिवशंकर ने ट्रक मालिक को फोन के जरिए दी। इसके बाद गाड़ी के राजापुर यमुना पुल में पहुंचने पर रवि गौतम ने शिवशंकर पर लोहे के राड से हमला कर उसे मौत के घाट उतार दिया और शव यमुना नदी में फेंक दिया। ले गया और ट्रक खड़ा करके फरार हो गया। चालक का मोबाइल बंद होने पर ट्रक मालिक जीपीएस सिस्टम के जरिए गाड़ी के पास पंहुच गए। साथ ही गांव में मृतक के परिजनों ने भी संदेह के आधार पर आरोपी रवि गौतम को पकड़ लिया। पुलिस ने मामले की रिपोर्ट दर्ज करने के बाद यमुना में शव की तलाश शुरु की। घटना के तीन दिन बाद मृतक शिवशंकर का शव पुलिस ने बरामद किया था। साथ ही आरोपी को गिरतार करने के बाद न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल भाई और इस मुकदमे के वादी शिव सिंह का भी सदमे के कारण निधन हो गया था। जिसके बाद ट्रक मालिक और मृतक के दूसरे भाई ने इस मामले में न्यायालय में आकर गवाही दी थी। बचाव और अभियोजन पक्ष की दलीलें सुनने के बाद गुरुवार को जिला जज शेषमणि ने निर्णय सुनाया जिसमें दोष सिद्ध होने पर आरोपी रवि गौतम को आजीवन कारावास और 15 हजार रुपये अर्थदण्ड की सजा सुनाई गई।

पुजारी को अधमरा कर सडक किनारे फेंका, नकदी व अन्य सामग्री चोरी

चित्रकूट। सीतापुर के तिगोडी माता मंदिर के पास एक पुजारी को बदमाश अधमरा कर सडक किनारे फेंक गए। उसकी कुटिया में रखी नकदी व कुछ अन्य सामग्री लेकर भाग गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पुजारी को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। सदर कोतवाली क्षेत्र के बंधोइन निवासी बच्चीलाल ने बताया कि वह 15 साल से रामघाट मार्ग पर तिगोडी माता मंदिर के पास एक कुटिया बनाकर रहता है। वहीं मंदिर में पूजा पाठ कर जीवन यापन करता है। बुधवार की देर रात को वह कुटिया में सो रहा था इसी बीच दो अज्ञात युवक आए और एक ने मुंह पर हाथ रखकर चुप रहने को कहा। दूसरे ने उसके बाक्स व कुटिया में रखे लगभग दो हजार रूपये व कुछ अन्य सामग्री उठाई। इसका विरोध कर एक युवक को पकड लिया तो फिर दोनों ने मिलकर उसे पीटा। बाहर तक घसीटकर लाए और अधमरा स्थिति में सडक किनारे फेंककर भाग गए। गुरूवार की सुबह आसपास के लोगों और राहगीरों ने पुजारी को देख पुलिस सूचना दी। सीतापुर चौकी प्रभारी यदुवीर सिंह ने बताया कि पुजारी के साथ मारपीट तो हुई है। उसका जिला अस्पताल में इलाज कराया गया है। आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर खोजबीन की जा रही है।

जिलाधिकारी ने तहसील भिनगा का औचक निरीक्षण कर लिया जायजा

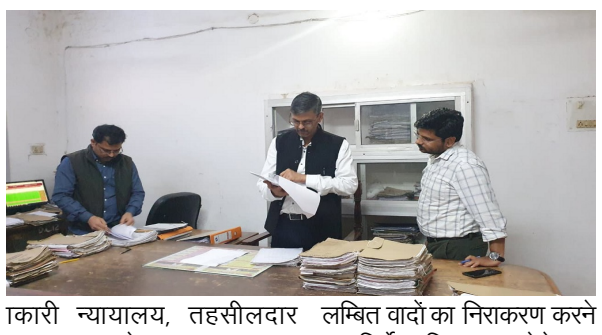

श्रावस्ती।(आरएनएस) जिलाधिकारी अश्विनी कुमार पाण्डेय ने तहसील भिनगा का औचक निरीक्षण कर जायजा लिया। इस दौरान जिलाधिकारी ने सम्पूर्ण तहसील परिसर का भ्रमण कर अवलोकन किया। उन्होने अभिलेखागार में जाकर राजस्व रिकार्डो के बस्तों का अवलोकन किया तथा सभी रिकार्डो को और व्यवस्थित ढंग से रखने व साफ–सफाई पर विशेष बल देने हेतु निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी को निर्देश दिया कि तहसील में आने वाले हर फरियादियों की समस्याओं को सूचीबद्ध किया जाए और उनका निराकरण भी समय सीमा के अन्दर सुनिश्चित किया जाए, ताकि फरियादियों को अपनी समस्याओं को लेकर तहसील मुख्यालयों का चक्कर न लगाना पड़े। यह भी ध्यान रखा जाए कि निर्धारित शुल्क से किसी भी दशा में अधिक धनराशि कदापि न लिया जाए।निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी न्यायालय, तहसीलदार न्यायालय, लेखपाल अनुभाग, रजिस्ट्रार, कानूनगो अनुभाग, रिकार्ड रूम, संग्रह अनुभाग का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने नजारत अनुभाग पहुंचकर राजस्व वादों के तहत विभिन्न धाराओं 116, 34, 67, 80, 24 आदि पंजिकाओं का अवलोकन किया तथा अधिक से अधिक वादों का समय सीमा के अन्दर निस्तारण करने का निर्देश दिया। इसके अलावा आय व व्यय पंजिका, शिकायत पंजिका, डाक टिकटों का लेखा एवं तामीला पंजिका आदि की गहनता से जांच की। जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी को न्यायालय पर लम्बित वादों का निराकरण करने का निर्देश दिया। उन्होने यह भी निर्देश दिया कि तहसील में आने वाले हर फरियादियों की समस्याओं को सूचीबद्ध किया जाए और उनका निराकरण भी समय सीमा के अन्दर सुनिश्चित किया जाए, ताकि फरियादियों को अपनी समस्याओं को लेकर तहसील मुख्यालयों का चक्कर न लगाना पड़े। तहसील परिसर में आने वाले फरियादियों के लिए बेहतर सुविधा हेतु पेयजल, छाया एवं बैठने हेतु उचित प्रबन्ध किये जाएं, जिससे उन्हें कोई दिक्कत न होने पाए।

सड़क दुर्घटना में एक व्यक्तिकी मौत

श्रावस्ती (आरएनएस)। थाना सोनवा क्षेत्र अन्तर्गत गुरुवार देर रात सड़क हादसे में 40 वर्षीय परशुराम की मौत हो गई। वह अपनी पत्नी के लिए दवा लेने घर से निकले थे, घर से महज 100 मीटर की दूरी पर एक अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। मिली जानकारी के अनुसार सोनवां थाना क्षेत्र के धोबीपुरवा निवासी परशुराम जमुनहा–बहराइच मार्ग पर स्थित एचपी गैस एजेंसी के पास पहुंचे थे। तभी एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। टक्कर इतनी भीषण थी कि परशुराम गंभीर रूप से घायल होकर सड़क किनारे गिर पड़े और करीब आधे घंटे तक तड़पते रहे। घटनास्थल से लगभग 100 मीटर की दूरी पर एक शादी समारोह चल रहा था। वहीं से लौट रहे बारातियों ने घायल को देखा और तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल परशुराम को एंबुलेंस से जिला अस्पताल भिनगा भेजा गया। वहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। परशुराम की मौत की खबर सुनते ही परिवार में कोहराम मच गया।

ठगी गई 68,000 रुपये की धनराशि पीड़ित के बैंक खाते में कराई गई वापस

श्रावस्ती (आरएनएस)। पुलिस अधीक्षक श्रावस्ती राहुल भाटी' के निर्देशन में व अपर पुलिस अधीक्षक मुकेश चंद्र उत्तम के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी साइबर क्राइम आलोक कुमार सिंह के कुशल नेतृत्व में प्रभारी निरीक्षक थाना मल्हीपुर जनपद श्रावस्ती महेन्द्र कुमार सिंह एवं साइबर सेल थाना मल्हीपुर की टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए साइबर ठगी के प्रकरण में संपूर्ण धनराशि वापस कराई गई। शिकायतकर्ता सिकंदर कुमार पुत्र वलीदीन निवासी चमर पुरवा थाना मल्हीपुर जनपद श्रावस्ती द्वारा दिनांक 25.02.2026 को 'एनसीआरपी पोर्टल 1930 पर शिकायत संख्या 33102260044240' दर्ज कराई गई थी। शिकायत में अवगत कराया गया कि अज्ञात फ्रॉडस्टर द्वारा यूपीआई के माध्यम से 68,000 रुपये की धनराशि धोखाधड़ी कर ली गई थी। साइबर सेल थाना मल्हीपुर द्वारा प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए त्वरित तकनीकी एवं बैंकिंग कार्यवाही की गई, जिसके फलस्वरूप 'वादी पीड़ित के बैंक खाते में 68,000 रुपये की पूर्ण धनराशि वापस कराई गई।

सदर विधायक की तबियत बिगडी, अस्पताल में भर्ती

चित्रकूट। समाजवादी पार्टी के चित्रकूट विधानसभा के सदस्य अनिल प्रधान की गुरूवार की सुबह अचानक तबियत बिगड गई। उल्टी दस्त की शिकायत पर उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। चार घंटे इलाज के बाद तबियत में सुधार होने पर उन्हें अस्पताल से छुटटी मिल गई है। गुरूवार की सुबह सपा विधायक अनिल प्रधान ने बताया कि उन्हें कमजोरी व पेटदर्द की शिकायत हुई। इसी बीच एक दो बार उल्टी भी हुई। इसकी जानकारी होते ही उनके परिजन व करीबी उन्हें लेकर जिला अस्पताल पहुंचे। उन्हें सामान्य वार्ड में भर्ती कराया गया। सीएमएस डॉ शैलेंद्र कुमार व सर्जन डॉ सुजीत कुमार ने आनन फानन उनका इलाज शुरू कराया। इंजेक्शन के साथ उन्हें ग्लूकोज की बोतल भी चढाई गई। लगभग चार घंटे बाद उनकी हालत सामान्य होने पर अस्पताल से छुटटी कर दी गई। सपा विधायक ने बताया कि इन दिनों सहालग का सीजन चल रहा है और हाल ही में विधानसभा सत्र भी चला। ऐसे में लगातार सत्र और जनता के बीच आने जाने के दौरान भाग दौड में कुछ तबियत खराब हुई। अब वह स्वस्थ्य हैं। आगे के सभी कार्यकम यथावत रहेंगे।

27 दिव्यांग कृत्रिम अंग के लिए चिन्हित

चित्रकूट। एलिम्को कानपुर द्वारा खोह के मातृ शिशु चिकित्सालय में प्रधानमंत्री दिव्यशा केंद्र संचालित है। यहाँ पर दिव्यांगजनों को चलने में आने वाली समस्या के .ष्टिगत .त्रिम अंग चिन्हांकन शिविर का आयोजन ट्रायल बेसिस पर किया गया। जिसमें कुल 27 दिव्यांगजन चिन्हित हुए। इससे दिव्यांगजन के चलने और दैनिक क्रियाओं में सहयोग प्राप्त होगा।

त्योहार सकुशल संपन्न कराने को जोनल-सेक्टर मजिस्ट्रेट तैनात

चित्रकूट। जिला मजिस्ट्रेट पुलकित गर्ग ने बताया कि इस वर्ष हिन्दू पंचाग के अनुसार होलिका दहन 2 मार्च और होलिकोत्सव का पर्व 3 मार्च को है। होली के त्योहार पर होलिका दहन, के उपरान्त अगले दिन होलिकोत्सव के अवसर पर आपस में रंग खेलने, होली के गीतों के साथ जुलूस निकालने व होली मिलन जैसे समारोह कार्यक्रम आयोजित्त किये जाते हैं। कहीं–कहीं होलिकोत्सव का पर्व होलिका दहन के दूसरे एवं तीसरे दिन भी होता है। पवित्र रमजान माह प्रारम्भ है। रमजान माह में प्रत्येक शुक्रवार की नमाज होती है। ईद उल फितर का त्योहार 21 मार्च को पडेगा। त्योहारो के अवसर पर कभी–कभी अवसरवादी, अराजकतत्व, साम्प्रदायिक सौहार्द, बिगाड़ने का प्रयास कर सकते हैं। शान्ति एवं कानून व्यवस्था बनाये रखते हुए सकुशल पर्व सम्पन्न कराये जाने को जोनल एवं सेक्टर मजिस्ट्रेटो के रूप में अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है। उप जिला मजिस्ट्रेट अपने अधीनस्थ अधिकारियों एवं कार्मिकों के साथ क्षेत्रान्तर्गत भ्रमणशील रहकर क्षेत्राधिकारियों एवं थानाध्यक्षों से समन्वय कर होलिका दहन, होलिकोत्सव पर्व एवं रमजान, ईद उल फितर त्योहार को शांतिपूर्ण सकुशल सम्पन्न करायेगें। पुलिस अधीक्षक शान्ति एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने एवं पर्व को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित करेगें। शहरी क्षेत्रों में नगर पालिका, नगर पंचायत में अधिशाषी अधिकारी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में जिला पंचायत राज अधिकारी समुचित साफ सफाई सुनिश्चित करायेगें तथा अवारा पशु, सुअर आदि के विचरण को टीम की तैनाती कर नियंत्रित करेंगें। संबंधित विभाग बिजली, पानी, चिकित्सालय की व्यवस्था सुदृढ़ रखेंगें। खाद्य विभाग, आबकारी विभाग मिलावटखोरों, अवैध शराब कारोबार पर सख्त कार्रवाई करें।

ग्राम पंचायतों में खुलेंगे सिलाई केंद्र, स्वास्थ्य और शिक्षा के सुदृढ़ीकरण पर रहेगा विशेष फोकस

–डीएम ने की बैठक, दिए निर्देश

चित्रकूट। कलेक्ट्रेट सभागार में डीएम पुलकित गर्ग की अध्यक्षता में जिला खनिज न्यास निधि के अंतर्गत शासी परिषद एवं प्रबंध समिति की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। इस दौरान जिले के विकास विशेषकर माइनिंग प्रभावित क्षेत्रों में जनहितकारी योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर क्रियान्वित करने के निर्देश दिए गए। तहसील कर्वी अंतर्गत भरतकुप कर्वी रोड पर शिवरामपुर चौकी के पास व तहसील राजापुर के अंतर्गत यमुनापुर के पास स्थापित चेक गेट्स व एक मिनी कमान सेंटर के संचालन के लिए वार्षिक अनुरक्षण कार्य पर चर्चा की गई। शिवरामपुर कर्वी यमुना पुल के पास राजापुर के वार्षिक अनुरक्षण व उपयोग हो रही बिजली बिल का भुगतान कार्य, डीएमएफ लेखों का ऑडिट कराकर ऑडिट रिपोर्ट तैयार करने के लिए कुल धनराशि मय जीएसटी 52,805 का भुगतान जिला खनिज फाउंडेशन न्यास निधि से कराए जाने के संबंध में निर्देश दिए गए। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक के उपकरण मांग पत्र द्वारा प्रस्तुत चिकित्सालय में अस्थि रोग सर्जरी एवं नेत्र सर्जरी रोग उपयोगार्थ उपकरण उपलब्ध कराए जाने का प्रस्ताव पर सहमति बनी। ग्राम पंचायतो के खुलेगें सिलाई केन्द्र। स्वास्थ्य और शिक्षा के सुदृढ़ीकरण पर विशेष फोकस रहेगा।

जिलाधिकारी ने जनता दर्शन के दौरान सुनी जनसमस्याएं

श्रावस्ती(आरएनएस) । जिलाधिकारी अश्विनी कुमार पाण्डेय ने प्रतिदिन की तरह शुक्रवार को भी कलेक्ट्रेट स्थित अपने कक्ष में आयोजित जनता दर्शन में फरियादियों की समस्याओं को सुना और उनकी समस्याओं को सुनकर निराकरण हेतु सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया। इस दौरान जिलाधिकारी को 7 शिकायतें प्राप्त हुई, जो विभिन्न विभागों से सम्बन्धित थी, इन शिकायतों का तत्काल निराकरण कर रिपोर्ट प्रेषित करने हेतु सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होने कहा कि जनता दर्शन में आये फरियादियों की समस्याओं को गम्भीरता से सुनकर निस्तारण किया जाए। उन्होने यह भी निर्देशित किया कि फरियादियों के शिकायत पत्रों का पंजिकाओ में अंकन किया जाए तथा शिकायतों का निस्तारण कर फरियादियों के फोन नम्बर पर जानकारी भी दी जाए, ताकि उन्हें शिकायतों के निस्तारण की जानकारी के लिए इधर–उधर भटकना न पड़े। उन्होने कहा कि जन शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नहीं की जायेगी।

आत्महत्या के लिए उकसाने वाला एक अभियुक्त गिरफ्तार

श्रावस्ती (आरएनएस)। प्रभारी निरीक्षक हरदत्तनगर गिरण्ट महिमानाथ उपाध्याय के नेतृत्व में थाना हरदत्तनगर गिरण्ट पुलिस टीम द्वारा मु0अ0सं0 28ध्2026 धारा 108 ठछै में नामजद 1 अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। वादी द्वारा थाना हरदत्तनगर गिरण्ट पर सूचना दी गयी कि उसकी पुत्री को संतान न होने के कारण उसके पति राजू सिंह व सास द्वारा लगातार अपमानित व प्रताड़ित किया जाता था। उक्त प्रताड़ना से आहत होकर महिला द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली गयी। प्राप्त तहरीर के आधार पर मु0अ0सं0 28ध्2026 धारा 108 ठछै पंजीकृत किया गया। उक्त अभियोग में नामजद अभियुक्त राजू सिंह पुत्र स्व0 करम सिंह निवासी बाढ़ियनपुरवा दा0 थाना हरदत्तनगर गिरण्ट जनपद श्रावस्ती को मुखबिर की सूचना पर ग्राम बालेपुरवा तिराहा दा0 हरदत्तनगर गिरण्ट के पास से गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय भिनगा के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

होली त्यौहार पर जिला प्रशासन की रहेगी कड़ी नजर- मजिस्ट्रेट किए गए तैनात

02 सुपर जोनल, 06 जोनल व 38 सेक्टर मजिस्ट्रेट तैनात, कंट्रोल रुम भी स्थापित।

कुशीनगर, (आरएनएस)। जनपद में होलिका दहन 02 मार्च एवं होली पर्व 04 मार्च को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं सुरक्षित वातावरण में संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने व्यापक प्रबंध किए हैं। त्यौहार के मद्देनजर विशेष सतर्कता बरतते हुए जिला मजिस्ट्रेट महेंद्र सिंह तंवर द्वारा सुपर जोनल, जोनल तथा सेक्टर मजिस्ट्रेटों की तहसील व पुलिस चौकीवार तैनाती की गई है।

जिलाधिकारी ने सम्पूर्ण तहसील क्षेत्र कसया, हाटा एवं तमकुहीराज हेतु अपर जिलाधिकारी वैभव मिश्रा को सुपर जोनल मजिस्ट्रेट नामित किया है। वहीं सम्पूर्ण तहसील क्षेत्र पडरौना, खड्डा एवं कप्तानगंज के लिए अपर जिलाधिकारी न्यायिक प्रेम कुमार राय को सुपर जोनल मजिस्ट्रेट की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसी क्रम में कसया, हाटा, तमकुहीराज, पडरौना, खड्डा एवं कप्तानगंज तहसीलों के उप जिलाधिकारियों को उनके –अपने क्षेत्र का जोनल मजिस्ट्रेट नामित किया गया है। सेक्टर मजिस्ट्रेट के रूप में 38 अधिकारियों की तैनाती की गई है। इनमें जनपद स्तरीय अधिकारी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, खंड विकास अधिकारी, खंड शिक्षा अधिकारी सहित अन्य अधिकारी शामिल है। जिन्हें पुलिस चौकीवार, कस्बा चौकीवार एवं प्रमुख चौराहों पर नामित किया गया है। इसके अतिरिक्त 02 जोनल एवं 06 सेक्टर मजिस्ट्रेट रिजर्व में भी रखे गए हैं। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए हैं कि सभी मजिस्ट्रेट अपने –अपने तैनाती क्षेत्र में लगातार भ्रमणशील रहकर यह सुनिश्चित करेंगे कि कहीं भी कानून–व्यवस्था संबंधी विवाद उत्पन्न न हो। किसी भी प्रकार की शांति व्यवस्था में बाधा आने पर तत्काल पुलिस अधीक्षक एवं उच्चाधिकारियों को अवगत कराया जाएगा। संबंधित उप जिलाधिकारी एवं थाना प्रभारी से समन्वय बनाते हुए स्थिति पर सतत निगरानी रखेंगे। वर्तमान में धारा 163 लागू है। जिसका कड़ाई से अनुपालन कराया जाएगा। 02 मार्च से 04 मार्च तक सभी मजिस्ट्रेट अपने–अपने चौकी एवं थाना क्षेत्र में तैनात रहेंगे तथा आवश्यकतानुसार संबंधित अधिकारियों को सूचित करते रहेंगे। सेक्टर मजिस्ट्रेटों को निर्देशित किया गया है कि वे चौकी इंचार्ज, थानाध्यक्ष, पुलिस क्षेत्राधिकारी, उप जिलाधिकारी, मुख्य चिकित्साधिकारी, अधिशासी अधिकारी (नगर पालिकाध्नगर पंचायत), विद्युत विभाग एवं अग्निशमन विभाग के अधिकारियों के संपर्क नंबर अपने पास अनिवार्य रूप से रखें। त्यौहार सकुशल संपन्न होने के उपरांत ही संबंधित उप जिलाधिकारी को अवगत कराकर ड्यूटी स्थल छोड़ा जाएगा। किसी भी समस्या की स्थिति में तत्काल पुलिस अधीक्षक, अपर जिलाधिकारी एवं जिलाधिकारी को सूचना देना सुनिश्चित किया जाएगा।

कलेक्ट्रेट में कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। जिसका संपर्क नंबर 05564–240590 है। सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधन सहकारिता नीरज कुमार गौड़ तथा जिला पंचायत राज अधिकारी आलोक कुमार प्रियदर्शी को कंट्रोल रूम की जिम्मेदारी सौंपी गई है। जो अपने स्टाफ सहित ड्यूटी पर तैनात रहेंगे।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सभी दिशा–निर्देश मार्ग दर्शक स्वरूप हैं। मौके पर तैनात कार्यकारी मजिस्ट्रेट एवं उप जिलाधिकारी परिस्थितियों के अनुरूप विवेक पूर्ण ढंग से नियमानुसार कार्रवाई करते हुए समस्या का निराकरण सुनिश्चित करेंगे।

एमआरपी पर डाका- सिगरेट तंबाकू के डिस्ट्रीब्यूटर सिंडिकेट का काला खेल?

---- गोदाम में माल दबा, बाजार में महंगाई एमआरपी से ऊपर बिक रही सिगरेट और तंबाकू।

---- दो से पांच रुपये की चोट, लाखों की कमाईरु एमआरपी कानून को ठेंगा?।

कुशीनगर, 27 फरवरी (आरएनएस)। जनपद के पड़रौना नगर सहित आसपास के शहरो व कस्बों में डिस्ट्रीब्यूटरो के मनबढई के वजह से खुलेआम उपभोक्ताओं की जेब पर डाका डाला जा रहा है। पांच व दस रुपये एमआरपी अंकित कमला पसंद, रजनी गंधा सहित विभिन्न कंपनियों के सिगरेट आदि को खुलेआम ब्लैक दामो में बेच रहे हैं। हैरानी की बात यह है कि कंपनी द्वारा पैकेट पर अभी भी पुरानी दरे छपी है। लेकिन ग्राहकों से दो से लगायत पांच रुपये अधिक वसूले जा रहे हैं। सवाल यह है कि जब पैकेट पर स्पष्ट एमआरपी अंकित है तो फिर अतिरिक्त रकम किस आधार पर ली जा रही है?।

पडरौना नगर सहित जिले के कसया, हाटा, रामकोला, तमकुहीरोड, सेवरही आदि शहर और कस्बों की कई दुकानों पर यह खेल धड़ल्ले से चल रहा है। बताया जाता है कि ग्राहक जब विरोध करता है तो जवाब मिलता है रेट बढ़ गया है या सप्लाई महंगी आ रही है। लेकिन जानकर बताते है कि कानून साफ कहता है कि किसी भी उत्पाद को अंकित अधिकतम खुदरा मूल्य एमआरपी से अधिक पर बेचना अवैध है। इसके बावजूद जिम्मेदार विभाग व प्रशासन के जिम्मेदार अफसर चुप्पी साधे हुए हैं। उपभोक्ता संरक्षण नियमों के तहत एमआरपी से अधिक वसूली दंडनीय अपराध है। यदि कमला पसंद, रजनी गंधा व सिगरेट की कंपनियों ने कीमत नहीं बढ़ाई और पैकेट पर पुराना दर ही अंकित है। तो दो रुपये से पांच रुपये की अतिरिक्त वसूली सीधी –सीधी उपभोक्ताओं के साथ धोखाधड़ी है। यह सिर्फ दो से पांच रुपये का मामला नहीं, बल्कि प्रतिदिन हजारों पैकेट बिकने पर बड़ी रकम का खेल बन जाता है। उपभोक्ताओं का कहना है कि छोटे–छोटे उत्पादों पर इस तरह की वसूली आम हो चुकी है। प्रशासनिक अमला यदि निष्पक्ष व सख्ती से बाजार की जांच करे तो ऐसे कई मामलों का खुलासा हो सकता है। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन तथा बाट–माप विभाग की भूमिका पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। अब देखना यह है कि जिम्मेदार अधिकारी इस खुलेआम हो रही एमआरपी लूट पर कब कार्रवाई करते हैं, या फिर दो से पांच रुपये की यह 'छोटी लूट' यूं ही बड़े खेल में बदलती रहेगी।

डिस्ट्रीब्यूटर कर रहे है लूट का खेल–– सूत्रों का दावा है कि असली खेल डिस्ट्रीब्यूटर स्तर पर रचा जा रहा है। आरोप है कि कुछ डिस्ट्रीब्यूटर अपने गोदामों में माल रोककर बैठे हैं। बाजार में सीमित सप्लाई छोड़कर कृत्रिम किल्लत पैदा की जाती है, जिससे खुदरा दुकानदारों को ऊंचे दाम पर माल उठाना पड़ता है। नतीजतन एमआरपी पांच या दस रुपये छपा उत्पाद 2 से 5 रुपये ज्यादा में बिकता है।

यह दो–चार रुपये की मामूली बढ़ोतरी नहीं, बल्कि सुनियोजित मुनाफाखोरी का मॉडल बन चुका है। रोजाना हजारों पैकेट बिकते हैं। यदि हर पैकेट पर औसतन तीन रुपये अतिरिक्त वसूले जाएं तो महीने के अंत तक यह रकम लाखों में पहुंच जाती है। सवाल है कि यह अतिरिक्त पैसा किसकी जेब में जा रहा है?।

बाजार के जानकार बताते हैं कि यह खेल नया नहीं है। कोरोना काल में भी इसी रणनीति का इस्तेमाल हुआ था। लॉकडाउन और परिवहन बाधित होने का हवाला देकर माल गोदामों में रोका गया, जब मांग बढ़ी तो ऊंचे रेट पर बाजार में उतारा गया। सूत्रों के मुताबिक उस दौरान डिस्ट्रीब्यूटरों ने लाखों रुपये का अतिरिक्त मुनाफा कमाया। अब वही पैटर्न फिर दिखाई दे रहा है।कृबस परिस्थितियों का नाम बदल गया है।

इनसेट–– क्या कहता है कानून–– एमआरपी से अधिक वसूली दंडनीय अपराध है। लीगल मेट्रोलॉजी और उपभोक्ता संरक्षण कानून के तहत जुर्माना, लाइसेंस निरस्तीकरण और आपराधिक कार्रवाई तक का प्रावधान है। यदि जानबूझकर स्टॉक रोककर कृत्रिम कमी पैदा की जा रही है तो यह जमाखोरी की श्रेणी में आ सकता है।इसके बावजूद प्रशासनिक सख्ती नदारद है। क्या कभी डिस्ट्रीब्यूटर गोदामों की औचक जांच हुई? क्या स्टॉक रजिस्टर और बिक्री बिलों का मिलान किया गया? क्या खुदरा दुकानों

लिंग परीक्षण पर अंकुश लगाने को बनेगी मुखबिर योजना -डीएम ने की समीक्षा बैठक

चित्रकूट। डीएम पुलकित गर्ग की अध्यक्षता में गर्भधारण पूर्व एवं प्रसव पूर्व निदान तकनीक अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए गठित जनपद स्तरीय सलाहकार समिति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। डीएम ने जनपद में संचालित समस्त सरकारी एवं निजी अल्ट्रासाउंड केंद्रों की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया कि केंद्रों के पंजीकरण, नवीनीकरण की अवधि और उनके संचालन की विस्तृत कार्यवृत्ति तैयार कर तत्काल प्रस्तुत करें। कड़े निर्देश दिए कि किसी भी अल्ट्रासाउंड केंद्र के कमरों में लड़का या लड़की के सांकेतिक चित्र, फोटो नहीं होने चाहिए।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, शनिवार 28 फरवरी 2026
sheelshukla100@gmail.com

राज्यपाल ने जनपद में निर्माणाधीन मां विन्ध्यवासिनी विश्वविद्यालय का भ्रमण कर कार्य प्रगति का किया निरीक्षण

मीरजापुर। राज्यपाल श्रीमती आनंदी बेन पटेल ने जनपद के मड़िहान तहसील अन्तर्गत ग्राम पंचायत देवरी में निर्माणाधीन मां विन्ध्यवासिनी राज्य विश्वविद्यालय का भ्रमण कर प्रगति कार्य व गुणवत्ता का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान राज्यपाल ने विश्वविद्यालय का भ्रमण कर एकेडमिक ब्लाक, गर्ल्स हास्टल, प्रशासनिक भवन में भ्रमण कर भूतल व प्रथम तल पर जाकर निर्माण कार्यो के प्रगति व गुणवत्ता की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों से कार्य की गुणवत्ता बनाए रखने तथा कार्य की पूर्णता के समयबद्ध ढंग से निर्माण कार्य पूर्ण कराने का निर्देश दिया। तत्पश्चात महामहिम राज्यपाल ने विश्वविद्यालय परिसर में हरसिंगार वृक्ष सहित अन्य पौधो का पौधरोपण करते हुए पर्यावरण के संरक्षण का संदेश दिया। तत्पश्चात महामहिम राज्यपाल द्वारा कामगार श्रमिकों के स्कूल में अध्ययनरत छोटे–छोटे बच्चों को स्कूल बैग व पाठ्य पुस्तक का वितरण कर उनका उत्साहवर्धन करते हुए बच्चों से बातचीत भी की। राज्यपाल द्वारा विश्वविद्यालय परिसर के सभागार में मंत्री प्राविधिक शिक्षा एवं उपभोक्ता मामले व विधायकगण सहित अधिकारियों के साथ बैठक कर कुलपति शोभा गौड़ से विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियो एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों के बारे में जानकारी ली गई। बैठक में उपस्थित लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों से निर्माण कार्य की प्रगति प्रतिशत व स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष प्राप्त धनराशि व व्यय धनराशि के बारे में विस्तृत जानकारी ली। बैठक में बताया गया कि 154.15 करोड़ स्वीकृत लागत के सापेक्ष अब तक कुल प्राप्त 138 करोड़ धनराशि के सापेक्ष 132 करोड़ व्यय करते हुए 68.80 प्रतिशत कार्य प्रगति है। बैठक में उपस्थित मा0 प्राविधिक शिक्षा एवं उपभोक्ता मामले मंत्री श्री आशीष पटेल ने जानकारी देते हुए बताया कि विन्ध्याचल मण्डल मीरजापुर के तीनो जनपदों को मिलाकर 159 महाविद्यालय विश्वविद्यालय से सम्बद्ध है जिसमें जनपद मीरजापुर के 84, जनपद सोनभद्र 54 एवं भदोही के 21 महाविद्यालय शामिल है। महामहिम राज्यपाल ने बैठक में विश्वविद्यालय के निर्माण प्रगति, शैक्षणिक सेवाएं, लाइब्रेरी, अध्यापको व अन्य स्टाफ की उपलब्धता आदि के बारे मे जानकारी लेते हुए कुलपति शोभा गौड़ को निर्देशित करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय को सुचारू ढंग से संचालित करने के दृश्टिगतदृष्टिगत सहायक अध्यापको व अन्य स्टाफ की मांग प्रस्ताव बनाकर शासन से कर ली जाए। उन्होंने छात्रों के स्वरोजगार हेतु कौशल विकास केन्द्र की स्थापना एंव इनक्यूबेशन सेन्टर स्थापित करने हेतु निर्देश दिये ।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजनान्तर्गत 261 जोड़ों का सामूहिक विवाह सम्पन्न

मीरजापुर। समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना का वृहद कार्यक्रम (मेगा इवेन्ट के रूप में) राजकीय इण्टरमीडिएट कालेज महुवरिया, में आयोजित कराया गया, जिसमें जनपद के समस्त विकास खण्ड, नगर निकाय, मीरजापुर के अनुसूचित जाति के 163, अन्य पिछड़ा वर्ग के 93 एवं अल्पसंख्यक वर्ग के 05 अर्थात कुल 261 जोड़ों का सामूहिक विवाह सकुशल सम्पन्न कराया गया। इस अवसर पर विधायक नगर, विधायक छानबे, अध्यक्ष जिला पंचायत, अध्यक्ष नगर पालिका, जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी, परियोजना निदेशक, ने सामूहिक विवाह कार्यक्रम में सम्मिलित होने वाले सभी नव–वैवाहिक जोड़ों को उनके सुखद एवं सुखमय जीवन की कामना की, साथ ही प्रत्येक वर–वूध को उपहार हेतु दी जाने वाली सामाग्री एवं प्रमाण–पत्र वितरित किया। उन्होंने ने अपने सम्बोधन में कहा कि उत्तर प्रदेष सरकार आर्थिक रूप से गरीब परिवारों के उत्थान एवं विकास हेतु प्रतिबद्ध है एवं सरकार द्वारा आर्थिक रूप से गरीब परिवारों, बेसहरा व्यक्तियों के बहुत सी कल्याणकारी योजनायें चलायी जा रही है, जिसमें मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना मील का पत्थर साबित हो रही है। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजनान्तर्गत ऐसे माता–पिता जो आर्थिक रूप से अपनी पुत्री की शादी करने में सक्षम नहीं है, वह सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना का लाभ प्राप्त कर अपनी पुत्रियों की शादी करा पा रहे है। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजनान्तर्गत प्रति जोड़ों की शादी में कुल धनराशि रू100000 के सापेक्ष कन्या के दाम्पत्य जीवन में खुशहाली एवं गृहस्थी की स्थापना हेतु सहायता राशि रू 60000 कन्या के बैंक खाते में अन्तरित की जायेगी। साथ ही विवाह संस्कार के लिये रू 25000 की धनराशि का आवश्यक सामग्री (कपड़े बिछिया, पायल (चॉदी की) तथा अन्य गृहस्थी सामान) दिया गया।

जिला सैनिक बंधु समिति की बैठक संपन्न

अयोध्या। अपर जिलाधिकारी (नगर) योगानंद पांडेय की अध्यक्षता में जिला सैनिक बंधु समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। बैठक में पूर्व सैनिकों, वीर नारियों एवं उनके आश्रितों के कल्याण, पुनर्वास तथा विभिन्न लंबित प्रकरणों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में जनपद के अमर शहीद देवेश सिंह को भावभीनी श्रद्धांजलि दी गयीं। बैठक के दौरान सैनिकों से संबंधित पेंशन प्रकरण, चिकित्सा सुविधा, रोजगार, भूमि आवंटन, पारिवारिक पेंशन, आश्रितों की नियुक्ति एवं अन्य समस्याओं की समीक्षा की गई। अपर जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि पूर्व सैनिकों एवं उनके आश्रितों के प्रकरणों का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित किया जाए तथा अनावश्यक विलंब न हो।

यूजीसी एक्ट-2026 लागू करने की मांग तेज

अयोध्या। उच्च शिक्षण संस्थानों में समानता, सुरक्षा और जवाबदेही सुनिश्चित करने की मांग को लेकर अपनी जनता पार्टी की उत्तर प्रदेश इकाई ने राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन जिला प्रशासन को सौंपा। पार्टी पदाधिकारियों नेविश्वविद्यालय अनुदान आयोग के तहत प्रस्तावित यूजीसी एक्ट 2026 को प्रभावी रूप से लागू करने की मांग करते हुए कहा कि इससे संस्थानों में भेदभाव, हिंसा और उत्पीड़न की घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सकेगा। प्रदेश महासचिव उदय कुमार गौतम ने बताया कि ज्ञापन में सरकारी व विभिन्न संस्थागत रिपोर्टों का हवाला देते हुए उच्च शिक्षण संस्थानों में छात्रों की आत्महत्या की बढ़ती घटनाओं पर चिंता जताई गई है।

आजाद भारत में गुलामी प्रथा नहीं चलेगी महिला शिक्षक संघ

मीरजापुर। टीईटी की अनिवार्यता को लेकर शिक्षकों में ऊबाल आ गया है। विरोध में आक्रोशित शिक्षकों ने नगर में जुलूस निकालकर विरोध प्रदर्शन करते हुए जिलाधिकारी कार्यालय के समक्ष सभा प्रदर्शन किया। इस दौरान जिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री एवं केंद्रीय शिक्षा मंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा गया। इसमें शिक्षक पात्रता परीक्षा टीईटी की अनिवार्यता संबंधी सुप्रीम कोर्ट के हालिया फैसले तथा राइट टू एजुकेशन (आरटीई) अधिनियम, 2009 की धारा 23 में 2017 के संशोधन द्वारा थोपी गई व्यवस्था के विरुद्ध कड़ी आपत्ति जताई गई। वक्ताओं ने कहा यह फैसला आरटीई लागू होने से पूर्व नियुक्त शिक्षकों पर टीईटी अनिवार्य करने के विरुद्ध है, जो संवैधानिक सिद्धांतों एवं पूर्वव्यापी प्रभाव के सामान्य नियमों के प्रतिकूल है। कोई भी कानून और नियम परिवर्तन सामान्यतः भविष्य की तिथियां से लागू नहीं किए जाते हैं। इससे उत्तर प्रदेश में लगभग 2 लाख तथा देशभर में 20 लाख से अधिक शिक्षकों का भविष्य संकटग्रस्त हो गया है। निरंतर मानसिक दबाव से उनकी स्वास्थ्य स्थिति बिगड़ रही है तथा समाज में नकारात्मक भावना व्याप्त हो रही है। इस अवसर पर जिला कार्यकारिणी, ब्लॉक स्तर के पदाधिकारी तथा सैकड़ों की संख्या में महिला शिक्षक उपस्थित रहे। इस दौरान उत्तर प्रदेश महिला शिक्षक संघ की ओर से सुष्मिता जायसवाल, जिलाध्यक्ष, नमिता सिंह, जिला महा मंत्री, कनक प्रभा सिंह, जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष, गुंजन सिंह जिला कोषाध्यक्ष, मंजुला देवी जिला मीडिया प्रभारी, पूनम सिंह– जिला उपाध्यक्ष, प्रियंका सिंह, ब्लॉक अध्यक्ष नरायणपुर,अरुणा सिंह, ब्लॉक अध्यक्ष राजगढ़, शीला शुक्ला ब्लॉक अध्यक्ष नगर, जूली ब्लॉक अध्यक्ष छानबे, कीर्ति ब्लॉक अध्यक्ष पहाड़ी, बीना जायसवाल, ब्लॉक अध्यक्ष मडिहान, पुष्पा मौर्या ब्लॉक अध्यक्ष सीखड, विभा सिंह ब्लॉक अध्यक्ष जमालपुर इत्यादि सहित सैकड़ों की संख्या में महिला शिक्षकों ने भी आंदोलन में हुंकार भरी।

माझा बरहटा में पुराने आवास गिराये जाने का विरोध

अयोध्या। रामनगरी अयोध्या के माझा बरहटा बड़ी मुजहानियां में पुराने आवास को गिराए जाने के विरोध में वार्डवासियों के साथ भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक के जिला अध्यक्ष अरविंद यादव व पार्षद कृष्णा गोपाल यादव ने प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर विरोध जताया है। अयोध्या धाम के वार्ड रामचंद्र दास परमहंस वार्ड, माझा बरहटा बड़ी मुजहानियां में निवासी देशराज यादव पुत्र महादेव यादव के कई वर्षों पुराने आवास को उत्तर प्रदेश आवास विकास परिषद (खंड–1) द्वारा गिराए जाने की कार्यवाही के विरोध में गुरूवार को वार्ड के समस्त नागरिकों ने एकत्र होकर विरोध दर्ज कराया। वार्डवासियों का कहना है कि उक्त आवास लंबे समय से आबाद है और परिवार वहीं निवासरत है। परिषद की घोषित योजना एवं सार्वजनिक आश्वासन के अनुसार योजना लागू होने से पूर्व निर्मित पुराने मकानों एवं धार्मिक स्थलों व विशेष रूप से भगवान तथागत गौतम बुद्ध से संबंधित विहारध्स्थलों को बिना वैकल्पिक व्यवस्था के न हटाने की बात कही गई थी। इसके बावजूद बिना किसी समुचित पुनर्वास अथवा विस्थापन योजना के मकान गिराने की कार्रवाई की जा रही है, जिसे वार्डवासियों ने अन्यायपूर्ण एवं अमानवीय बताया। वार्डवासियों ने बताया कि अब तक प्रभावित परिवार को न तो कोई लिखित पुनर्वास प्रस्ताव दिया गया है और न ही वैकल्पिक आवास या मुआवजे की स्पष्ट योजना प्रस्तुत की गई है। इससे परिवार के सामने बेघर होने की स्थिति उत्पन्न हो गई है। पार्षद कृष्ण गोपाल यादव के नेतृत्व में ग्रामीणों ने आवास विकास परिषद के अधिकारी अजीत मौर्य को ज्ञापन सौंपकर विभिन्न मांगे रखी गयी है। ज्ञापन में कहा गया है कि देशराज यादव के आवास को गिराने की कार्यवाही तत्काल प्रभाव से रोकी जाए। विधिवत विस्थापनध्पुनर्वास योजना तैयार कर प्रभावित परिवार को वैकल्पिक आवास या समुचित मुआवजा प्रदान किया जाए। योजना के प्रारंभ से पूर्व निर्मित सभी पुराने मकानों एवं धार्मिक स्थलों को सुरक्षित रखा जाए। प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर नियमों की अनदेखी पाए जाने पर जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्यवाही की जाए।

हाइवे बाइक भिड़ंत में युवक की दर्दनाक मौत, 100 मीटर तक घसीटता गया युवक

हलिया, मीरजापुर। स्थानीय थाना क्षेत्र के अडंगानगर भटवारी गांव स्थित पहड़ी मोड़ पर गुरुवार को हाइवा और बाइक की सीधी टक्कर में बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई। टक्कर के बाद युवक हाइवा में फंस गया और करीब 100 मीटर तक सड़क पर घिसटता चला गया, जिससे उसकी दर्दनाक मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष राजीव कुमार श्रीवास्तव पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और परिजनों को जानकारी देते हुए आगे की कार्रवाई में जुट गए। जानकारी के अनुसार मतवरिया गांव निवासी 38 वर्षीय इंद्रमणि धरकार हलिया बाजार से ट्रैक्टर के अगले पहिए का हब लेकर घर लौट रहे थे। इसी बीच मध्य प्रदेश के इमलिया से मड़िहान की ओर जा रहा हाइवा जैसे ही भटवारी के पहाड़ी मोड़ पर पहुंचा, सामने से आ रही बाइक से जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में इंद्रमणि हाइवा में फंसकर काफी दूर तक घसीटते रहे। टक्कर के प्रभाव से उनका शव बुरी तरह क्षत विक्षत हो गया तथा बाइक भी पूरी तरह टूटकर क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव की पहचान कराई, जिसमें मृतक की पहचान इंद्र मणि पुत्र नन्हकू निवासी मतवरिया के रूप में हुई। घटना की सूचना पर पत्नी समेत परिजन मौके पर पहुंच गए। पत्नी का रो रोकर बुरा हाल था। मृतक अपने पीछे चार बेटियां और एक बेटा छोड़ गया है।पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और हाइवा को थाने में खड़ा कर जांच शुरू कर दी है। थानाध्यक्ष ने बताया कि प्रथम दृष्टया यह सड़क दुर्घटना का मामला है। शव को पीएम के लिए भेजा गया है तथा विधिक कार्रवाई की जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि उक्त पहाड़ी मोड़ बेहद खतरनाक है। पूर्व में भी यहां गैस सिलेंडर वाहन की चपेट में आने से दो बाइक सवारों की जान जा चुकी है। लगातार हो रही दुर्घटनाओं को देखते हुए लोगों ने मोड़ की चौड़ाई बढ़ाने और चेतावनी बोर्ड लगाने की मांग की है।

टेट अनिवार्यता के विरोध शिक्षकों ने बीएसए कार्यालय पर दिया धरना

अयोध्या। टीचर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ,उ प्र जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ एवं उ प्र महिला शिक्षक संघ ने जिला बेसिक शिक्षाधिकारी कार्यालय परिसर में धरना दिया। "टेट का काला कानून वापस लो","शिक्षक एकता जिंदाबाद" का नारा लगाते हुए शिक्षकों का हुजूम एकत्र हुआ जहां धरना सभा में तब्दील हो गया। बड़ी संख्या महिला शिक्षकों की भागीदारी देखी गई। सभा की अध्यक्षता प्रांतीय ऑडिटर और जिलाध्यक्ष नीलमणि त्रिपाठी तथा संचालन संचालन जिला उपाध्यक्ष ओम प्रकाश यादव ने किया। सभा के पश्चात जिलाधिकारी कार्यालय की ओर शिक्षकों ने मार्च किया। सिटी मजिस्ट्रेट ने जिलाधिकारी के प्रतिनिधि के रुप में प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा गया। प्रांतीय ऑडिटर एवं जिलाध्यक्ष नीलमणि त्रिपाठी ने अपने संबोधन में कहा कि आरटीई अधिनियम लागू होने से पहले नियुक्त शिक्षकों को शिक्षक पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण करने निर्णय अव्यवहारिक है। भारत सरकार टेट की अनिवार्यता को समाप्त करने हेतु प्रभावी कदम उठाया जाना चाहिए। जिला मंत्री चक्रवर्ती सिंह ने कहा खेल शुरू होने के बाद नियम नहीं बदला जाता, सेवारत शिक्षक वांछित सभी सेवा सेवा शर्तों को पूरा नियुक्ति पाया है। लम्बे अरसे से शिक्षण कार्य के अनुभव को नकार कर टेट की परीक्षा की विवशता अपमानजनक है,इसे समाप्त किया जाना चाहिए।जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष अरुण कुमार तिवारी ने कहा कि प्राशिसं के उच्चतम न्यायालय के टेट अनिवार्यता के फैसले से लाखों शिक्षकों का भविष्य अंधकारमय हो रहा। जनकल्याणकारी सरकार को शिक्षकों के कल्याण हेतु यह काला कानून वापस लिया जाना चाहिए। महिला शिक्षक संघ की जिलाध्यक्ष मनोरमा साहू सेवारत शिक्षकों हेतु टेट अनिवार्यता को अमानवीय बताते हुए इसकी बाध्यता समाप्त किए जाने की मांग दोहराई। सभा को वीरेंद्र भारती,चंद्रप्रकाश यादव,नीलम मंध्यान, गोपाल श्रीवास्तव, चन्दा वर्मा,सुषमा गुप्ता, हेमंत शुक्ला ने भी संबोधित किया। सभा में धर्मेंद्र सिंह,अनुज सिंह, सत्येंद्र गुप्ता, महेंद्र यादव, सिकंदर सिंह, अनिल सिंह, संतोष यादव, मुकेश प्रताप सिंह,अजय सिंह, अविनाश पांडे,मो. आरिफ,मो तारिक,रजनीरंजन जायसवाल, अर्चना गोस्वामी,संजय सिंह, सत्येंद्र पाल सिंह,समीर सिंह, उद्धव श्याम तिवारी, भगवती यादव, रवींद्र वर्मा, प्रवेश कुमार, रवींद्र गौतम, बरसाती राही, हरिकिशन निषाद, नरेंद्र सिंह,किरन वर्मा, सतीश गुप्ता, अनिल प्रताप सिंह,संचराज वर्मा, यमुना लाल यादव, आलोक यादव,अंजू यादव,रेनू सिंह,किरन लता मिश्रा, रामजी गुप्ता,सरवरे आलम,मांडवी सिंह, मेहंदी खां, अशोक कुमार, सुग्रीव यादव, कृष्ण कुमार यादव आदि मौजूद रहे।

मकान पर कब्जे का आरोप, पीड़िता ने लगाई न्याय की गुहार

मीरजापुर। कोतवाली शहर थाना क्षेत्र की परमापुर मोहल्ला निवासिनी नीतू पुत्री मूरत ने अपने भाई भाभी पर मकान कब्जा करने आरोप लगाया है। उन्होंने बताया कि भाई गुलाब और उनकी पत्नी जीरा देवी द्वारा मेरे बैनामा कराए गए भूमि पर स्थित मकान को जबरन कब्जा कर लिया है विपक्षियों द्वारा घर में रखा सामान फेककर मकान पर जबरन कब्जा कर लिया है, उन्होंने बताया कि सदर तहसील क्षेत्र में आराजी संख्या 114 की जमीन का विधिवत बैनामा कराकर खतौनी में अपना नाम दर्ज कराया है उक्त जमीन पर बने पुराने मकान में वह निवास कर जीवनयापन कर रही थी कि विपक्षी भाई भाभी ने गाली–गलौज करते हुए मारपीट की और उन्हें घर से जबरन बाहर निकाल दिया। साथ ही घरेलू सामान भी बाहर फेंक दिया गया। पीड़िता का कहना है कि आरोपित उन्हें मकान में वापस नहीं जाने दे रहे हैं मकान को कब्जा कर जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। जिसकी शिकायत पुलिस व एसडीएम सदर से भी की गई एसडीएम ने राजस्व टीम व शहर कोतवाली पुलिस को जांच कर आख्या प्रस्तुत करने को कहा लेकिन कोई ठोस कार्यवाही नही हुई पीड़िता न्याय गुहार लगाते हुए दर दर भटकने को मजबूर हैं।

कौशल ही रोजगार की नई दिशा - डा. बिजेंद्र सिंह

-अवध विवि के आईटी परिसर में रोजगार मेले का हुआ आयोजन

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय एवं क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय के संयुक्त तत्वावधान में में बृहद रोजगार मेले का आयोजन आईईटी परिसर में आयोजित किया गया। इस मेले में देश की प्रतिष्ठित 41 से अधिक कंपनियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह रहे। मुख्य उद्बोधन में कुलपति ने कहा कि अपने लक्ष्य को केवल 'इच्छा' न रहने दें, उसे 'दृढ़ संकल्प' में बदलें। सफलता रातों–रात नहीं मिलती। यह छोटे–छोटे उन प्रयासों का परिणाम है, जो दुनिया को दिखाई नहीं देते। जीवन में चुनौतियों कार्ड डटकर मुकाबला करें। बिना संघर्ष के हीरा भी नहीं चमकता। बाधाएं आपके मार्ग को रोकने के लिए नहीं, बल्कि आपकी क्षमता को परखने के लिए आती हैं। कौशल ही रोजगार की नई दिशा है। आज के प्रतिस्पर्धी युग में केवल शैक्षणिक प्रमाण–पत्र पर्याप्त नहीं हैं। रोजगार प्राप्त करने के लिए आपको 'डिग्री' के साथ–साथ स्किल (कौशल) पर ध्यान देना होगा। आज की इस तकनीकी युग में स्वयं को अपग्रेड रखें। तकनीक और उद्योग की मांगें तेजी से बदल रही हैं। खुद को 'लाइफलॉन्ग लर्नर' (आजीवन सीखने वाला) बनाएं। कुलपति ने कहा कि अनुशासित होकर कार्य करें और अनुशासन को ही अपना सारथी बनाएं। अपनी ऊर्जा को सही दिशा में प्रवाहित करें। मेरा विश्वास है कि यदि आप स्वयं पर भरोसा रखेंगे, तो दुनिया की कोई भी शक्ति आपको अपने लक्ष्य तक पहुँचने से नहीं रोक सकती। सहायक निदेशक सेवायोजन देवव्रत कुमार ने कहा कि केंद्रीय एवं राज्य सरकार के निरंतर प्रयासों से सभी जनपदों में रोजगार मेले का आयोजन कर युवाओं को रोजगार प्रदान करने का अवसर प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र में सिर्फ तीन प्रतिशत ही रोजगार विद्यमान है और निजी क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं हैं इस क्षेत्र में स्किल को ज्यादा महत्व दिया जा रहा है। सभी अपनी योग्यता के अनुसार कंपनियों में साक्षात्कार दिन और रोजगार प्राप्त करें। कार्यक्रम का संचालन श्रजनिका मिश्रा ने किया धन्यवाद ज्ञापन वाणिज्य संकायाध्यक्ष प्रो. शैलेंद्र कुमार वर्मा ने किया। उन्होंने कहा कि सकारात्मक दृष्टिकोण सफलता की ओर ले जाता है तैयारी और अवसर दोनों सफल बनाता है। बृहद रोजगार मेले में 41 से अधिक प्रतिशत कंपनियों ने रोजगार मेले में हिस्सा लिया है इनमें प्रमुख रूप से एलएनटी, सैमसंग, वर्धमान, मेपल, एचसीजी ग्लोबल, ब्रिटानिया, एसबीआई लाइफ, एचडीएफसी बैंक, बंधन बैंक, करियर विजार्ड जैसी प्रमुख कंपनियों में रोजगार पाने के लिए कल 4479 प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया था जिनमें 3053 छात्रों को चयनित किया गया। मंडल स्तर में बड़ी संख्या के छात्रों का चयन हुआ है। इस अवसर पर सेवा आयोजन विभाग से जिला सेवायोजन अधिकारी धर्मेंद्र कुमार, अपर सांख्यिकी अधिकारी सुनील कुमार, डॉ. अंशुमान पाठक, डॉ मनीष कुमार सिंह, डॉ. महेंद्र पाल डॉ

राज्यपाल ने जनपद में निर्माणाधीन मां विन्ध्यवासिनी विश्वविद्यालय का भ्रमण कर कार्य प्रगति का किया निरीक्षण

मीरजापुर। राज्यपाल श्रीमती आनंदी बेन पटेल ने जनपद के मड़िहान तहसील अन्तर्गत ग्राम पंचायत देवरी में निर्माणाधीन मां विन्ध्यवासिनी राज्य विश्वविद्यालय का भ्रमण कर प्रगति कार्य व गुणवत्ता का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान राज्यपाल ने

विश्वविद्यालय का भ्रमण कर एकेडमिक ब्लाक, गर्ल्स हास्टल, प्रशासनिक भवन में भ्रमण कर भूतल व प्रथम तल पर जाकर निर्माण कार्यो के प्रगति व गुणवत्ता की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों से कार्य की गुणवत्ता बनाए रखने तथा कार्य की पूर्णता के समयबद्ध ढंग से निर्माण कार्य पूर्ण कराने का निर्देश दिया। तत्पश्चात महामहिम राज्यपाल ने विश्वविद्यालय परिसर में हरसिंगार वृक्ष सहित अन्य पौधो का पौधरोपण करते हुए पर्यावरण के संरक्षण का संदेश दिया। तत्पश्चात महामहिम राज्यपाल द्वारा कामगार श्रमिकों के स्कूल में अध्ययनरत छोटे–छोटे बच्चों को स्कूल बैग व पाठ्य पुस्तक का वितरण कर उनका उत्साहवर्धन करते हुए बच्चों से बातचीत भी की। राज्यपाल द्वारा विश्वविद्यालय परिसर के सभागार में मंत्री प्राविधिक शिक्षा एवं उपभोक्ता मामले व विधायकगण सहित अधिकारियों के साथ बैठक कर कुलपति शोभा गौड़ से विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियो एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों के बारे में जानकारी ली गई। बैठक में उपस्थित लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों से निर्माण कार्य की प्रगति प्रतिशत व स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष प्राप्त धनराशि व व्यय धनराशि के बारे में विस्तृत जानकारी ली। बैठक में बताया गया कि 154.15 करोड़ स्वीकृत लागत के सापेक्ष अब तक कुल प्राप्त 138 करोड़ धनराशि के सापेक्ष 132 करोड़ व्यय करते हुए 68.80 प्रतिशत कार्य प्रगति है। बैठक में उपस्थित मा0 प्राविधिक शिक्षा एवं उपभोक्ता मामले मंत्री श्री आशीष पटेल ने जानकारी देते हुए बताया कि विन्ध्याचल मण्डल मीरजापुर के तीनो जनपदों को मिलाकर 159 महाविद्यालय विश्वविद्यालय से सम्बद्ध है जिसमें जनपद मीरजापुर के 84, जनपद सोनभद्र 54 एवं भदोही के 21 महाविद्यालय शामिल है। महामहिम राज्यपाल ने बैठक में विश्वविद्यालय के निर्माण प्रगति, शैक्षणिक सेवाएं, लाइब्रेरी, अध्यापको व अन्य स्टाफ की उपलब्धता आदि के बारे मे जानकारी लेते हुए कुलपति शोभा गौड़ को निर्देशित करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय को सुचारू ढंग से संचालित करने के दृश्टिगतदृष्टिगत सहायक अध्यापको व अन्य स्टाफ की मांग प्रस्ताव बनाकर शासन से कर ली जाए। उन्होंने छात्रों के स्वरोजगार हेतु कौशल विकास केन्द्र की स्थापना एंव इनक्यूबेशन सेन्टर स्थापित करने हेतु निर्देश दिये । जिससे स्टार्टअप के माध्यम से छात्र–छात्राओं को आत्म निर्भर बनाया जा सकें। कुलपति शोभा गौड़ ने छात्र–छात्राओं के लाने ले जाने हेतु बस की मांग पर मंत्री प्राविधिक शिक्षा एवं उपभोक्ता मामले ने कहा कि बस के लिए एक प्रस्ताव दिया जाए उनके द्वारा एक बस तत्काल उपलब्ध कराया जाएगा।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजनान्तर्गत 261 जोड़ों का सामूहिक विवाह सम्पन्न

मीरजापुर। समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना का वृहद कार्यक्रम (मेगा इवेन्ट के रूप में) राजकीय इण्टरमीडिएट कालेज महुवरिया, में आयोजित कराया गया, जिसमें जनपद के समस्त विकास खण्ड, नगर निकाय, मीरजापुर के अनुसूचित जाति के 163, अन्य पिछड़ा वर्ग के 93 एवं अल्पसंख्यक वर्ग के 05 अर्थात कुल 261 जोड़ों का

सामूहिक विवाह सकुशल सम्पन्न कराया गया। इस अवसर पर विधायक नगर, विधायक छानबे, अध्यक्ष जिला पंचायत, अध्यक्ष नगर पालिका, जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी, परियोजना निदेशक, ने सामूहिक विवाह कार्यक्रम में सम्मिलित होने वाले सभी नव–वैवाहिक जोड़ों को उनके सुखद एवं सुखमय जीवन की कामना की, साथ ही प्रत्येक वर–वूध को उपहार हेतु दी जाने वाली सामाग्री एवं प्रमाण–पत्र वितरित किया। उन्होंने ने अपने सम्बोधन में कहा कि उत्तर प्रदेष सरकार आर्थिक रूप से गरीब परिवारों के उत्थान एवं विकास हेतु प्रतिबद्ध है एवं सरकार द्वारा आर्थिक रूप से गरीब परिवारों, बेसहरा व्यक्तियों के बहुत सी कल्याणकारी योजनायें चलायी जा रही है, जिसमें मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना मील का पत्थर साबित हो रही है। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजनान्तर्गत ऐसे माता–पिता जो आर्थिक रूप से अपनी पुत्री की शादी करने में सक्षम नहीं है, वह सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना का लाभ प्राप्त कर अपनी पुत्रियों की शादी करा पा रहे है। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजनान्तर्गत प्रति जोड़ों की शादी में कुल धनराशि रू100000 के सापेक्ष कन्या के दाम्पत्य जीवन में खुशहाली एवं गृहस्थी की स्थापना हेतु सहायता राशि रू 60000 कन्या के बैंक खाते में अन्तरित की जायेगी।

अभिषेक का रक्षात्मक खेल देखकर हैरान हूँ, सुनील गावस्कर ने की युवा बल्लेबाज की प्रशंसा

जिम्बाब्वे के खिलाफ 55 रन की इस पारी से उन्होंने अपने आलोचकों को चुप करा दिया।'' उन्होंने कहा, ''अभिषेक ने अपना स्वाभाविक खेल खेलने से पहले कुछ समय लिया। उनकी बल्लेबाजी में एक तरीका था। उन्होंने ऑफ स्पिनर का सम्मान किया, किसी भी तरह का जोखिम नहीं लिया तथा शांत और संयमित तरीके से खेले।''भारतीय क्रिकेट के दिग्गज सुनील गावस्कर ने टी20 विश्व कप में अभिषेक शर्मा की वापसी की सराहना की है, लेकिन उनके बल्लेबाजी के नए अंदाज ने पूर्व कप्तान को अचंभे में डाल दिया है। जिम्बाब्वे के खिलाफ महत्वपूर्ण मैच में अभिषेक की 55 रनों की पारी ने न केवल भारत को जीत दिलाई, बल्कि आलोचकों को भी करारा जवाब दिया है। अभिषेक इस टूर्नामेंट के दौरान अस्वस्थ भी रहे और तीन मैच में वह खाता भी नहीं खोल पाए। उन्होंने हालांकि जिम्बाब्वे के खिलाफ भारत की 72 रन की जीत में 30 गेंदों में 55 रन बनाकर फॉर्म में वापसी का संकेत दिया। गावस्कर ने जियोस्टार सेकहा, ''हम जानते हैं कि अभिषेक शर्मा कितने अच्छे बल्लेबाज।जिम्बाब्वे के खिलाफ 55 रन की इस पारी से उन्होंने अपने आलोचकों को चुप करा दिया।'' उन्होंने कहा, ''अभिषेक ने अपना स्वाभाविक खेल खेलने से पहले कुछ समय लिया। उनकी बल्लेबाजी में एक तरीका था। उन्होंने ऑफ स्पिनर का सम्मान किया, किसी भी तरह का जोखिम नहीं लिया तथा शांत और संयमित तरीके से खेले।'' गावस्कर ने कहा, ''इस मैच में उन्होंने वास्तव में रक्षात्मक शॉट खेले। उन्होंने कुछ गेंद को रोका भी। मुझे यह देखकर हैरानी हुई क्योंकि हम आमतौर पर अभिषेक को ऐसा करते नहीं देखते हैं।''इस दिग्गज बल्लेबाज ने कहा कि अभिषेक के लिए यह एक सीखने का दौर है। गावस्कर ने कहा, ''मुझे सच में लगता है कि यह उसके लिए सीखने का एक अच्छा मौका है। हर क्रिकेटर लगातार दो मैचों में रन न बना पाने के दौर से गुजरता है। बात सिर्फ इतनी है कि आप इससे कितना सीखते हैं। मुझे लगता है कि अभिषेक ने बहुत कुछ सीखा है और यह उसके लिए कोलकाता में वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाले महत्वपूर्ण मुकाबले में

अच्छा साबित होगा।'' गावस्कर ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ करारी हार के बाद भारतीय टीम ने जल्द ही सबक लिया तथा दाएं और बाएं हाथ के बल्लेबाजी संयोजन को सुनिश्चित करने के लिए संजू सैमसन को शीर्ष क्रम में वापस लेकर आया। उन्होंने कहा, ''कहते हैं कि जब तक कोई चीज खराब ना हो तो उसे ठीक करने की क्या जरूरत है। लेकिन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत बुरी तरह हार गया था। इससे उन्हें एहसास हुआ कि उन्हें शीर्ष क्रम में दाएं–बाएं हाथ के बल्लेबाजों के संयोजन की जरूरत है। पिछले मैच से सबक लेना बहुत महत्वपूर्ण था।''गावस्कर ने कहा कि रविवार को कोलकाता में होने वाले एक तरह के नॉकआउट मुकाबले में भारत को वेस्टइंडीज की आक्रामक बल्लेबाजी से सावधान रहना होगा। उन्होंने कहा, ''वेस्टइंडीज अलग तरह की चुनौती है। उन्हें हल्के में नहीं लिया जा सकता। उनके बल्लेबाज शानदार फॉर्म में हैं।

जिम्बाब्वे के खिलाफ करो या मरो मैच के बाद सहवाग नें की प्रशंसा

अभिषेक शर्मा के लगातार निराशाजनक प्रदर्शन के बाद जिम्बाब्वे के खिलाफ उनकी जगह पर सवाल उठ रहे हैं, जिसमें वीरेंद्र सहवाग ने संजू सैमसन को मौका देने की सलाह दी है। यह मैच भारत के लिए न केवल जीत, बल्कि नेट रन रेट सुधारने और सुपर 8 की उम्मीदें जीवित रखने के लिए भी निर्णायक होगा। चेन्नई में होने वाले अहम मुकाबले से पहले टीम इंडिया की प्लेइंग इलेवन को लेकर चर्चा तेज हो गई है। पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने बड़ा बयान देते हुए कहा है कि अगर वह टीम मैनेजमेंट में होते तो मौजूदा फॉर्म को देखते हुए अभिषेक शर्मा को आराम देते और उनकी जगह संजू सैमसन को मौका देते। बता दें कि भारत का मुकाबला जिम्बाब्वे से करो या मरो की स्थिति में है। सुपर 8 की दौड़ में बने रहने के लिए यह मैच बेहद अहम माना जा रहा है। मौजूद जानकारी के अनुसार दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 76 रन की करारी हार के बाद भारत का नेट रन रेट –3.8 तक गिर गया है, जिससे आगे की राह मुश्किल हो गई है। अभिषेक शर्मा का प्रदर्शन इस टूर्नामेंट में निराशाजनक रहा है। ग्रुप चरण में उन्होंने लगातार तीन बार शून्य पर आउट होकर निराश किया। हालांकि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उन्होंने 12 गेंदों में 15 रन बनाए, लेकिन टीम को बड़ी हार से नहीं बचा सके। गौरतलब है कि टूर्नामेंट से पहले वह शानदार फॉर्म में थे, लेकिन यहां चार मैचों में सिर्फ 15 रन बना सके हैं।सहवाग ने साफ कहा कि इतने महत्वपूर्ण मैच में फॉर्म के आधार पर सर्वश्रेष्ठ एकादश उतारनी चाहिए। उनका मानना है कि ऐसे मुकाबले में जोखिम लेने

की गुंजाइश कम होती है और अनुभवी विकल्पों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।दूसरी ओर बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने अभिषेक का बचाव किया। उन्होंने प्री–मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि अभिषेक की तबीयत थोड़ी खराब रही, जिससे लय प्रभावित हुई। उनके मुताबिक पिछले मैच में वह बेहतर नजर आए और टीम प्रबंधन का काम खिलाड़ी का आत्मविश्वास बनाए रखना है।गौरतलब है कि टी20 क्रिकेट में एक पारी मैच का रुख बदल सकती है, लेकिन मौजूदा हालात में टीम प्रबंधन पर दबाव साफ दिखाई दे रहा है। वेस्टइंडीज अगर दक्षिण अफ्रीका को हरा देता है तो स्थिति और जटिल हो सकती है, जिससे सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली टीम पर अतिरिक्त दबाव पड़ेगा।

ओस की बड़ी चुनौती, ड क्योर केमिकल से कैसे बदलेगी मैच की रणनीति?

चेन्नई में भारत और जिम्बाब्वे के बीच होने वाला सुपर एट्स का मुकाबला टीम इंडिया के लिए नॉकआउट जैसा है, जहां हार से सेमीफाइनल की राह खत्म हो सकती है। इस अहम मैच में ओस के प्रभाव को कम करने के लिए एमए चिदंबरम स्टेडियम में ड क्योर केमिकल का छिड़काव किया गया है ताकि खेल पर बाहरी कारकों का असर न पड़े।चेन्नई का चेपॉक स्टेडियम एक बार फिर बड़े मुकाबले का गवाह बनने जा रहा है। भारतीय टीम गुरुवार को टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सुपर एट्स चरण में जिम्बाब्वे से भिड़ेगा। यह मुकाबला भारत के लिए करो या मरो जैसा है, क्योंकि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 76 रन की भारी हार के बाद टीम की सेमीफाइनल उम्मीदें कमजोर पड़ गई हैं।मौजूद जानकारी के अनुसार सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली टीम को न सिर्फ जिम्बाब्वे बल्कि वेस्टइंडीज के खिलाफ भी जीत दर्ज करनी होगी और साथ ही अन्य परिणामों पर भी नजर रखनी होगी। ऐसे में अब किसी भी तरह की चूक की गुंजाइश नहीं बची है।गौरतलब है कि मुकाबला रात में खेला जाएगा और चेपॉक में इस समय दूसरी पारी के दौरान ओस बड़ा फैक्टर बनती है। मौसम विभाग के अनुसार मैच के दौरान ड्यू 80 से 90 प्रतिशत के बीच रह सकती है, जिससे दूसरी पारी में गेंद गीली और आउटफील्ड तेज हो सकता है।इसी चुनौती से निपटने के लिए एमए चिदंबरम स्टेडियम में इस बार एक नया कदम उठाया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक 'ड्यू क्योर' नामक एक विशेष केमिकल का छिड़काव किया गया है, जिसे अमेरिका से मंगाया गया है। मंगलवार और बुधवार को मैदान पर इसका प्रयोग किया गया और गुरुवार दोपहर में भी इसे दोहराने की योजना है, ताकि रात में ओस का असर कम किया जा सके। परंपरागत रूप से चेपॉक की पिच स्पिनरों के लिए मददगार मानी जाती है। यहां गेंद रुककर आती है और बल्लेबाजों को धैर्य दिखाना पड़ता है। लेकिन जब ओस पड़ती है तो गेंद फिसलने लगती है, जिससे स्पिनरों की पकड़ कमजोर हो जाती है और बल्लेबाजी आसान हो सकती है। ऐसे हालात में टॉस की भूमिका बेहद अहम हो जाती है और कप्तान अक्सर लक्ष्य का पीछा करना पसंद करते हैं।दोनों टीमें अपने–अपने पिछले सुपर एट्स मुकाबले हारकर यहां पहुंची हैं। भारत को दक्षिण अफ्रीका ने पूरी तरह मात दी थी, जबकि जिम्बाब्वे को वेस्टइंडीज के खिलाफ 107 रन की करारी शिकस्त झेलनी पड़ी थी।

कप्तान हरमनप्रीत ने जीता टॉस, आस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले बैटिंग करेगी

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे महिला वनडे में कप्तान हरमनप्रीत कौर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया है। चोट के बाद हरमनप्रीत की टीम में वापसी हुई है, जबकि ऑस्ट्रेलियाई टीम में सोफी मोलिनी की जगह निकोला कैरी खेल रही हैं। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे महिला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में शुक्रवार को यहां टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। पहले वनडे के दौरान हरमनप्रीत के घुटने में चोट लग गई थी लेकिन वह अब ठीक हैं। ऑस्ट्रेलिया की सोफी मोलिनी पीठ के निचले हिस्से में दर्द के कारण श्रृंखला से बाहर हो गईं और उनकी जगह निकोला कैरी को अंतिम एकादश में शामिल किया गया है।

सिलेंडर की सप्लाई से शुरू हुआ था रिंकू सिंह का सपना, मुकाम तक पहुँचाकर खामोश हो गए पिता खानचंद

रिंकू जब मैदान पर लंबे छक्के मारकर करोड़ों भारतीयों का दिल जीतते थे, तब अलीगढ़ की गलियों में सिलेंडर पहुँचाने वाले खानचंद सिंह की आँखों में गर्व के आँसू होते थे।भारतीय क्रिकेट के सबसे बड़े शफिनिशरश रिंकू सिंह आज खुद को अकेला महसूस कर रहे हैं। जिस पिता ने कंधे पर भारी गैस सिलेंडर ढोकर रिंकू के लिए क्रिकेट की किट खरीदी थी, आज उन कंधों का सहारा हमेशा के लिए छिन गया। लीवर कैंसर से लंबी लड़ाई के बाद खानचंद सिंह ने आज तड़के दुनिया को अलविदा कह दिया।रिंकू जब मैदान पर लंबे छक्के मारकर करोड़ों भारतीयों का दिल जीतते थे, तब अलीगढ़ की गलियों में सिलेंडर पहुँचाने वाले खानचंद सिंह की आँखों में गर्व के आँसू होते थे। रिंकू के लिए वे केवल एक पिता नहीं, बल्कि वह हिम्मत थे जिसने गरीबी की जंजीरों को तोड़कर एक अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी पैदा किया। आज रिंकू सिंह भले ही करोड़ों के मालिक हैं, लेकिन वह अनमोल दौलत खो गई जिसने उन्हें श्शून्यश से शशिखरश तक पहुँचाया था।क्रिकेटर के पिता कैंसर से पीड़ित थे और काफी समय से ग्रेटर नोएडा के एक निजी अस्पताल में उनका इलाज हो रहा था। अस्पताल के चिकित्सकों ने यह जानकारी दी। ग्रेटर नोएडा के यथार्थ हॉस्पिटल के प्रवक्ता डॉ. सुनील कुमार ने बताया कि रिंकू सिंह के पिता खानचंद सिंह लिवर के कैंसर से जूझ रहे थे।हाल में उनकी तबीयत काफी बिगड़ गई थी, जिसके बाद 21 फरवरी से वह अस्पताल में ही भर्ती थे। उन्हें जीवन रक्षक प्रणाली वेंटिलेटर पर रखा गया था और आज तड़के उन्होंने

अंतिम सांस ली। पिता की गंभीर हालत होने के कारण रिंकू सिंह को टी20 विश्वकप को बीच में छोड़कर देश लौटना पड़ा था। हालांकि 26 फरवरी को जिम्बाब्वे से होने वाले मैच से पहले वह वापस भारतीय टीम के साथ जुड़ गए थे। हाल में वह अपने पिता से मिलने के लिए नोएडा भी पहुंचे थे। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले के रहने वाले 28 वर्षीय रिंकू सिंह की सफलता के पीछे उनके पिता का बहुत बड़ा हाथ रहा है। अलीगढ़ में गैस सिलेंडर आपूर्ति का काम करने वाले खानचंद सिंह ने तमाम अभावों के बावजूद रिंकू के क्रिकेटर बनने के सपने को पूरा करने में हरसंभव मदद की।

भारतीय शेयर बाजार हरे निशान में खुला, सेंसेक्स 100 अंक ऊपर, आईटी शेयरों में बढ़त

मुंबई । सप्ताह के चौथे कारोबारी दिन गुरुवार को भारतीय शेयर बाजार हल्की तेजी के साथ हरे निशान में खुला। सेंसेक्स 143 अंक बढ़कर 82,419 पर खुला, फिर उछाल के साथ 82,579.16 के उच्च स्तर पर पहुंच गया। वहीं एनएसई निफ्टी करीब 50 से ज्यादा अंक उछलकर 25,567.60 के दिन के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। खबर लिखे जाने तक (करीब 9.35 बजे) 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 106 अंकों यानी 0.13 प्रतिशत की तेजी के साथ 82,382.07 पर कारोबार कर रहा था, तो वहीं एनएसई निफ्टी 89.30 (0.11 प्रतिशत) अंकों की बढ़त के साथ 82,365.37 के स्तर पर ट्रेड कर रहा था। आईटी शेयरों में आई गिरावट के बाद नए सिरे से खरीदारी के रुझान के बीच घरेलू बाजार में शुरुआती कारोबार में तेजी देखने को मिली, हालांकि बाद में इसमें थोड़ी गिरावट आई। लेकिन कुछ समय बाद बाजार ने फिर से मजबूती दिखाई।व्यापक बाजारों में, निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स में 0.55 प्रतिशत की तेजी, तो निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स में 0.24 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई। जबकि बीएसई आईटी इंडेक्स में 1.4 प्रतिशत की बढ़त देखने को मिली।सेक्टरवार देखें, तो निफ्टी आईटी सेक्टर में सबसे ज्यादा 1.34 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई। इसके बाद निफ्टी बैंक में 0.32 प्रतिशत, निफ्टी ऑटो में 0.26 प्रतिशत, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज में 0.20 प्रतिशत, तो निफ्टी मेटल में 0.15 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली।सेंसेक्स के 30 शेयरों में आईटी शेयरों ने सबसे अधिक बढ़त दर्ज की, जिसमें टेक महिंद्रा, इंफोसिस, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और टीसीएस के शेयरों में 1 से 2 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। इसके अलावा, सन फार्मा, एलएंडटी, मारुति सुजुकी, टाइटन, बीईएल और अदाणी पोर्ट्स शेयरों में भी तेजी देखने को मिली। जबकि, एनटीपीसी, पावरग्रिड, एक्सिस बैंक, एचयूएल, अल्ट्राटेक सीमेंट और इटरनल टॉप लूजर्स वाले शेयरों की श्रेणी में शामिल रहे।मार्केट एक्सपर्ट्स के अनुसार, निफ्टी 25,250 से 25,650 के दायरे में कंसोलिडेट कर रहा है, यानी फिलहाल बाजार सीमित दायरे में घूम रहा है। 25,250 का स्तर तत्काल सपोर्ट के रूप में महत्वपूर्ण है और इसके ऊपर टिके रहना बाजार की रिकवरी के लिए जरूरी है। वहीं ऊपर की ओर 25,650 का स्तर प्रमुख रेजिस्टेंस

है।बाजार के जानकारों का कहना है कि संस्थागत निवेशकों की गतिविधियों की बात करें तो विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) का रुख हाल के सत्रों में मिला–जुला रहा है। वहीं घरेलू संस्थागत निवेशक (डीआईआई) लगातार मजबूती दिखा रहे हैं और ताजा उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक उन्होंने 5,119 करोड़ रुपए से ज्यादा की शुद्ध खरीदारी की है। इससे बाजार में गिरावट का जोखिम कम हुआ है और निवेशकों का भरोसा बना हुआ है। साथ ही इंडिया वीआईएक्स में गिरावट आई है, जो यह संकेत देता है कि बाजार में निकट अवधि की घबराहट कम हुई है।

सितंबर 2024 के बाद फरवरी में आया सबसे ज्यादा एफआईआई निवेश, 2.44 अरब डालर की शुद्ध खरीदारी

मुंबई । गुरुवार को जारी एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने फरवरी में 17 महीनों का सबसे बड़ा निवेश दर्ज किया। इस दौरान लगभग 2.44 अरब डॉलर का शुद्ध निवेश किया गया। फरवरी में एफआईआई ने सेकेंडरी मार्केट में करीब 2.14 अरब डॉलर और प्राइमरी मार्केट में 299 मिलियन डॉलर का निवेश किया, जो सितंबर 2024 के बाद सबसे बड़ी मासिक शुद्ध खरीदारी है। हालांकि, अक्टूबर 2023 से प्राइमरी मार्केट में एफआईआई की खरीदारी लगातार बनी हुई है, लेकिन जनवरी 2024 से दिसंबर 2025 के बीच सेकेंडरी मार्केट में उनकी कुल निकासी 46 अरब डॉलर से ज्यादा रही। फरवरी में शुद्ध खरीदारी उस समय हुई जब महीने की शुरुआत में आईटी शेयरों में 1.21 अरब डॉलर की भारी बिकवाली देखी गई थी।
विश्लेषकों ने सावधानी बरतने की सलाह दी है। उनका कहना है कि फरवरी का निवेश पिछली बड़ी बिकवाली की तुलना में अभी छोटा है और यह ट्रेंड में स्थायी बदलाव के बजाय केवल अस्थायी ठहराव हो सकता है।कुछ विशेषज्ञों का

मानना है कि यदि आईटी सेक्टर में बिकवाली जारी रही तो फिर से निकासी बढ़ सकती है। हालांकि, उनका यह भी कहना है कि भारतीय शेयर बाजार में वैल्यूएशन अब संतुलित हो गए हैं, जिससे आक्रामक बिकवाली की संभावना कम है।पिछले एक महीने में सेंसेक्स में 1.08 प्रतिशत की बढ़त हुई है, जबकि निफ्टी 2.05 प्रतिशत चढ़ा है। निफ्टी मिडकैप 100 और स्मॉलकैप 250 इंडेक्स में क्रमशरू 4.72 प्रतिशत और 5.10 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई।एक अन्य हालिया रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय बाजार में सुधार के शुरुआती संकेत दिख रहे हैं और बेस केस अनुमान के तहत अगले 12 महीनों में निफ्टी 27,958 के स्तर तक पहुंच सकता है।रिपोर्ट में कहा गया है कि नीतिगत स्पष्टता, बड़े व्यापार समझौते और बुनियादी ढांचे पर लगातार जोर भारत की विकास गाथा को नए चरण में ले जा रहे हैं, जिससे विस्तार के अगले दौर की नींव तैयार हो रही है।रिपोर्ट के मुताबिक, भारत–ईयू मुक्त व्यापार समझौते जैसे कदम अगले विकास चक्र के लिए अहम उत्प्रेरक साबित हो सकते हैं।सेक्टोरल स्तर पर बैंकिंग और विविध वित्तीय कंपनियों को क्रेडिट ग्रोथ 13–14 प्रतिशत तक सामान्य होने और स्थिर एसेट क्वालिटी का फायदा मिल सकता है।

आईडीएफसी के बाद अब यश बैंक में गड़बड़ी, लाखों ग्राहकों का डेटा खतरे मेंय आरबीआई ने तलब किए वरिष्ठ अधिकारी

नई दिल्ली । आईडीएफसी के बाद अब यस बैंक में भी गंभीर गड़बड़ियों का मामला सामने आया है। यस बैंक–क्वशशद्मरू4स्नशह्मद्ग–मल्टी–करेंसी फॉरेक्स कार्ड से जुड़े एक बड़े डेटा ब्रीच के बाद भारतीय रिजर्व बैंक (क्रक्चढ़ढ़) ने बैंक के वरिष्ठ अधिकारियों को तलब किया है। इस घटना में कई ग्राहकों के कार्ड डिटेल्स और ष्टड्कड्क नंबर हैक होने की आशंका जताई गई है। आरबीआई ने बैंक से विस्तृत जानकारी मांगी है कि उसके सिस्टम में सेंध कैसे लगी और किन परिस्थितियों में ग्राहकों का संवेदनशील डेटा लीक हुआ।डेटा लीक की क्या है पूरी जानकारी?मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, आरबीआई यह स्पष्ट करना चाहता है कि ष्टड्कड्क सहित कितना संवेदनशील कार्ड डेटा प्रभावित हुआ और इसे रोकने के लिए तत्काल क्या कदम उठाए गए। हालांकि, यस बैंक ने आरबीआई के सवालों पर सार्वजनिक रूप से कोई विस्तृत प्रतिक्रिया नहीं दी है। बैंक की आंतरिक जांच में 24 फरवरी को एक लैटिन अमेरिकी देश में 15 मर्चेंट्स से जुड़े संदिग्ध फ्रॉड ट्रांजैक्शन सामने आए। लगभग 5,000 ग्राहकों के बीच 2.54 करोड़ रुपये के ट्रांजैक्शन को मंजूरी दी गई, जबकि 90 लाख रुपये के 688 अनधिकृत ट्रांजैक्शन प्रयासों को समय रहते ब्लॉक कर दिया गया।ग्राहकों के नुकसान की भरपाई की तैयारीबैंक ने कहा है कि वह कार्ड नेटवर्क के साथ मिलकर चार्जबैक प्रक्रिया शुरू कर रहा है, ताकि प्रभावित ग्राहकों को किसी भी तरह का वित्तीय नुकसान न उठाना पड़े। वहीं, बुकमायफॉरेक्स ने स्पष्ट किया है कि वह ग्राहकों की संवेदनशील कार्ड जानकारी स्टोर नहीं करता। कंपनी के मुताबिक, संबंधित अवध के दौरान उसके सिस्टम में न तो कोई सेंध लगी और न ही कोई डेटा कॉम्प्रोमाइज हुआ।आरबीआई ने मांगी ये अहम जानकारियांआरबीआई ने बैंक से यह भी पूछा है कि–

संवेदनशील कार्ड डेटा (विशेषकर) को कैसे स्टोर और सुरक्षित रखा गया था?क्या एन्क्रिप्शन और अन्य सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन किया गया था?मौजूदा साइबर सुरक्षा सिस्टम इस एक्सपोजर को रोकने में क्यों विफल रहे?

घटना की डिटेक्शन और रिपोर्टिंग की टाइमलाइन क्या रही?

थर्ड–पार्टी रिस्क मैनेजमेंट और निगरानी तंत्र कितना मजबूत था?प्रभावित ग्राहकों की कुल संख्या कितनी है?कार्ड ब्लॉक करने, दुरुपयोग रोकने और नुकसान कम करने के लिए क्या कदम उठाए गए?

फिर बढ़ने लगी चांदी की चमक, 2.60 लाख के पार हुई कीमतय सोने में भी आया उछाल

नई दिल्ली । चांदी में 6000 हजार रुपये से ज्यादा की तेजी है। सोने में भी तेजी देखी जा रही है। हालांकि ये चांदी जितनी नहीं है। हालांकि कल सोने और चांदी में गिरावट देखी गई थी। सबसे पहले जानते हैं कि आपके देश में सोने और चांदी का क्या भाव चल रहा है?सुबह 10 बजे के आसपास सोने में 631 रुपये प्रति 10 ग्राम की तेजी है। इस समय 10 ग्राम सोने की कीमत 1,60,600 रुपये चल रही है। सोने ने अब तक 1,60,332 रुपये प्रति 10 ग्राम का लो रिकॉर्ड और 1,61,072 रुपये प्रति 10 ग्राम का हाई रिकॉर्ड बनाया है। सुबह 10 बजे के आसपास 1 किलो चांदी का दाम 2,66,801 रुपये चल रहा है। इसमें 6057 रुपये प्रति किलो की तेजी देखी गई है। चांदी ने अब तक 2,64,300 रुपये प्रति किलो का लो रिकॉर्ड और 2,67,990 रुपये प्रति किलो का हाई रिकॉर्ड बनाया है।पटना में 10 ग्राम सोने की कीमत सबसे कम है। यहां 10 ग्राम सोना 1,60,700 रुपये चल रहा है। वहीं चंडीगढ़ में सोना सबसे सस्ता मिल रहा है।

फिल्म भूत बंगला के पहले गाने रामजी आके भला करेंगे का टीजर रिलीज, भूत, मस्ती और ओजी स्वैग संग अक्षय ने की वापसी

भूत बंगला 2026 की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है, जो 14 साल बाद बॉलीवुड के दो दिग्गजों अक्षय कुमार और प्रियदर्शन की जोड़ी को वापस साथ ला रही है. बालाजी मोशन पिक्चर्स के बैनर तले बनी इस फिल्म ने उन दर्शकों के बीच जबरदस्त एक्साइटमेंट पैदा कर दी है, जो इस जोड़ी की कल्ट कॉमेडी फिल्में देखकर बड़े हुए है.

इस चर्चा को और बढ़ाते हुए, मेकर्स ने फिल्म के पहले गाने रामजी आके भला करेंगे का टीजर रिलीज कर दिया है, जो उस पागलपन और कॉमेडी की एक झलक देता है जिसका फैंस को बेसब्री से इंतजार था. टीजर में अक्षय कुमार अपने पुराने और असली अंदाज में नजर आ रहे हैं, जो दर्शकों को याद दिलाता है कि आखिर क्यों वो बॉलीवुड के सबसे एंटरटेनिंग कलाकारों में से एक माने जाते हैं.यह पेप्पी और हाई–एनर्जी गाना अपनी वाइब्रेंट विजुअल्स, कैची बीट्स और अक्षय की सिग्नेचर कॉमिक टाइमिंग से भरपूर है. प्रीतम द्वारा कंपोज किए गए और कुमार के लिखे इस गाने को देव अरिजीत ने गाया है, साथ ही मेलो डी का लिखा और परफॉर्म किया गया रैप सेगमेंट इस गाने को ऐसा बना देता है जिसे आप स्किप नहीं कर पाएंगे.

यह टीजर सिर्फ एक गाने की झलक भर नहीं है, बल्कि एक लेजेंड्री क्रिएटिव जोड़ी की वापसी का संकेत है. भूत बंगला के साथ, अक्षय कुमार और प्रियदर्शन अपनी वही जानी–पहचानी कॉमिक पागलपन वापस लाने का वादा कर रहे हैं, जो दर्शकों को पुरानी यादों, हंसी और उस बड़े पर्दे के मनोरंजन से सराबोर कर देगी जिसका उन्हें लंबे समय से इंतजार था.बालाजी मोशन पिक्चर्स (बालाजी टेलीफिल्म्स लिमिटेड का एक डिवीजन) और केप ऑफ गुड फिल्म्स साथ मिलकर पेश कर रहे हैं भूत बंगला, जिसमें अक्षय कुमार, वामीका गब्बी, परेश रावल, तब्बू और राजपाल यादव जैसे

कलाकार नजर आएंगे. प्रियदर्शन द्वारा निर्देशित इस फिल्म को अक्षय कुमार, शोभा कपूर और एकता आर कपूर ने प्रोड्यूस किया है. यह फिल्म 10 अप्रैल, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है.

द पैराडाइज का गाना आया शेर रिलीज, अनिरुद्ध की दमदार धुन ने नानी के मास अवतार को और भी बेहतर बना दिया

द पैराडाइज के मेकर्स ने फैंस के लिए एक बड़ा तोहफा दिया है, जिसका बहुत इंतजार था, आया शेर गाना पूरी तरह रिलीज हो गया है, और यह तुरंत सोशल मीडिया पर छा गया है। इस हाई–एनर्जी ट्रैक में नानी को बिल्कुल नए, रफ एंड टफ अवतार में दिखाया गया है, जो फिल्म के 1960 के दशक के गैंगस्टर बैकग्राउंड से पूरी तरह मेल खाता है। पहली बीट से ही, यह गाना एक जबरदस्त मास मूड बनाता है और किरदार जदल को एक मजबूत ऊंचाई देता है। कैची हुक लाइन और रॉ लिरिक्स सीटी बजाने लायक वाइब को और बढ़ाते हैं, जिससे यह साफ हो जाता है कि यह गाना बड़े पर्दे और उन फैंस के लिए बनाया गया है जो बड़े–से–बड़े पलों का आनंद लेते हैं।अनिरुद्ध रविचंदर का बनाया यह गाना अपबीट बीट्स से भरा है और इसमें एक जबरदस्त बैकग्राउंड स्कोर भी है जो मूड सेट करता है। गाने में नानी के पावर–पैक्ड डांस मूव्स, किलर बॉडी एक्सप्रेशन और मास मेकओवर आपके रोंगटे खड़े कर देंगे। गाने में सुंदर की मास कोरियोग्राफी भी है, जिसमें कुछ बदलते पैटर्न और पावर–पैक्ड मूव्स हैं जो कैरेक्टर के उदय और बिल्ड–अप को दिखाते हैं। यह गाना मजबूत लीड के लिए एक कैरेक्टर इंट्रोडक्शन का काम करता है और न केवल एक कैच वाला गाना लगता है।मेकर्स ने इस गाने को रामोजी फिल्म सिटी में सैकड़ों डांसर्स और एक बड़े सेट के साथ बड़े लेवल पर बनाया, जो उस जमाने का माहौल बनाता है। हर फ्रेम फिल्म के स्केल और द पैराडाइज की दुनिया को डिजाइन करने में की गई मेहनत को दिखाता है। नानी की वॉरियर जैसी

स्टाइलिंग और रॉ स्क्रीन प्रेजेंस उनके पहले के रोल्स से एक साफ बदलाव दिखाते हैं, जो उन्हें ज़्यादा इंटेंस और मैसी जोन में दिखाते हैं। विजुअल्स, कॉस्ट्यूम्स और लाइटिंग मिलकर गाने को फैंस के लिए एक असली फेस्टिवल जैसा फील देते हैं। श्रीकांत ओडेला के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म में दशहरा की सफल जोड़ी फिर से साथ आ रही है, जिससे उम्मीदें और भी बढ़ गई हैं। इस प्रोजेक्ट में मोहन बाबू भी एक अहम रोल में हैं। अब इसकी रिलीज 21 अगस्त तक बढ़ा दी गई है, और फिल्म एक ग्रैंड मल्टीलिंगुअल लॉन्च के लिए तैयार है।

फिल्म सूबेदार का पहला गाना लल्ला जारी, रौब जमाते अनिल कपूर का अंदाज देखने लायक

लल्ला एंथमरू ए वार्निंग फ्रॉम सूबेदार को मिले जबरदस्त रिस्पॉन्स के बाद, प्राइम वीडियो और टी–सीरीज ने आज अपनी आने वाली ओरिजिनल फिल्म सूबेदार के ऑफिशियल सॉन्ग वीडियो लल्ला को रिलीज कर दिया है. इस फिल्म में अनिल कपूर लीड रोल में हैं. यह गाना पूरी तरह से जोश और शानदार विजुअल्स से भरपूर है, जो सूबेदार अर्जुन मौर्य की ताकत, गर्व और उनके अटूट उसूलों को बखूबी दिखाता है. रोहन–विनायक के म्यूजिक और ऋषि उपाध्याय के लिखे इस गाने को विशाल ददलानी ने अपनी आवाज दी है. यह ट्रैक फिल्म की कहानी के बीच चल रहे तनाव और टकराव को एक म्यूजिकल मुकाबले के जरिए पेश करता है. वैसे

भी सूबेदार में अनिल कपूर सनी देओल जैसा एक्शन दिखा रहे हैं.लल्ला गाने की धुन और उसकी रफ्तार पर्दे पर बढ़ते तनाव को बखूबी दिखाती है, जिसमें फिल्म के कुछ दमदार और रफ–टफ सीन्स की झलकियां भी देखने को मिलती हैं. वीडियो में आदित्य रावल, सौरभ शुक्ला, फैसल मलिक, मोना सिंह और राधिका मदान के किरदारों की प्रभावशाली झलकियां दिखाई गई हैं, जो सूबेदार अर्जुन मौर्य (अनिल कपूर) की कहानी और उनके इमोशनल सफर को और भी गहरा बनाती हैं.लल्ला सॉन्ग के सिंगर विशाल ददलानी ने कहा, जब लल्ला पहली बार एंथम के तौर पर आया था, तो लोग इसकी एनर्जी से तुरंत जुड़ गए थे. लेकिन एक पूरे गाने के रूप में यह और भी गहरा है, और मुझे इसकी सधी हुई इंटेंसिटी ने सबसे ज्यादा प्रभावित किया. ध्यह अपनी जगह पर डटे रहने और अपनी पहचान बनाए रखने की भावना को समेटे हुए है. रिकॉर्डिंग के दौरान, मैं चाहता था कि मेरी आवाज उस मजबूती और संकल्प से मेल खाए, जो अनिल सर स्क्रीन पर लेकर आए हैं.

जतिन सरना की फिल्म ना जाने कौन आ गया का टीजर रिलीज, रिलीज तारीख भी जारी

सैफ अली खान की वेब सीरीज सेक्रेड गेम्स में नजर आ चुके अभिनेता जतिन सरना की आगामी फिल्म ना जाने कौन आ गया का टीजर जारी कर दिया गया है। इसी के साथ फिल्म की रिलीज तारीख से पर्दा भी उठा दिया गया है। फिल्म का निर्देशन विकास अरोरा ने किया है, जबकि निर्माण विपुल धवन और पूजा अरोरा ने मिलकर किया है। फिल्म में मधुरिमा रॉय और प्रणय पचौरी भी मुख्य किरदार में हैं। ना जाने कौन आ गया का टीजर 1 मिनट 10 सेकंड लंबा है जिसमें आज के समय के रिश्तों को टटोलती भावनाओं और एहसास को दर्शाया गया है। हाल ही में, निर्माताओं ने फिल्म का पोस्टर जारी किया था और अब टीजर जिसने फैंस को उत्साहित कर दिया है। फिल्म की शूटिंग उत्तराखंड की खूबसूरत जगहों पर की गई है, जिसमें भीमताल और नैनीताल शामिल हैं। यह फिल्म 6 मार्च, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है।फिल्म रिश्तों की उस सच्चाई को दिखाती है जहां भरोसा कमजोर होता है, प्यार पजेशन में बदल जाता है और दिल टूटने के बाद इंसान खुद से भी दूर हो जाता है. टीजर में आगे कई दमदार और भावुक सीन दिखते हैं. एक जगह मधुरिमा रॉय का किरदार पूछता है, क्या हम लोग सही कर रहे हैं? इसके बाद कहानी तेजी से आगे

बढ़ती है और प्यार, जुनून और गुस्से की टक्कर साफ दिखती है. इसमें रोमांटिक सीन, दुख भरे पल और झगड़े के दृश्य भी नजर आते हैं जहां बदले की आग भी महसूस होती है. आखिर में प्रणय पचौरी माउथ ऑर्गन बजाते दिखते हैं और अचानक जतिन सरना माचिस से एक बड़े झूले को आग लगा देते हैं, जिससे टीजर का अंत थोड़ा दर्द भरा और बेचैन करने वाला लगता है.

सरगुन मेहता ने प्रेग्नेंसी की खबरों पर लगाया विराम, अफवाह उड़ाने वालों की लगाई क्लास

सोशल मीडिया पर अक्सर सेलेब्रिटीज की निजी जिंदगी को लेकर बिना आधार की अफवाहें फैल जाती हैं, जो कि उनकी निजी जिंदगी को परेशान करने लगी हैं। ऐसा ही कुछ कई समय से टीवी–पंजाबी सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री सरगुन मेहता और उनके पति रवि दुबे के साथ हो रहा था। दरअसल, पिछले काफी समय से सोशल मीडिया पर लगातार यह खबरें फैल रही थीं कि सरगुन मेहता प्रेग्नेंट हैं। इन अफवाहों की वजह से फैंस में काफी उत्साह था, लेकिन कपल की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई। अभिनेत्री सरगुन ने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के जरिए इस मामले पर विराम लगा दिया है। उन्होंने एक नोट शेयर किया, जिसमें अभिनेत्री ने खंडन करते हुए लिखा, अफवाह फैलाने वालों को तो पिछले 2 साल से मेरी प्रेग्नेंसी के बारे में मुझसे पहले ही सब पता चल जाता है। उनके अनुसार मैं पिछले 2 साल से प्रेग्नेंट हूं। भला, इतनी लंबी प्रेग्नेंसी किसी की होती भी है क्या?

अभिनेत्री ने आगे लिखा, प्लीज शांत रहें और बिना किसी आधार की खबरें फैलाना बंद करें। कोई भी खबर फैलाने से पहले हमसे या हमारी टीम

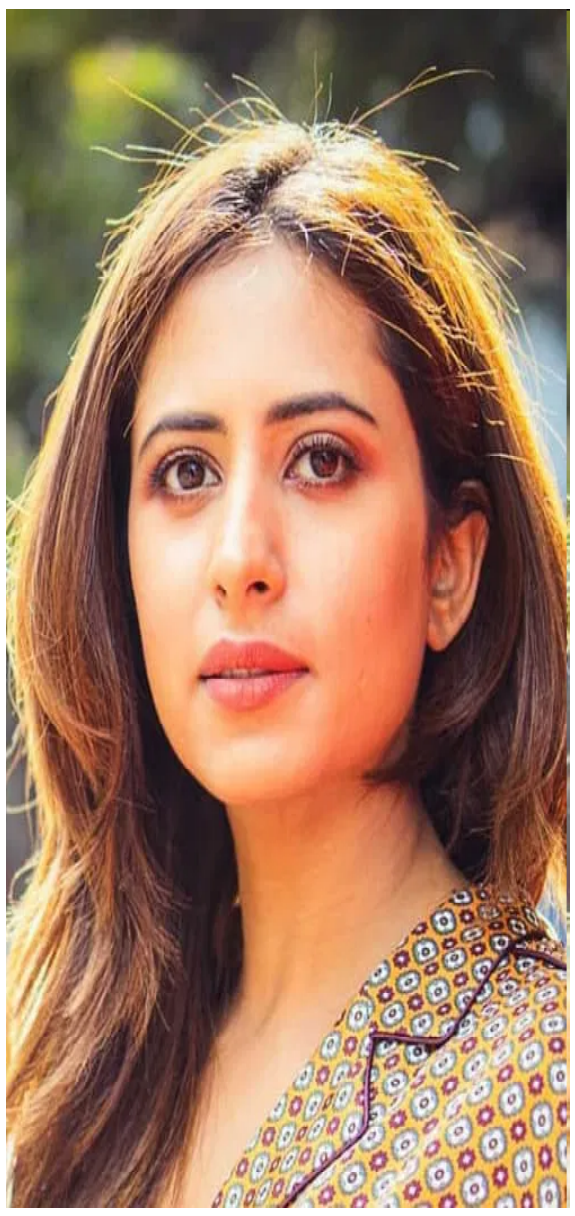

से एक बार पूछ लेना ज्यादा मुश्किल नहीं है, ताकि सही जानकारी सामने आ सके।

अभिनेत्री सरगुन मेहता ने नोट शेयर कर लिखा, आपको ऐसी प्रेग्नेंसी के बारे में कैसे पता चल गया, जिसके बारे में मुझे और रवि को ही कोई जानकारी नहीं है? प्लीज ऐसी अफवाहें फैलाना बंद करें।

अभिनेत्री के पोस्ट शेयर करने के बाद कई यूजर्स और दोस्तों ने प्रतिक्रिया दी। अभिनेत्री गौहर खान ने कमेंट बॉक्स में हाथ जोड़ते हुए प्रतिक्रिया दी, तो सरगुन के पति रवि दुबे ने लिखा, क्या कैप्शन है।

सेलेब्स को अपनी निजी जिंदगी को लेकर बार–बार ऐसे झूठे दावों का सामना करना पड़ता है। इससे पहले कई सेलेब्स इस तरह की झूठी अफवाहों का सामना कर चुके हैं। अभिनेत्री रीम शेख की भी शादी की खबरें उड़ी थीं। दरअसल, लाफ्टर ज्वाइन करने से पहले उनका नाम कंटेंट क्रिएटर कृष गुप्ता के साथ जुड़ा था। साथ ही, यह दावा भी किया गया था कि वे जल्द ही उनसे शादी करने वाली हैं।

ओ रोमियो ने 12 दिनों में दुनियाभर से बटोरे 92 करोड़, जानिए भारत में कुल कमाई

शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी की फिल्म ओ रोमियो 13 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। शुरुआती कुछ दिनों तक इसने बॉक्स ऑफिस पर अपनी मजबूत पकड़ बनाकर रखी थी, लेकिन बाद में आंकड़ों में गिरावट आनी शुरू हो गई। दर्शकों और समीक्षकों से मिली–जुली प्रतिक्रिया मिलने के बाद यह फिल्म लोगों को सिनेमाघरों तक खींचने में भी नाकामयाब दिख रही है। आइए जानते हैं कि ओ रोमियो के लिए 12वां दिन कमाई के मामले में कैसा रहा। विशाल भारद्वाज द्वारा निर्देशित ओ रोमियो ने पहले हफ्ते में घरेलू बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन किया था। सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक,

रिलीज के 11वें दिन इसने 1.6 करोड़ रुपये का कारोबार किया था, वहीं 12वें दिन इसने 1.65 करोड़ रुपये का कारोबार किया है। इस तरह फिल्म का कुल कलेक्शन 59.05 करोड़ रुपये हो गया है।रिपोर्ट के अनुसार, कम कमाई के बावजूद विशाल ने ओ रोमियो को अपनी सबसे सफल फिल्मों में से एक बताया है। ओ रोमियो को भारत में भले कम कमाई का मुंह देखना पड़ा हो, लेकिन दुनियाभर में इसने अपनी लाज बचाई है। फिल्म ने अब तक करीब 92 करोड़ रुपये का कारोबार कर लिया है। उम्मीद है कि आंकड़ा जल्द 100 करोड़ के पार पहुंच जाएगा। बता दें कि शाहिद और तृप्ति के अलावा, फिल्म में कई सारे सितारों की टोली है। नाना पाटेकर, अविनाश तिवारी, दिशा पाटनी, तमन्ना भाटिया, विक्रांत मैसी और फरीदा जलाल इसका हिस्सा हैं।

दिव्या दत्ता की चिरैया का टीजर आउट, घर में होने वाले अन्याय पर उठाएगी सवालय जियो हाटस्टार पर स्ट्रीम होगी सीरीज?

दिव्या दत्ता की नई वेब सीरीज चिरैया का टीजर आ गया है। यह टीजर भारतीय घरों में होने वाले अन्याय पर सवाल उठाता है। जानें कहां देख सकेंगे सीरीज।कुछ ही देर पहले नई सीरीज चिरैया का टीजर रिलीज हुआ है। इस सीरीज की शुरुआत एक शादी के खुशी भरे मंजर से होती है। एक नई दुल्हन, पूजा, बेहतर जिंदगी की उम्मीद के साथ नया जीवन शुरू करती दिखती है। लेकिन अचानक एक डरावना मोड़ सामने आता है, जिसमें दुल्हन को छत पर उदास और सदमे में दिखाया जाता है। उसके चेहरे पर आंसू हैं और शरीर पर चोट के निशान दिखते हैं। जिसे देखकर दिव्या दत्ता भी चौंक जाती हैं।सीरीज की कहानी के बारे में बता करें तो यह शादी के जश्न के पीछे एक कड़वी सच्चाई के बारे में है। यह सीरीज सवाल उठाती है कि क्या शादी के बाद अगर पति अपनी पत्नी पर किसी भी तरह का दबाव डाले, तो क्या यह सही है? शादी कोई लाइसेंस नहीं है और हर बार चुप रहना का मतलब हां नहीं होता।रिपोर्ट के अनुसार, अभिनेत्री दिव्या दत्ता ने चिरैया को लेकर कहा कि इस किरदार को निभाते हुए उन्हें रिश्तों की कड़वी हकीकत का सामना करना पड़ा। उन्होंने बताया, हम अक्सर रिश्ते बचाने या शांति बनाए रखने के नाम पर खुद को चुप कर लेते हैं। शादी को बिना सवाल किए सहमति मान लिया जाता है और त्याग को इतना रोमांटिक बना दिया जाता है कि दर्द गायब हो जाता है। यह हानी सोचने पर मजबूर करती है कि क्या हम गलत को देखकर चुप रहें या सही के लिए आवाज उठाएं।चिरैया वेब सीरीज शशांत शाह के निर्देशन में बनी है और एसवीएफ एंटरटेनमेंट ने इसे

बनाया है। इसमें दिव्या दत्ता के अलावा संजय मिश्रा, सिद्धार्थ शॉ, प्रसन्ना बिष्ट, फैसल राशिद, टीनू आनंद, सरिता जोशी जैसे कलाकार हैं। चिरैया जल्द ही जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी।

अभिनेत्री सम्युक्ता का सबसे दमदार रूप स्वयंभू के टीजर में वारियर अवतार ने मचाया तहलका

अपनी पिछली फिल्मों की कामयाबी पर सवार सम्युक्ता ने स्वयंभू के टीजर में ऐसा पावरफुल इम्पैक्ट छोड़ा है कि नजर हटाना मुश्किल हो जाए। इस बार वो नजर आती हैं एक भयंकर योद्धा के रूप में, जो अफरातफरी को चीरते हुए पूरे कॉन्फिडेंस और इंटेंसिटी के साथ आगे बढ़ती है। गूंथी हुई चोटी, युद्ध के लिए तैयार तेवर, और रफ–टफ योद्धा वेशभूषा में सम्युक्ता कच्ची ताकत और अटूट इरादे का प्रदर्शन करती दिखती हैं। उनका किरदार शब्दों से नहीं, एक्शन से बोलता है और हर फ्रेम ये इशारा देता है कि वो अपने करियर के सबसे साहसी क्रिएटिव फेज में कदम रख चुकी हैं। ये भूमिका इसलिए भी खास लगती है क्योंकि इससे पहले उनका परफॉर्मेंस ट्रैक रिकॉर्ड बेहद मजबूत रहा है। भीमला नायक में उन्होंने अपनी दमदार मौजूदगी से सबको प्रभावित किया, बिम्बिसार में पौराणिक दुनिया को एक्सप्लोर किया, विरुपाक्ष में थ्रिल का तड़का लगाया और सर में जमीन से जुड़ा अभिनय पेश किया। अब स्वयंभू में ऐसा लगता है जैसे इन सभी अनुभवों का संगम दिख रहा हो और सम्युक्ता खुद का और भी ताकतवर संस्करण बनकर सामने आई हों।टीजर में वो एक निडर और बेखौफ योद्धा के रूप में दिखती हैं, जो जेंडर की तय सीमाओं को चुनौती देते हुए तीखे एक्शन सीक्वेंस में कमान अपने हाथ में लेती है। कभी धनुष–बाण साधती हुई, तो कभी तलवार लहराती हुई कृ हर सीन इस बात का सबूत है कि इस किरदार के लिए उन्होंने जबरदस्त शारीरिक ट्रेनिंग और तैयारी की है।सम्युक्ता कहती हैं, स्वयंभू मेरे दिल के बेहद करीब है क्योंकि मैंने हमेशा ऐसे किरदार चुने हैं जो मुझे मेरे कम्फर्ट जोन से बाहर ले जाएं। इस भूमिका ने मुझे शारीरिक और मानसिक, दोनों स्तर पर ऐसी चुनौती दी जैसा पहले कभी महसूस नहीं किया। एक गांव की महिला की आत्मा और शक्ति को समझने से लेकर घुड़सवारी और तीरंदाजी की कड़ी ट्रेनिंग तक, ये सफर बेहद गहन और परिवर्तनकारी रहा। इस किरदार में वो सब कुछ है जिसका एक अभिनेता सपना देखता है कृ ताकत, संवेदनशीलता और एक मजबूत आवाज। इस उग्र योद्धा रूप में ढलना

मेरे करियर के सबसे संतोषजनक अनुभवों में से एक रहा है। स्वयंभू के अलावा भी सम्युक्ता के पास कई दिलचस्प प्रोजेक्ट्स लाइनअप में हैं, जहां वो अपनी बढ़ती रेंज दिखाती नजर आएंगी। जल्द ही वो ब्लैक गोल्ड में एक सशक्त पुलिस अधिकारी के रूप में फिल्म को लीड करेंगी और साथ ही पुरी जगन्नाध की स्लम डॉग में विजय सेतुपति और तब्बू के साथ स्क्रीन साझा करती दिखाई देंगी।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया

स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।

सम्पादक–शील कुमार शुक्ला

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।